मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ से प्रकाशित: भोपाल • ग्वालियर • कटनी • बिलासपुर • जबलपुर • छिंदवाड़ा • बालाघाट

www.emsindia.com

भोपाल
मंगलवार 08 अप्रैल 2025
■ वर्ष: 30 ■ अंक: 101
■ पेज: 8 ■ मूल्य: 1.50/- रुपए

निष्पक्ष एवं विश्वसनीय खबरों का लोकप्रिय समाचार पत्र

एक्सप्रेस न्यूज

देश में अगले 11 दिन पड़ेगी भीषण गर्मी

मप्र में हीटवेव...बाड़मेर में 26 साल का रिकॉर्ड टूटा

नई दिल्ली, ईएमएस। राजस्थान में भीषण गर्मी का दौर शुरू हो गया है।

14 जिलों में हीटवेव का अलर्ट जारी है। बाड़मेर-जैसलमेर में पारा 45 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। पिछले 26 साल में बाड़मेर में अप्रैल के पहले हफ्ते में यह सबसे ज्यादा तापमान है। अगले कुछ दिन गर्म से राहत मिलने की संभावना नहीं है। मप्र में भी भीषण गर्मी ने समय से पहले ही दस्तक दे दी है।

भोपाल का तापमान 40.5 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। इस सीजन में यह सबसे ज्यादा है। प्रदेश के 13 जिलों में तापमान 40 से 42.2 डिग्री के बीच रहा। मौसम विभाग के अनुसार, आज नीमच, मंदसौर, भिंड, मुरैना, श्योपुर और रतलाम में लू चलने की संभावना है। मौसम विभाग ने 11 दिन तक देश के अधिकतर राज्यों में लू चलने और अधिकतम तापमान 40 डिग्री के आसपास रहने अनुमान लगाया है। 10 अप्रैल तक राजस्थान, गुजरात के कुछ जिलों में अधिकतम तापमान 42 डिग्री से ऊपर जा सकता है।

चुपके-चुपके

साहब को अपने पद की गरीमा का भी ख्याल नहीं

कानून व्यवस्था वाले विभाग में अपर मुख्य सचिव की कुर्सी संभाल रहे एक वरिष्ठ आईएएस अधिकारी की कार्यप्रणाली इनदिनों चर्चा में हैं। खबरची का कहना है कि विभाग में पदस्थ होने के बाद से ही साहब ने अपनी मांग से अफसरों को परेशानी में डाल रखा है।

सूत्र बताते हैं कि गत दिनों साहब ने अपने कक्ष में फोटोकॉपी मशीन के लिए नोटशीट तैयार करवाई और उसे खुद लेकर पुलिस विभाग के मुखिया के पास पहुंच गए। जबकि वे प्रस्ताव भेज भी देते तो काम हो जाता। साहब के इस कदम से अन्य अधिकारी अचंभित रह गए। शायद साहब को अपनी गरीमा का ख्याल नहीं रहता है। क्योंकि अक्सर साहब कुछ न कुछ ऐसी हरकत करते रहते हैं जिससे चर्चा में बने रहते हैं।

- खबरची

पिछड़ों की खुली लॉटरी... कांग्रेस ने दिया आरक्षण, भाजपा ने किया समर्थन

● भोपाल, ईएमएस

सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले को सही ठहराया, याचिका की खारिज

कमलनाथ सरकार द्वारा साल 2019 में ओबीसी वर्ग को 14 फीसदी से बढ़ाकर 27 प्रतिशत आरक्षण दिया था। इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में लगाई गई विशेष अनुमति याचिका खारिज हो गई है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि 27 फीसदी ओबीसी आरक्षण पर कोई रोक नहीं हैं। यूथ फॉर इक्वेलिटीसंगठन की ओर से सुप्रीम कोर्ट में यह एसएलपी दायर की गई थी।

सुप्रीम कोर्ट ने मप्र हाईकोर्ट के आदेश को सही मानते हुए स्पष्ट किया कि 27 फीसदी ओबीसी आरक्षण को लागू करने में कोई न्यायिक अड़चन नहीं हैं। बता दें कि इससे पहले हाइकोर्ट भी खारिज यूथ फॉर इक्वलिटी की याचिका कर चुका है। 28 जनवरी को हाईकोर्ट ने यूथ फॉर इक्वलिटी की दो याचिका खारिज की थी। यूथ फॉर इक्वलिटी की याचिका में ओबीसी के 27 प्रतिशत आरक्षण भर्ती के सर्कुलर को चैलेंज किया गया था। यूथ फॉर इक्वलिटी की याचिका खारिज होने के बाद मप्र में 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण का रास्ता साफ हो रहा था। हाईकोर्ट से ओबीसी आरक्षण का रास्ता साफ होता देख सुप्रीम कोर्ट में अड़ंगा लगाने कोशिश की गई थी। ओबीसी एडवोकेट्स वेलफेयर एसोसिएशन सहित प्रभावित अभ्यर्थियों की ओर से केवियट दाखिल की गईं थी। जानकारी रामेश्वर सिंह ठाकुर, याचिकाकर्ताओं के वकील ने दी। धर्मेंद्र कुशवाहा ने कहा कि सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से सुप्रीम कोर्ट में मजबूती से पक्ष नहीं रखा गया। इससे जाहिर होता है कि मध्य प्रदेश की सरकार पिछड़े वर्ग को उनका अधिकार देना नहीं चाहती। ऐसी दशा में ओबीसी महासभा ने अपने वर्ग को न्याय दिलाने के लिए संगठन की ओर से अपने वर्ग से एक-एक रुपए इकट्ठा करके सुप्रीम कोर्ट में अपने वकीलों से पैरवी कराई। जिसके कारण आज यूथ फॉर इक्वेलिटी संगठन की याचिका खारिज हुई । उल्लेखनिय है कि मप्र सरकार न तो हाईकोर्ट न ही सुप्रीमकोर्ट में आरक्षण के खिलाफ खड़ी हुई। ऐसे में कहा जा है कि कांग्रेस ने जो आरक्षण दिया था उसे भाजपा की सरकार ने समर्थन दिया है।

27 फीसदी ओबीसी आरक्षण में कोई अड़चन नहीं

महासभा के राष्ट्रीय कोर कमेटी सदस्य और एडवोकेट धर्मेंद्र सिंह कुशवाहा ने बताया कि 26 फरवरी 2025 को मध्य प्रदेश हाईकोर्ट जबलपुर के मुख्य न्यायाधीश सुरेश कुमार कैथ और न्यायाधीश विवेक जैन की संयुक्त बेंच ने 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण के कानून का पालन करने का आदेश देते हुए कहा था कि 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण पर किसी प्रकार की रोक नहीं है। ऐसे में याचिका आज तक किस प्रकार से चल रही है। इसको देखते हुए हाईकोर्ट ने याचिका खारिज की थी। उस आदेश के खिलाफ यूथ फॉर इक्वेलिटी संगठन के द्वारा सुप्रीम कोर्ट दिल्ली में एसएलपी दायर की गई थी। सोमवार को सुप्रीम कोर्ट के कोर्ट नंबर 8 में न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति राजेश बिंदल ने 22वें नंबर पर इस एसएलपी की सुनवाई की। ओबीसी महासभा की ओर से एडवोकेट वरुण ठाकुर एवं एडवोकेट रामकरण के माध्यम से न्यायालय के सामने पक्ष रखा गया।

फटाफट खबरें

सोने में 2,613 रूपए की गिरावट

नई दिल्ली, ईएमएस। शेयर मार्केट के साथ सोमवार को सोने और चांदी के दाम भी गिर गए। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 2,613 गिरकर 88,401 पर आ गया है। इससे पहले 10 ग्राम सोने की कीमत 91014 थी। एक किलो चांदी की कीमत 4,535 गिरकर 88,375 प्रति किलो हो गई है। इससे पहले चांदी का भाव 92,910 प्रति किलो था। वहीं 28 मार्च को चांदी ने 1,00,934 और 3 अप्रैल को सोने ने 91,205 का ऑल टाइम हाई बनाया था।

आसाराम को फिर मिली अंतरिम जमानत

जोधपुर, ईएमएस। जोधपुर के आश्रम में नाबालिग से रेप के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे आसाराम को गुजरात के बाद अब राजस्थान हाईकोर्ट से भी राहत मिली है। कोर्ट ने उसकी अंतरिम जमानत 1 जुलाई तक बढ़ा दी है। हाईकोर्ट ने आसाराम को सुप्रीम कोर्ट की ओर से पूर्व में जारी शर्तों का पालन करने के लिए कहा है। जस्टिस दिनेश मेहता और जस्टिस विनीत कुमार की खंडपीठ में सोमवार को सुनवाई हुई। आसाराम 14 जनवरी से 31 मार्च तक अंतरिम जमानत पर था। ये पीरियड खत्म होने पर 1 अप्रैल को आसाराम ने सरेंडर कर दिया था।

इंडिगो की फ्लाइट में महिला की मौत

मुंबई, ईएमएस। मुंबई से वाराणसी जा रही इंडिगो एयरलाइंस की एक फ्लाइट में 89 साल की महिला की मौत हो गई। इसके बाद विमान की महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। एयरपोर्ट अधिकारियों ने बताया कि महिला उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर की रहने वाली थी। उनका नाम सुशीला देवी था। वे मुंबई से फ्लाइट में सवार हुई थीं। उड़ान के दौरान उनकी तबीयत खराब हुई। मेडिकल इमरजेंसी की वजह से 6 अप्रैल रात करीब 10 बजे विमान को चिकलथाना एयरपोर्ट पर उतारा गया।

बस पलटी, महिला समेत 2 की मौत

इटारसी, ईएमएस। ऑर्डनेंस फैक्ट्री की ओर से इटारसी आ रही बस पथरोटा पुलिया के पास सोमवार दोपहर 12.30 बजे पलट गई। हादसे में बस कंडक्टर नरेंद्र पिता महेंद्र सिंह चौहान (40) और महिला यात्री नजमा खातून (45) की हादसे में मौत हुई है। एसडीओपी वीरेंद्र कुमार मिश्रा ने बताया कि हादसे में 8 से 10 यात्री घायल हुए हैं। इनमें इटारसी कॉलेज में परीक्षा देने जा रही मनीषा की हालत गंभीर बताई जा रही है।

ब्लैक मंडे की भविष्यवाणी के बाद बिखरा भारतीय शेयर बाजार... सेंसेक्स 2226 अंक गिरकर 73,137 पर बंद... निफ्टी 742 अंक गिरा, मेटल सेक्टर सबसे ज्यादा 6.75 प्रतिशत टूटा; एशियाई बाजार 10 प्रतिशत तक गिरे, दूसरे बाजारों का हाल और खराब, यूरोप भी बिकवाली के दबाव में

20 लाख करोड़ की डुबकी के बाद सहमा बाजार, निवेशकों के 15 लाख करोड़ डूबे

■ कमजोर पड़े भारतीय बाजार का ट्रंप के टैरिफ ने और बुरा हाल किया

● मुंबई, ईएमएस

वैश्विक व्यापार युद्ध की चिंता और अमेरिका में मंदी की बढ़ती आशंकाओं के बीच सोमवार को पूरी दुनिया के शेयर बाजार में भारी बिकवाली दिखी। भारतीय बाजार भी इससे अछूता नहीं रहा और सेंसेक्स व निफ्टी जैसे प्रमुख सूचकांक धड़ाम हो गए। शेयर बाजार में सोमवार को साल की दूसरी बड़ी गिरावट आई। सेंसेक्स 2226 अंक गिरकर 73,137 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में 742 अंक की गिरावट रही, ये 22,161 के स्तर पर बंद हुआ।

इस दौरान क्षेत्रवार सूचकांकों में बड़ी गिरावट दिखी और निवेशकों को करीब 15 लाख करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ा। इससे पहले 4 जून 2024 को बाजार 5.74 प्रतिशत गिरा था। जिसका डर था वहीं हुआ... जी हां एशियाई शेयर बाजारों में तगड़ी गिरावट का असर सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को भारतीय शेयर बाजार पर भी दिखा और खुलने के साथ ही दोनों इंडेक्स सेंसेक्स-निफ्टी बिखर गए। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 29 में गिरावट रही। टाटा स्टील, टाटा मोटर्स और लार्सन एंड टुब्रो के शेयर में 7 प्रतिशत तक गिरावट रही। जोमैटो का शेयर 0.17 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ। हस्श्व के सेक्टोरल इंडेक्स में निफ्टी मेटल सबसे ज्यादा 6.75 प्रतिशत गिरा। रियल्टी में 5.69 प्रतिशत गिरावट रही। ऑटो, फार्मा, सरकारी बैंक, ऑयल एंड गैस और आईटी सेक्टर 4 प्रतिशत नीचे बंद हुए।

बाजार में गिरावट की वजह

भारतीय शेयर बाजार में गिरावट की सबसे बड़ी वजह ट्रेप का टैरिफ रहा। अमेरिका ने भारत पर 26 प्रतिशत टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। भारत के अलावा चीन पर 34 प्रतिशत, यूरोपीय यूनियन पर 20 प्रतिशत, साउथ कोरिया पर 25 प्रतिशत, जापान पर 24 प्रतिशत, वियतनाम पर 46 प्रतिशत और ताइवान पर 32 प्रतिशत टैरिफ लगेगा। चीन ने शुक्रवार को अमेरिका पर 34 प्रतिशत जवाबी टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। नया टैरिफ 10 अप्रैल से लागू होगा। 3 अप्रैल को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने दुनियाभर में जैसे को तैसा टैरिफ लगाया था। इसमें चीन पर 34 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाया गया था। अब चीन ने उतना ही टैरिफ अमेरिका पर लगा दिया है। टैरिफ से सामान महंगा होने पर लोग कम खरीदारी करेंगे, जिससे अर्थव्यवस्था की रफ्तार धीमी हो सकती है। साथ ही, मांग कम होने से कच्चे तेल की कीमतें भी गिरी हैं। ये कमजोर इकोनॉमिक एक्टिविटी का संकेत है। इससे निवेशकों का भरोसा डगमगाया है।

सेंसेक्स के सभी शेयर कमजोर पड़े

हिंदुस्तान यूनिलीवर को छोड़कर सेंसेक्स के सभी शेयर लाल निशान पर बंद हुए। टाटा स्टील में सबसे ज्यादा 7.33 फीसदी की गिरावट आई, जबकि लार्सन एंड टूब्रो में 5.78 फीसदी की गिरावट आई। टाटा मोटर्स, कोटक महिन्द्रा बैंक, महिन्द्रा एंड महिन्द्रा, इंफोसिस, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और एचडीएफसी बैंक अन्य बड़े पिछड़े हुए शेयर रहे। हिंदुस्तान यूनिलीवर मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ।

जीडीपी पर भी असर पड़ने का खतरा

कई ब्रोकरेज फर्मों को टैरिफ के कारण भारत के वित्त वर्ष 2026 के जीडीपी आंकड़ों पर असर पड़ने का जोखिम दिख रहा है। हालांकि, सरकार से जुड़े सूत्रों ने सोमवार को दावा किया है भारत के लिए चालू वित्त वर्ष के लिए अनुमानित वृद्धि पर कोई असर नहीं दिखेगा। इस बीच, एसएमसी ग्लोबल में खुदरा इक्विटी के अनुसंधान के सहायक उपाध्यक्ष सौरभ जैन के अनुसार मार्च तिमाही में कंपनियों की कॉर्पोरेट आय के नरम रहने की संभावना है। इसे देखते हुए निफ्टी50 इस गिरावट के दौर में 21,500-21,800 के महत्वपूर्ण समर्थन स्तर तक पहुंचकर कारोबार करता दिख सकता है।

4 जून के बाद बाजार में सबसे बड़ी गिरावट

पिछले साल 4 जून को सेंसेक्स 4,389.73 अंक या 5.74 प्रतिशत की भारी गिरावट के साथ 72,079.05 पर बंद हुआ था। दिन के कारोबार में यह 6,234.35 अंक या 8.15 प्रतिशत गिरकर 70,234.43 पर आ गया था। निफ्टी 4 जून 2024 को 1,379.40 अंक या 5.93 प्रतिशत की तीव्र गिरावट के साथ 21,884.50 पर बंद हुआ। इंट्रा-डे में यह 1,982.45 अंक या 8.52 प्रतिशत गिरकर 21,281.45 पर आ गया। इससे पहले सेंसेक्स और निफ्टी में 23 मार्च 2020 को 13 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई थी, जब कोविड-19 महामारी के कारण लॉकडाउन लगाया गया था।

बीएसई के 3,515 शेयर कमजोर हुए

बीएसई पर 3,515 शेयरों में गिरावट आई, 570 में तेजी आई और 140 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ। उल्लेखनीय है कि बीएसई पर 775 शेयर अपने 52-सप्ताह के न्यूनतम स्तर पर पहुंच गए, जबकि 59 कंपनियां 52-सप्ताह के उच्चतम स्तर पर पहुंच गईं। जानकारों का कहना है कि कच्चे तेल और कई धातुओं की कीमतों में पहले से ही गिरावट देखी जा रही है, जो इस बात का संकेत है कि यदि मौजूदा रुझान जारी रहा तो मांग में कमी आएगी।

विदेशी बाजार भी धड़ाम

एशियाई बाजारों में, हांगकांग का हैंगसेंग सूचकांक 13 प्रतिशत से अधिक गिर गया, टोक्यो का निक्के ई 225 लगभग 8 प्रतिशत गिर गया, शंघाई एसएसई कम्पोजिट सूचकांक 7 प्रतिशत से अधिक गिर गया और दक्षिण कोरिया का कोस्पी 5 प्रतिशत से अधिक गिर गया। यूरोपीय बाजार भी भारी बिकवाली दबाव में आ गए और 6 प्रतिशत तक की गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। शु वार को अमेरिकी बाजारों में भारी गिरावट दर्ज की गई। एसएंडपी 500 में 5.97 प्रतिशत, नैस्डैक कंपोजिट में 5.82 प्रतिशत और डॉव में 5.50 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

जनता पर महंगाई की मार...पेट्रोल कंपनियों पर भार

रसोई गैस 50 रूपए महंगी, एक्साइज ड्यूटी 2 रुपए बढ़

● नई दिल्ली, ईएमएस

केंद्र सरकार ने सोमवार को रसोई गैस 50 रूपए महंगा कर दिया, वहीं पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी 2 रुपए प्रति लीटर बढ़ा दी है। हालांकि, आधे घंटे बाद ये भी साफ किया कि इससे पेट्रोल-डीजल के दाम नहीं बढ़ेंगे। ये खर्चा पेट्रोलियम कंपनियां उठाएंगी। अभी सरकार पेट्रोल पर 19.90 रुपए लीटर और डीजल पर 15.80 रुपए लीटर एक्साइज ड्यूटी वसूल रही है। इस बढ़ोतरी के बाद पेट्रोल पर 21.90 रुपए लीटर और डीजल पर 17.80 रुपए लीटर ड्यूटी लगेगी। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि ड्यूटी को कच्चे तेल की घटी कीमतों से एडजस्ट किया जाएगा। अगर आगे भी कच्चे तेल के दाम घटे रहे तो पेट्रोल-डीजल के दामों में गिरावट आ सकती है। घरेलू गैस सिलेंडर 50 रुपए महंगा हो गया है। सोमवार को पेट्रोल मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने इसकी जानकारी दी। अभी दिल्ली में गैस सिलेंडर 803 रुपए में मिलता है। दाम बढ़ने के बाद कीमत 853 रुपए हो जाएगी।

सुरक्षाबलों और संदिग्ध हमलावरों के बीच गोलीबारी

इम्फाल, ईएमएस। मणिपुर के थोउबल जिले में हीरोक थाना क्षेत्र के जंगलों से सुरक्षाबलों ने तलाशी अभियान में स्क्र 12 बोर बंदूक, गोलियां, ग्रेनेड, आंसू गैस शेल, बुलेटप्रूफ जैकेट और अन्य सैन्य सामान बरामद किए। इसी दौरान केसीपी (पीडब्ल्यूजी) के संदिग्धों ने गोलीबारी की, जिसका जवाब सुरक्षाबलों ने दिया। इधर, इम्फाल वेस्ट से केसीपी-नोयोन ग्रुप का उग्रवादी वाइखोम लवसन सिंह (31) जबरन वसूली के आरोप में गिरफ्तार किया गया। वांगोई में खेतों से भी बड़ी मात्रा में हथियार मिले।

संविधान सुरक्षा सम्मेलन में बोले राहुल गांधी

देश में दलित, आदिवासी सेकंड क्लास सिटीजन

बेगूसराय, ईएमएस। बिहार दौरे पर पहुंचे कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को मोदी सरकार और आरएसएस पर जमकर हमला बोला। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने संविधान सुरक्षा सम्मेलन में कहा है कि इस देश में अगर आप दलित, आदिवासी, पिछड़े वर्ग, ईबीसी, और महिला हो तो आप सेकेंड क्लास सिटीजन हो। ये मैं ऐसे ही नहीं पढ़ लिखकर बोल रहा हूं। तेलंगाना में हमने जातीय गणना करवाई। अगर आप तेलंगाना में उन लोगों की लिस्ट निकाले जिन्होंने बैंक से लोन लिया है तो उसमें कोई ईबीसी, दलित, आदिवासी नहीं मिलेगा। राहुल ने कहा कि, अगर आप मजदूरों की लिस्ट निकालो, घर में काम करने वालों की लिस्ट निकालो तो 90 फीसदी दलित, आदिवासी, गरीब हैं। तेलंगाना का पूरा का पूरा डेटा हमारे हाथ में है, जो मोदी जी आपको नहीं देना चाहते हैं। मैंने मोदी जी को संसद में सामने से बोला कि ये जो 50 फीसदी आरक्षण की फेक दीवार बना रखी है, जो आप नहीं तोड़ेंगे तो हम तोड़ कर रहेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नए अपराधिक कानूनों की समीक्षा की, कहा

बढ़ती कीमतों से बढ़ सकते हैं जमीन संबंधी अपराध

शहरी इलाकों में पुलिस के साथ अलर्ट मोड पर रहें रेवेन्यू अफसर

● भोपाल, ईएमएस

प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में जमीन की बढ़ती कीमतों के चलते जमीन विवाद बढ़ सकते हैं। ऐसी स्थिति में पुलिस के साथ राजस्व विभाग को भी एक्टिव रहना होगा। साथ ही दोनों विभागों में को-आर्डिनेशन भी प्रॉपर रहना चाहिए, ताकि ऐसे मामलों पर कार्रवाई में देरी की स्थिति नहीं बने। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोमवार को नए आपराधिक कानूनों की समीक्षा के दौरान यह निर्देश दिए।उन्होंने कहा कि पुलिस, जेल, अभियोजन, न्यायिक एवं फोरेंसिक कर्मचारियों को घटनाओं के बाद कानूनी प्रक्रिया पूरी कराने के लिए नई टेक्निक से अपडेट होना भी जरूरी है। बैठक में मुख्य सचिव अनुराग जैन और गृह विभाग के अफसर मौजूद थे। उन्होंने कहा कि अचल संपत्ति संबंधी अपराधों पर नियंत्रण के लिए पुलिस के साथ राजस्व का अमला भी सजग और सतर्क रहे, साथ ही दोनों विभागों में परस्पर समन्वय भी हो। उन्होंने कहा कि प्रदेश के नगरीय क्षेत्रों सहित जिन क्षेत्रों में भूमि की दरें तेजी से बढ़ रही हैं, वहां विशेष सजगता बरती जाए। वर्तमान चुनौतियों को ध्यान में रखकर बनाए गए नए आपराधिक कानून, भारतीय न्याय प्रणाली को अधिक लोकतांत्रिक बनाने की दिशा में मजबूत कदम है। सभी के लिए अधिक सुलभ, सहायक और कुशल न्याय प्रणाली तय करने के उद्देश्य से बने इन कानूनों और नवीन प्रक्रियाओं की जानकारी जन-जन तक पहुंचाना आवश्यक है।

चार विभागों में नई टेक्नालॉजी पर हो फोकस

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पुलिस, जेल, अभियोजन, न्यायिक एवं फोरेंसिक कर्मियों के बीच अपडेट तकनीक के उपयोग का प्रशिक्षण दिए जाने का प्रबंध किया जाए। सभी हितधारकों में हर स्तर पर बेहतर समन्वय जरूरी है। हर स्तर पर आवश्यक व्यवस्था, उपकरण और भौतिक संसाधनों की उपलब्धता प्राथमिकता के आधार पर लागू की जाएं।

न्यायश्रुति साफ्टवेयर से होगी वीडियो कांफ्रेंसिंग : बैठक में बताया गया कि समयावधि में चालान के लिए नया डैशबोर्ड उपलब्ध है। ई-साक्ष्य की प्रक्रिया भी आरंभ की जा चुकी है। पुलिस थानों तक वीडियो कांफ्रेंसिंग के लिए न्यायश्रुति सॉफ्टवेयर तैयार कर लिया गया है और थानों व कंट्रोल रूम में साउंड प्रूफ कक्ष चिन्हित किए जा रहे हैं।

हज से पहले सऊदी अरब ने लगाई बड़ी पाबंदी...बिना रजिस्ट्रेशन हज में पहुंचने वालों को रोकने के लिए फैसला

हज से पहले सऊदी में भारत-पाकिस्तान सहित 14 देशों का वीजा रद्द

● रियाद, ईएमएस

बिना रजिस्ट्रेशन हज में शामिल होने वालों को रोकने के लिए सऊदी अरब ने भारत और पाकिस्तान समेत 14 देशों के वीजा पर रोक लगा दी है। यह रोक अस्थाई है। उमरा, बिजनेस और फैमिली विजिट के लिए मिलने वाले वीजा पर जून महीने के मध्य तक बैन रह सकता है। सऊदी अधिकारियों ने कहा कि जिन लोगों के पास उमरा का वीजा है वे 13 अप्रैल तक सऊदी अरब पहुंच सकते हैं। इस साल हज यात्रा 4 जून से 9 जून तक रहेगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यात्रियों से नए नियमों का पालन करने को कहा गया है। अगर कोई व्यक्ति इस आदेश का उल्लंघन करता है, तो अगले पांच साल तक सऊदी अरब में उसकी एंट्री पर रोक लगाई जा सकती है।

गैर-कानूनी रूप से हज करने वालों को रोकना : वीजा रद्द करने के फैसले की एक वजह है गैर-कानूनी रूप से हज करने वालों को रोकना है। रिपोर्ट्स में कहा गया कि कई विदेशी नागरिक उमरा या विजिट वीजा पर सऊदी अरब आते हैं। वीजा खत्म होने के बाद भी वे गैर-कानूनी तौर पर सऊदी में रुके रहते हैं। इसके बाद वे बिना रजिस्ट्रेशन हज यात्रा में हिस्सा लेते हैं। इसी को रोकने के लिए सऊदी सरकार ने यह फैसला लिया है। बिना रजिस्ट्रेशन हज यात्रा करने से अधिकारियों को श्रद्धालुओं का अंदाजा नहीं लगता है। भीड़ अचानक बढ़ जाती है और गर्मी भी। भीड़ का नियंत्रण करने में भी अधिकारियों को दिक्कत आती है। अधिकारियों ने बताया कि अवैध कामकाज भी एक बड़ा कारण है। कुछ विदेशी नागरिक व्यापार या पारिवारिक वीजा का इस्तेमाल कर सऊदी अरब में गैर-कानूनी रूप से काम कर रहे थे, जिससे वीजा नियमों का उल्लंघन हो रहा था और मजदूरी बाजार में असंतुलन पैदा हो रहा था।

भारत का हज कोटा 1.75 लाख श्रद्धालु

सऊदी अरब में हज के लिए एक कोटा प्रणाली लागू है, जिसके तहत हर देश के तय संख्या में हज यात्रियों को यात्रा करने की अनुमति दी जाती है। इंडोनेशिया का कोटा सबसे ज्यादा है। इसके बाद पाकिस्तान, भारत, बांग्लादेश, नाइजीरिया का नंबर है। ईरान, तुर्किये, मिस्र, इथियोपिया समेत कई देशों के श्रद्धालु आते हैं। 2025 में किए गए हज एग्रीमेंट पर भारत और सऊदी ने दस्तखत किए। इसमें हज के लिए 1,75,025 श्रद्धालुओं का कोटा फाइनल हुआ। इसमें 70 हिस्सा केन्द्रीय हज कमेटी को और 30 प्राइवेट टूर एजेंट्स को दिया गया है। भारत में 2025 के हज के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन 13 अगस्त 2024 से 9 सितंबर 2024 तक किया गया। पिछले साल हज यात्रा में शामिल होने 1,75,000 भारतीय मक्का पहुंचे थे। 98 श्रद्धालु भीड़ और गर्मी की वजह से मारे गए थे।

राजस्थान हाईकोर्ट ने आसाराम की अंतरिम जमानत 1 जुलाई तक बढ़ाई

जोधपुर,(ईएमएस)। जोधपुर के आश्रम में नाबालिग से रेप के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे आसाराम बापू को गुजरात के बाद अब राजस्थान हाईकोर्ट से भी राहत मिली गई है। कोर्ट ने उनकी अंतरिम जमानत 1 जुलाई तक बढ़ा दी है। हाईकोर्ट ने आसाराम को सुप्रीम कोर्ट की ओर से पूर्व में जारी शर्तों का पालन करने के लिए कहा है। जस्टिस दिनेश मेहता और जस्टिस विनीत कुमार की युगल पीठ में सोमवार को सुनवाई हुई।

राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय

पालघर में तनाव, राम नवमी जुलूस पर फेंके अंडे

मुंबई,(ईएमएस)। रामनवमी पर महाराष्ट्र के पालघर में कथित तौर पर कुछ लोगों ने रैली पर अंडे फेंके। इस घटना के बाद इलाके में तनाव फैल गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति पर काबू पाया। रविवार को हुई इस घटना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। अज्ञात आरोपियों के खिलाफ धार्मिक भावनाओं को आहत करने के आरोप में केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने जानकारी दी है कि पूछताछ के लिए एक शख्स को हिरासत में लिया गया है।

फटाफट खबरें

राष्ट्रपति मुर्मू का लिस्बन में हुआ स्वागत

लिस्बन,(ईएमएस)। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु रविवार रात पुर्तगाल की राजधानी लिस्बन पहुंचीं, जहां उनका भव्य स्वागत किया गया। यह यात्रा कई मायनों में ऐतिहासिक है, खासतौर पर वर्ष 1998 के बाद किसी भारतीय राष्ट्रपति की यह पहली पुर्तगाल यात्रा है। साथ ही यह द्रौपदी मुर्मु की पहली यूरोपीय राजकीय यात्रा भी है। लिस्बन एयरपोर्ट पर राष्ट्रपति मुर्मु का स्वागत पुर्तगाल सरकार के वरिष्ठ अधिकारी और भारतीय प्रवासी समुदाय के सदस्य ने गर्मजोशी से किया। इस यात्रा का आयोजन पुर्तगाल के राष्ट्रपति मार्सेलो रेबेलो डी सूज़ा के निमंत्रण पर किया गया है।

गाजा पट्टी पर इजराइली हमलों में 32 लोग मारे गए

गाजा (ईएमएस)। गाजा पट्टी पर इजराइली हमलों में एक दर्जन से अधिक महिलाओं और बच्चों सहित करीब 32 लोग मारे गए। स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू युद्ध के बारे में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से बात करने अमेरिका गए हैं। इजराइल ने बीते दिनों हमास के साथ युद्ध विराम समाप्त किया था तथा हवाई और जमीनी हमले पुनः शुरू कर दिए थे। ताज इजराइली हमलों में दक्षिणी शहर खान यूनिस में एक तम्बू और एक घर को निशाना बनाया गया, जिसमें पांच पुरुष, पांच महिलाएं और पांच बच्चे मारे गए।

सही समय पर बहाल होगा पूर्ण राज्य का दर्जा

जम्मू,(ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर के तीन दिवसीय दौरे पर पहुंचे केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को भाजपा के 28 विधायकों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की और राज्य की सुरक्षा स्थिति, विकास पहलों तथा राजनीतिक परिदृश्य की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने स्पष्ट किया कि जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा सही समय पर बहाल किया जाएगा, जिससे राज्य के राजनीतिक पुनर्गठन की दिशा में एक नया संकेत मिला है। त्रिकुटा नगर स्थित भाजपा मुख्यालय में हुई बैठक में केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह, सांसद जुगल किशोर शर्मा और गुलाम अली खटाना सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

कीव पर रूसी हवाई हमलों में एक की मौत

कीव (ईएमएस)। यूक्रेन की राजधानी कीव पर रूसी हवाई हमलों में एक व्यक्ति की मौत हुई हैं, जबकि मध्य यूक्रेनी शहर क्रीवी रीह पर हमले में मरने वालों की संख्या में वृद्धि जारी है। मेयर विताली क्लित्स्को ने बताया कि कीव के डार्नित्स्की जिले में हमले के केंद्र के पास व्यक्ति का शव मिला। हमले में तीन लोग घायल हो गए तथा कई गैर-आवासीय क्षेत्रों में आग लग गई और कारों और इमारतों को नुकसान हुआ है। बयान में यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर ज़ेलेंस्की ने कहा कि रूस के बढ़ते हमले दिखाते हैं कि मॉस्को पर अब भी पर्याप्त अंतरराष्ट्रीय दबाव नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट में वक्फ संशोधन बिल की तत्काल सुनवाई का मामला

पत्र लिखने और पेश करने पर अटका मामला?

वरिष्ठ वकील सिब्बल और सिंघवी ने सीजेआई से की अर्जेंट केस लिस्टिंग की मांग तो चीफ जस्टिस बोले- अदालती व्यवस्था के तहत इसके लिए पत्र लिखें। जब उन्हें बताया गया कि पत्र पहले ही लिख कर जमा किया जा चुका है तो बोले- मेरे पास पत्र आ जाएगा तो जरुरी.....

● नई दिल्ली, ईएमएस।

वक्फ संशोधन बिल की संवैधानिकता को चुनौती देने वाली याचिका सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की गई है। इन याचिकाओं पर तत्काल सुनवाई करने की मांग सीनियर वकील कपिल सिब्बल और अभिषेक मनु सिंघवी ने कोर्ट में उठाई। इस पर सोमवार को चीफ जस्टिस संजीव खन्ना की बेंच ने कहा कि कोर्ट में केसों की लिस्टिंग की एक मजबूत व्यवस्था है। इस तरह मौखिक तौर पर नहीं कहा जा सकता कि आप इस मामले की तत्काल सुनवाई करें। यदि आपको किसी मामले को अर्जेंट लिस्ट कराना है तो फिर उसके लिए पत्र लिखें और वह मेरे समक्ष लाया जाए।

इस पर सिब्बल ने कहा कि ऐसा पत्र पहले ही लिखकर जमा किया जा चुका है। इस पर चीफ जस्टिस ने कहा कि ठीक है फिर जब मेरे पास पत्र आ जाएगा तो मैं जरूरी कदम उठाऊंगा। जस्टिस संजीव खन्ना ने कहा कि ऐसी सभी याचिकाएं मेरे समक्ष दोपहर में रखी जाती हैं। ऐसे में उसके लिए अलग से जिक्र करने की जरूरत नहीं। कपिल सिब्बल का कहना था कि कोर्ट तुरंत उस अर्जी पर सुनवाई करे, जिसे जमीयत-उलेमा-ए-हिंद के मुखिया मौलाना अरशद मदनी ने दायर की है। ऐसी ही मांग वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी और निजाम पाशा ने भी दोहराई। इनका भी कहना है कि वक्फ बिल असंवैधानिक है और कोर्ट को उसे खारिज कर देना चाहिए। पाशा और सिंघवी की ओर से उस अर्जी पर प्रतिनिधित्व किया जा रहा है, जिसे एआईएमआईएम के मुखिया असदुद्दीन ओवैसी ने दाखिल की है।

मौलाना अरशद मदनी बोले- वक्फ की हिफाजत करना हमारा धार्मिक कर्तव्य

नई दिल्ली,(ईएमएस) वक्फ संशोधन बिल 2025 को संसद में पास करने के बाद राष्ट्रपति से भी मंजूरी मिल चुकी है। वक्फ कानून लागू हो इससे पहले सुप्रीम कोर्ट में इसे चुनौती देने वाली अनेक याचिकाएं दायर की जा चुकी हैं। कांग्रेस, एआईएमआईएम, आम आदमी पार्टी और एसोसिएशन फॉर द प्रोटेक्शन इन द मैटर्स ऑफ सिविल राइट्स के बाद जमीयत उलमा-ए-हिंद ने भी वक्फ कानून के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरबाजा खटखटाया है। वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ याचिका दायर करने को लेकर जमीयत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने कहा कि वक्फ की हिफाजत करना हमारी धार्मिक जिम्मेदारी है। इससे पहले मौलाना मदनी ने जोर देकर कहा कि जैसा कि हमने पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि यदि वक्फ संशोधन बिल कानून बनता है तो इसे देश की सर्वोच्च अदालत में हम चुनौती देंगे। अब चूंकि इस बिल पर राष्ट्रपति की भी मुहर लग गई है तो जमीयत उलमा-ए-हिंद ने भी इस कानून के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर दी है। इस अवसर पर मौलाना मदनी ने कहा, कि वक्फ की हिफाजत हमारा धार्मिक कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि यह नया कानून भारतीय संविधान पर सीधा हमला करता है, जबकि भारतीय संविधान न सिर्फ सभी नागरिकों को समान अधिकार देता है, बल्कि पूर्ण धार्मिक स्वतंत्रता भी प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि वक्फ संशोधन बिल मुसलमानों की धार्मिक आजादी को छीनने की एक बड़ी साजिश है, जो पूरी तरह से भारतीय संविधान के खिलाफ है।

नए वक्फ कानून के खिलाफ जेएनयू में विरोध-प्रदर्शन, जलाई कानून की कॉपी

नए वक्फ कानून के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन लगातार जारी है। इसकी आग अब जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) तक पहुंच गई है। जेएनयू में वक्फ कानून के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन हुआ है। इस प्रदर्शन में पीएम नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ नारेबाजी की गई। खास बात यह है कि इस प्रदर्शन के लिए कांग्रेस का छात्र संगठन एनएसयूआई, वाम संगठन पीएसस और राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) का छात्र संगठन सीआरजेडी एक मंच पर आ गए हैं। छात्र संगठनों ने प्रदर्शन के दौरान नारेबाजी करते हुए कहा कि वह वक्फ पर हमला नहीं सहेंगे। प्रदर्शनकारियों ने मोदी-शाह के खिलाफ नारे लगाए। नारेबाजी के अलावा उन्होंने जेएनयू कैंपस में नए वक्फ कानून की कॉपी भी जलाई। जेएनयू में इस प्रदर्शन का आयोजन फ्रेटरनिटी मूवमेंट ने किया था। इसमें पीएसए के अलावा कई और छात्र संगठनों ने भी हिस्सा लिया। प्रदर्शन में शामिल छात्रों ने कहा कि केंद्र सरकार मुस्लिम विरोधी धारणा से काम कर रही है। नए बिल के आधार पर सरकार मुसलमानों को परेशान करना चाहती है।

विश्व स्वास्थ्य दिवसः पीएम ने मोटापे पर जताई चिंता

अच्छा स्वास्थ्य किसी भी समृद्ध समाज की नींव

● नई दिल्ली, ईएमएस।

पीएम नरेंद्र मोदी ने सोमवार को विश्व स्वास्थ्य दिवस पर देशवासियों से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और मोटापे से बचने की अपील की। उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत फिटनेस को प्राथमिकता देना विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य में अहम योगदान देना है। पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि आइए, हम एक स्वस्थ दुनिया बनाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता जाहिर करें। हमारी सरकार स्वास्थ्य सेवा पर ध्यान देती रहेगी और लोगों की भलाई के लिए कई क्षेत्रों में निवेश करती रहेगी। अच्छा स्वास्थ्य किसी भी समृद्ध समाज की नींव है। एक वीडियो संदेश में पीएम मोदी ने सदियों पुरानी कहावत- स्वास्थ्य ही परम सौभाग्य और परम धन है को याद दिलाया और भारत में बढ़ते मोटापे के संकट पर चिंता जताई।

उन्होंने कहा कि आजकल हमारी जीवनशैली हमारे स्वास्थ्य के लिए बड़ा खतरा बनती जा रही है। हाल ही में आई एक रिपोर्ट के मुताबिक 2050 तक 44 करोड़ से ज्यादा भारतीय मोटापे से पीड़ित होंगे। यह चिंता की बात है, यह कितना बड़ा संकट बन सकता है। पीएम मोदी ने कहा कि स्वस्थ खाने की आदतें अपनाना, जैसे कि तेल का कम उपयोग, सिर्फ व्यक्तिगत फैसला नहीं है, बल्कि यह हमारी सामाजिक जिम्मेदारी भी है।

2023 में गर्भावस्था और प्रसव से हर दो मिनट में हुई एक महिला की मौत

नई दिल्ली, (ईएमएस)। विश्व स्वास्थ्य दिवस हर साल 7 अप्रैल को मनाया जाता है। इस साल की थीम है स्वस्थ शुरुआत, आशापूर्ण भविष्य, जो सरकारों और स्वास्थ्य समुदाय से आग्रह करती है कि वे रोकथाम योग्य मातृ एवं नवजात मृत्यु को रोकने के लिए प्रयास तेज करें और महिलाओं के दीर्घकालिक स्वास्थ्य और कल्याण को प्राथमिकता दें। संयुक्त राष्ट्र और डब्ल्यूएचओ द्वारा सोमवार को विश्व स्वास्थ्य दिवस पर जारी आंकड़ों के मुताबिक 2023 में गर्भावस्था और बच्चे के जन्म से जुड़े मामलों में करीब हर दो मिनट में एक महिला की मौत हुई, या प्रतिदिन 700 से ज्यादा महिलाओं की मौत हुई। एक रिपोर्ट के मुताबिक साल 2000 से 2023 के बीच दुनिया भर में मां बनने के दौरान होने वाली मौतों की संख्या में 40 फीसदी की कमी आई है।

भाजपा नेता के घर भीड़ ने लगाई आग अब कर रहे वक्फ कानून का विरोध

इंफाल में हुआ वक्फ कानून के विरोध में जबरदस्त प्रदर्शन

इंफाल,(ईएमएस)। मणिपुर में वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर स्थिति लगातार तनावपूर्ण होती जा रही है। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष असकर अली के घर पर गुस्साई भीड़ ने हमला कर आग लगा दी। यह घटना रविवार रात थौबल जिले के लिलोंग क्षेत्र में हुई। इस मामले को लेकर स्थानीय प्रशासन और पुलिस का दावा है कि भीड़ द्वारा की गई उक्त हिंसा असकर अली द्वारा वक्फ संशोधन कानून के समर्थन में सोशल मीडिया पर दिए गए बयान के बाद हुई। रविवार रात करीब 9 बजे सैकड़ों लोग असकर अली के घर के बाहर इकट्ठा हो गए। पहले नारेबाजी और तोड़फोड़ की गई, फिर कुछ ही देर में घर में आग लगा दी गई। घटना में घर को गंभीर क्षति हुई है। मौके पर पहुंची पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने की कोशिश की, लेकिन तब तक काफी नुकसान हो चुका था।

घटना के बाद बीजेपी नेता असकर अली ने एक नया वीडियो जारी कर अपने पिछले बयान पर माफी मांगी। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य किसी की भावनाएं आहत करना नहीं था और अब वे वक्फ संशोधन कानून का विरोध करते हैं। जानकारी अनुसार इंफाल घाटी के मुस्लिम बहुल इलाकों में वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ जबरदस्त प्रदर्शन देखने को मिले हैं। पांच हजार से अधिक लोग सड़कों पर उतर आए। लिलोंग में एनएच-102 पर प्रदर्शनकारियों ने सड़क जाम कर दी।

देर रात लगातार तीन धमाकों से दहला बटाला

बटाला,(ईएमएस)। पंजाब के बटाला जिले के थाना किला लाल सिंह के पास रविवार देर रात करीब 12:35 बजे लगातार तीन तेज धमाकों की आवाजें सुनाई दीं। धमाकों की गूंज इतनी तीव्र थी कि इलाके में सो रहे लोग घबराकर उठ गए। पूरे क्षेत्र में भय और तनाव का माहौल बन गया है। जानकारी के अनुसार फिलहाल इन धमाकों से क्या जान-माल को नुक्सान हुआ है, इसकी कोई सूचना नहीं है। वहीं दूसरी तरफ धमाकों की सूचना मिलते ही डीएसपी फतेहगढ़ चूड़ियां विपन कुमार और थाना प्रभारी प्रभजोत सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी है। थाने के एसएचओ प्रभजोत सिंह के अनुसार, धमाकों के बाद थाने में तैनात पुलिसकर्मी तुरंत सतर्क हो गए और बाहर निकलकर जांच की, लेकिन वहां कोई संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री नहीं मिली। हालांकि, देर रात हुए धमाकों की जिम्मेदारी सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के माध्यम से हैप्पी पशियां ग्रुप ने ली है। पोस्ट में हैप्पी पशियां, मनु अगवान, और गोपी नवांशहरिया ने हमले की जिम्मेदारी लेते हुए लिखा कि यह हमला पुलिस द्वारा पीलीभीत और बटाला में मुठभेड़ में मारे गए उनके साथियों की मौत का बदला है।

ईरान को पसंद नहीं आ रही ट्रंप की धमकी

अराघची ने कहा- अमेरिका बातचीत चाहता है, तो धमकी देने का क्या मतलब?

तेहरान,(ईएमएस)। ईरान अब ट्रंप की धमकी से डरने वाला नहीं है क्योंकि उसने अमेरिका की कोई भी बात मानने से इनकार दिया है। दरअसल, ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ सीधी बातचीत को 'अर्थहीन' कहकर खारिज कर दिया। अगर ट्रंप अपनी पुरानी बात पर कायम रहते हैं, तो ईरान पर हमला करने से वह नहीं हिचकेंगे। ट्रंप ने ईरान के सामने ऑफर दिया था कि वह इस्लामी गणतंत्र के साथ सीधी बातचीत को अहमियत देंगे, लेकिन ईरान ने इसे खारिज कर दिया है।

पिछले महीने ट्रंप ने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई को एक पत्र भेजा था, जिसमें

उन्होंने उम्मीद जताई थी कि दोनों देशों के बीच परमाणु हथियारों को रोकने को लेकर बातचीत होगी। पिछले हफ्ते ट्रंप ने धमकी देते हुए कहा था कि अगर ईरान समझौता नहीं करता है अमेरिका बमबारी करेगा। अराघची ने कहा कि अगर आप बातचीत चाहते हैं, तो धमकी देने का क्या मतलब है? उन्होंने वॉशिंगटन की ईमानदारी पर सवाल उठाया। तेहरान ने वॉशिंगटन के प्रस्तावों को ठुकरा दिया है, लेकिन उसने अप्रत्यक्ष कूटनीति के लिए अपनी रुचि दिखाई है।

यह बात अराघची ने एक बयान में दोहराई। अराघची ने कहा कि ईरान अमेरिका के साथ बराबरी के आधार पर बातचीत करना चाहता है। उन्होंने अमेरिका को एक ऐसा पक्ष बताया जो संयुक्त राष्ट्र चार्टर का उल्लंघन करते हुए बल प्रयोग की धमकी देता है और जिसके अलग-अलग अधिकारी विरोधाभासी बयान देते हैं। इससे पहले ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने भी ट्रंप के पत्र के जवाब में अमेरिका के साथ सीधी बातचीत से इनकार कर दिया था। हालांकि, पेजेशकियन ने ओमान के जरिये दी अपनी प्रतिक्रिया में अमेरिका के साथ अप्रत्यक्ष वार्ता की संभावनाएं बरकरार रखी हैं।

विदेश से लौट रहे भारतीय कामगारों के पुनर्वास की जिम्मेदारी राज्यों की

नई दिल्ली,(ईएमएस)। केंद्र सरकार ने कहा है कि विदेश से लौटे भारतीय कामगारों के पुनर्वास की जिम्मेदारी उन राज्यों की है, जहां से ये लोग आते हैं। विदेश मामलों की संसदीय समिति ने पूछा था कि देश वापसी करने वाले कामगारों को फिर से आर्थिक मुख्य धारा से जोड़ने के लिए सरकार क्या कर रही है? समिति की रिपोर्ट के मुताबिक सरकार ने जवाब दिया कि इन लोगों के रोजगार और पुनर्वास का मामला कई मंत्रालयों से जुड़ा है। स्किल डिवलपमेंट एंड एंटरप्राइज मंत्रालय लौटे युवाओं समेत सभी युवाओं के लिए प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, जन शिक्षण संस्थान और इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट जैसी योजनाएं चलाता रहा

है। समिति ने पूछा कि देश वापसी करने वाले लोगों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर इस तरह के कार्यक्रमों का अभाव क्यों है? इस पर मंत्रालय ने लिखित जवाब में कहा कि इसकी जिम्मेदारी उन राज्य सरकारों की जहां से ये लोग आते हैं। कई राज्य सरकारों ने इस तरह के उपाय विकसित भी किए हैं, जिससे कि इनको फिर से आर्थिक मुख्यधारा में शामिल किया जा सके। समिति ने पाया कि केरल राज्य ने पहल करते हुए 1996 में केरल से बाहर गए लोगों की वापसी को लेकर एक विभाग बनाया था।

कर्नाटक भोवी विकास निगम घोटाले में ईडी की कार्रवाई

बेंगलुरु (ईएमएस)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में बेंगलुरु में कई ठिकानों पर छापेमारी की। कार्रवाई में कर्नाटक भोवी विकास निगम (केबीडीसी) के दफ्तर सहित आरोपियों और संदिग्धों के आवासीय परिसरों की तलाशी हुई। छापेमारी के दौरान ईडी को आपत्तिजनक दस्तावेज, डिजिटल रिकॉर्ड और प्रॉपर्टीज से जुड़ी जानकारियां मिलीं। ईडी ने जांच कर्नाटक पुलिस द्वारा दर्ज की गई एफआईआर के आधार पर शुरू की थी, इसमें करीब 97 करोड़ के गबन और दुरुपयोग की बात सामने आई थी। जांच में पता चला हैं कि केबीडीसी के तत्कालीन महाप्रबंधक बीके नागराजप्पा ने भोवी समुदाय के एजेंटों द्वारा उपलब्ध कराए गए फर्जी लाभार्थियों के बैंक खातों का उपयोग करके सरकारी फंड्स को गबन किया। इसके बाद ये पैसे फर्जी संस्थाओं के द्वारा उनके दोस्तों और रिश्तेदारों के खातों में ट्रांसफर किए।

मास्को में बर्फबारी के बीच ही एक पार्क में एक बिल्ली के पास से निकलते हुए एक व्यक्ति।

(फोटो- ईएमएस)

हसीना की अवामी लीग के कई नेताओं पर क्रूर हमले

बांग्लादेश में सरकार अपने विरोधियों पर कर रही अत्याचार

ढाका,(ईएमएस)। बांग्लादेश में यूनुस सरकार अपने विरोध में उठने वाली हर आवाज को दबा रही है। अवामी लीग पार्टी के एक नेता को हिरासत में लिया गया है। अवामी लीग के महासचिव एम ए खालेक उपजिला परिषद के पूर्व अध्यक्ष भी हैं। पुलिस ने उनकी गिरफ्तारी किन कारणों के तहत हुई इसका खुलासा नहीं किया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक खालेक को पिछले साल जुलाई में हुए विद्रोह से जुड़े एक मामले में गिरफ्तार किया है बाद में उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया।

खालेक को शेख हसीना के

नेतृत्व में आवामी लीग सरकार के पतन के बाद सभी पदों से हटा दिया गया था। अगस्त 2024 में सत्ता संभालने के बाद से अंतरिम सरकार ने अवामी लीग के नेताओं पर क्रूर कार्रवाई की, जिनमें से ज्यादातर का आधार बेहद कमजोर था। पिछले महीने तंगेल-5 निर्वाचन क्षेत्र के एक पूर्व विधायक समेत अवामी लीग के तीन नेताओं को राजधानी के भटारा क्षेत्र में जुलाई में हुए छात्र आंदोलन पर हमले के सिलसिले में गिरफ्तार किया था। इस सप्ताह के शुरू में सात लोगों को गिरफ्तार किया गया क्योंकि पुलिस को शक था कि वे अवामी लीग और उसके सहयोगी संगठनों के समर्थक हैं। आरोपियों ने सिलहट में पार्टी की स्टूडेंट विंग छात्र लीग के पक्ष में जुलूस निकाला था। अवामी लीग के सदस्यों पर हुए हमले में पूर्व मेयर अनवरुज्जमां चौधरी और पूर्व सांसद शफीउल आलम चौधरी नादेल के आवासों पर बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के छात्र दल के बैनर तले भीड़ ने हमला किया और तोड़फोड़ की। शेख हसीना के सत्ता से बेदखल होने के बाद अवामी लीग के कई नेताओं पर क्रूर हमले किए गए और उनकी हत्या कर दी गई। कई रिपोर्टों से पता चलता है कि अगस्त 2024 में देश भर से दो दर्जन से ज्यादा अवामी लीग नेताओं और उनके परिवार के सदस्यों के शव बरामद किए गए हैं।

बैंक धोखाधड़ी मामले में पूर्व विधायक विनय शंकर के 11 ठिकानों पर ईडी का छापा

लखनऊ,(ईएमएस)। बैंकों से सैकड़ों करोड़ की धोखाधड़ी के आरोपों में घिरे पूर्व विधायक विनय शंकर तिवारी की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार सुबह उनकी कंपनी गंगोत्री इंटरप्राइजेज के लखनऊ, नोएडा, गोरखपुर, दिल्ली और मुंबई स्थित 11 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की।

जानकारी अनुसार ईडी की जांच में सामने आया है कि गंगोत्री इंटरप्राइजेज ने 1129.44 करोड़ रुपये का कर्ज विभिन्न बैंकों के कंसोर्टियम से लिया था। इनमें से करीब 750 करोड़ रुपये अब तक वापस नहीं किए गए हैं। बैंकों

की शिकायत पर सीबीआई ने पहले ही एफआईआर दर्ज की थी, जिसके आधार पर ईडी ने प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत जांच शुरू की। ईडी की एक दर्जन से ज्यादा टीमों ने लखनऊ के शहीद पथ, हजरतगंज सहित पांच स्थानों पर, नोएडा और गोरखपुर में दो-दो, जबकि दिल्ली और मुंबई में एक-एक जगह पर छापे मारे।

कई बार नोटिस के बावजूद पेश नहीं हुए तिवारी

सूत्रों के मुताबिक, विनय शंकर तिवारी को कई बार ईडी की ओर से नोटिस जारी किए गए थे, लेकिन वह पूछताछ में शामिल नहीं हुए। इसी के चलते यह बड़ी कार्रवाई की गई। ईडी को उम्मीद है कि नए मिले सबूतों के आधार पर जल्द ही आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। विनय शंकर तिवारी पर आरोप है कि उन्होंने गंगोत्री इंटरप्राइजेज और उससे जुड़ी कंपनियों के जरिए बैंकों से कर्ज लेकर उसे हड़प लिया और गलत तरीके से संपत्तियां बनाई।

तबीयत बिगड़ी और हो गई अधेड़ की मौत, हार्ट अटैक की आशंका

भोपाल(ईएमएस)। टीटी नगर थाना इलाके में रहने वाले एक व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। बताया गया है की अचानक तबीयत बिगड़ने पर परिवार वाले उन्हें इलाज के लिये जेपी अस्पताल लेकर पहुंचे थे। लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। पुलिस के मुताबिक माता मंदिर के पास झुग्गी में रहने वाले भागीरथ बाथम पिता बाबूलाल बाथम (52) निजी काम करते थे।

राजधानी लोकल

निशातपुरा स्टेशन शुरू होने के बाद मालवा नहीं आएगी भोपाल

भोपाल,ईएमएस। भोपाल में पॉड होटल को यात्रियों से अच्छा रिस्पॉन्स मिला है और इसी को देखते हुए अब इसे रानी कमलापति (आरकेएमपी), संत हिरदाराम नगर और सीहोर में भी शुरू किया जाएगा। निशातपुरा रेलवे स्टेशन भी बनकर तैयार हो चुका है और जल्द ही यहां से मालवा एक्सप्रेस को रवाना किया जाएगा। बता दें कि 5 अप्रैल को भोपाल स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 6 पर स्थित बिल्डिंग में पॉड होटल की शुरुआत की गई है।

फटाफट खबरें

रेलवे स्टेशन के बाहर से डिजायर कार चोरी

भोपाल(ईएमएस)। शहर के गोविंदपुरा थाना क्षेत्र में स्थित रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के बाहर से अज्ञात बदमाशो ने कंस्ट्रक्शन कंपनी के कर्मचारी की डिजायर कार पर हाथ साफ कर दिया। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक कमल सिंह पिता पहार सिंह (47) कोलार रोड थाना क्षेत्र स्थित मधुवन पार्क कॉलोनी में रहते हुए प्रायवेट काम करते हैं। 4 अप्रैल की सुबह वह कार में कुछ काम कर रहे थे। इसी बीच उन्हें रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के पास चल रहे निर्माण कार्य स्थल पर जाना पड़ गया। जल्दबाजी में वह डिग्गी में ही कार की चाबी लगी छोड़कर चले गए। करीब दो घंटे बाद जब वह वापस लौटे तो देखा की उनकी कार चोरी हो चुकी थी। पीड़ित ने पहले अपने स्तर पर कार तलाशने का काफी प्रयास किया लेकिन जब उसे कोई जानकारी नहीं मिली ति वह पुलिस के पास पहुंचा।

मोबाइल झपटने वाले लुटेरे बेसूराग

भोपाल(ईएमएस)। मंगलवारा थाना इलाके में इदौंर के एक टीचर का अज्ञात बदमाशो ने मोबाइल झपट लिया। फरियादी ने कीरब दस दिन पहले ई-एफआईआर दर्ज कराई थी। जिसमें अब मंगलवारा थाना पुलिस ने असल कायमी की है। थाना पुलिस के अनुसार इंदौर जिले में रहने वाले पीड़ित मनीष कुमार पुरोहित पिता मनोहर लाल पुरोहित (44) ने शिकायत करते हुए बताया की वह स्कूल में टीचर है। 23 मार्च को वह वे सरकारी काम से भोपाल आए थे। घटना वाले दिन अलसुबह करीब पांच बजे वह रेल्वे स्टेशन से ऑटो में बैठकर जा रहे थे। वह जिस जगह जाना चाहते थे, वहां की लोकेशन वे मोबाइल में देख रहे थे। तभी ऑटो के नजदीक से गुजरे बाइक सवार दो बदमाश तेज स्पीडसे उनके नजदीक के निकले और एक ने झपट्टा मारकर उनका मोबाइल छीन लिया। प्रकरण दर्ज कर पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही हैं।

बदमाश ने कीमती बैग किया चोरी

भोपाल(ईएमएस)। हनुमानगंज थाना इलाके में शातिर चोर ने कार का गेट खोलकर भीतर रखा बैग चोरी कर लिया। चोरी गये बैग में मोबाइल समेत अन्य कीमती सामान रखा हुआ था। जॉच के बाद अज्ञात आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर पुलिस ने उसकी तलाश शुरु कर दी है। मिली जानकारी के मुताबिक अयोध्या नगर थाना क्षेत्र स्थित सागर स्टेट में किराए से रहने वाले फरियादी प्रथम गुप्ता पिता आलोक गुप्ता (32) ने लिखित शिकायत करते हुए बताया की वह डिजिटल मार्केटिंग का काम करते हैं। 4 अप्रैल की शाम करीब 5 बजे वह हनुमानगंज स्थित घोडा नक्क ास में अपनी नौकरी से जुड़े काम के लिये अपनी कार से गए थे। कार को दुर्गा मंदिर के पास खड़ी कर वह मार्केट चले गए। बाद में जब वह बाजार से वापस लौटे तो उन्हें कार का गेट खुला नजर आया।

15 फिट की ऊचांई से गिरी महिला की मौत

भोपाल(ईएमएस)। बागसेवनिया थाना इलाके में निर्माणाधीन डुप्लेक्स में मजदूरी कर रही महिला की करीब 15 फीट की ऊचांई से गिरकर जान चली गई। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक मूलत नरसिंहपुर जिले की रहने वाली दयवंती बसौड़ पति रमेश बसौड़ (40) मेंहनत-मजदूरी का काम करती थी। बीते दिनो ही बागसेवनिया स्थित परमार मोहल्ला में रहने आई थी। शनिवार सुबह वह मजदूरी करने पेबल वे कॉलोनी के पास बन रहे डुप्लेक्स में काम करने पहुंची थी। काम करते दोपहर के समय वह अचानक ही छत से नीचे गिर गई। छत से पत्थर पर गिरने के कारण उसके सिर में घातक चोट आई थी। साथ काम करने वाले मजदूरो ने उसे इलाज के लिये अस्पताल पहुंचाया वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

बड़े भाई से विवाद कर रहे बदमाशों ने

बीच-बचाव करने आये छोटे भाई की चाकू घोंपकर कर दी हत्या

भोपाल(ईएमएस)।

पुराने शहर के छोला मंदिर थाना इलाके में बीती रात एक युवक चाकू घोंपकर हत्या किये जाने की सनसनीखेज घटना सामने आई है। बताया गया है की आरोपी का मृतक के बड़े भाई से विवाद हो रहा था, आवाजे सुनकर वह बीच-बचाव करने के लिये घर से बाहर आया।

बदमाशो ने उसके साथ मारपीट करते हुए चाकू के तीन घातक वार किये जिससे उसकी मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार प्रीत नगर में रहने वाला 32 वर्षीय कमल कुशवाहा पिता नन्नु लाल ठेके लेकर पुताई का काम करता था। करीब चार साल पहले उसकी शादी हुई थी, उसकी एक तीन साल की बेटी है। रविवार को वह काम से घर आने के बाद घर में खाना खा रहा था। देर रात उसके घर के बाहर खड़ी बाइक में तोड़फोड़ की आवाज आने पर कमल का बड़ा भाई ओम प्रकाश ने बाहर आकर देखा तो उसे युवराज व करण सिंह लोधी नाम के युवक घर के सामने खड़े होकर गाली-गलौज करते हुए उसकी बाइक में तोड़फोड करते नजर आये। कमल किशोर ने उन्हें गाड़ी में तोड़फोड़ और गालियां देने से मना किया तब आरोपियो ने उससे झूमाझटकी करते हुए मारपीट करनी शुरु कर दी। झगड़े की आवाजे सुनकर छोटा भाई कमल घर के बाहर आया और लड़ाई होती देख बीच-बचाव करने का प्रयास करने लगा।

इसी बीच आरोपियों ने उसके साथ भी मारपीट की और धारदार हथियार निकालकर उसके शरीर पर तीन घातक वार कर दिए। हथियार का एक वार उसके सिर, दूसरा पेट और एक हाथ पर लगने से उसे जानलेवा छोटे आई जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं आरोपी हथियार लहराते हुए वहॉ से फरार हो गए। गंभीर रूप से घायल कमल किशोर को परिवार वालो ने आसपास के लोगो की मदद से इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल पहुंचाया गया। जहां डॉक्टरों ने कमल किशोर को मृत घोषित करते हुए पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के लिए भेज दिया। घटना में गंभीर रुप से घायल कमल के भाई की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी करण लोधी और युवराज लोधी के खिलाफ हत्या, हत्या के प्रयास समेत अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया है।

बताया जा रहा है, की मौके पर पहुंचे परिजन और मोहल्ले के लोगो ने एक आरोपी को पकड़कर उसकी जमकर धुनाई कर जबकि करण वहां से भागने में सफल हो गया। घायल आरोपी युवराज का भी अस्पताल में इलाज चल रहा है, पुलिस फरार आरोपी करण सिंह लोधी की तलाश कर रही है। बताया गया है कि आरोपी करण लोधी और युवराज लोधी विदिशा तथा सागर के रहने वाले हैं।

तीन चोरियां, लेकिन शक केवल बाबू उसकी गर्लफ्रेंड और दोस्त अमित फावड़ा पर

भोपाल (ईएमएस)। शहर के गोविंदपुरा थाना इलाके में बीते दिन हुई तीन चोरियों से पुलिस का माथा ही घूम गया। रविवार को पुलिस रामनवमी के चलते धार्मिक आयोजनो को लेकर काफभ् व्यस्त थी। इसी दौरान एक-एक करके तीन लोग फरियादियो ने थाने में शिकायतें कराते हुए बताया की उनके सामना चोरी हुए है, और तीनो ने ही अपना संदेह बाबू और उसकी गर्लफ्रेंड के और बाबू के दोस्त अमित फावड़ा पर जताया। तीनो शिकायतो में एक जैसै नाम सामने आने पर पुलिस ने एक-एक करके तीन प्रकरण दर्ज किये है। जानकारी के मुताबिक थाने में सबसे पहले पहुचें सुनील सोनी पिता स्वर्गीय रामविलास सोनी (38) ने बताया की वह बरखेड़ा पठानी स्थित पंचपीर नगर के एफ-सेक्टर में रहते हैं, और फास्टफूट की दुकान चलाते हैं। बीते दिन काम के बाद जब वह घर पहुचे तो उन्हें मकान का ताला टूटा मिला। भीतर जाकर चैक करने पर वॉशिंग मशीन, आटो के दो टायर, बैटरी वाले आटो का चार्जर सहित 35 हजार का सामान गायब मिला। पीड़ित ने बाबू नाम के युवक पर संदेह जताते हुए कहा कि वह अमित फावड़ा के साथ रहता था। और उसे यह जानकारी मिली है की चोरी का माल बाबू ने अपनी गर्लफ्रेंड कनिष्का के घर छिपाकर रखा हुआ है। पुलिस इस शिकायत पर आगे की कार्यवाही करती उससे पहले दूसरा पीड़ित रामविश्वास वर्मा पिता स्वगीय कैलाश राम वर्मा (44) थाने आ पहुंचा।

संपूर्ण देशों में एक साथ लाइव जुड़ेंगे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

महावीर जयंती के पूर्व नवकार महामंत्र का सामूहिक पाठ रविंद्र भवन के मुक्त आकाश मंच में 9 अप्रैल को

भोपाल(ईएमएस)।

जैन धर्म का शास्वत मन्त्र महामंत्र नवकार मंत्र का सामूहिक पाठ 9 अप्रैल बुधवार को विश्व कल्याण हेतु संपूर्ण विश्व में नवकार महामंत्र का सामूहिक जप अनुष्ठान रखा गया है। जैन धर्म की अंतराष्ट्रीय संस्था जीतो (JITO) द्वारा इस अनुष्ठान का आयोजन रविन्द्र भवन के मुक्ताकाश मंच में भी हो रहा है। मुनि प्रमाण सागर महाराज, मुनि विमल सागर महाराज के सासंघ सानिध्य में प्रातः 7 बजे सामुहिक रूप से होगा। जीतो के भोपाल चैप्टर के चेयरमैन डॉ प्रशांत जैन सेज ने बताया कि, इस आयोजन में विशेष रूप से भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विज्ञान भवन दिल्ली से हम सभी से लाइव जुड़ेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विज्ञान भवन दिल्ली से हम सभी से लाइव जुड़ेंगे। जैन समाज ने प्रधानमंत्री से विशेष अपील करते हुए 9 अप्रैल को प्रति वर्ष नवकार दिवस के रूप में मनाये जाने की मांग की है। जैन धर्म के इस महामंत्र का अधिक से अधिक प्रचार हो एवं इस मन्त्र के माध्यम से प्राणीमात्र का कल्याण हो, और विश्व में आध्यात्मिक ऊर्जा के साथ विश्व शांति स्थापित हो। डॉ प्रशांत जैन ने बताया इसके लिए राजधानी की अनेक सामाजिक संस्थाएं प्रधानमंत्री जी को पत्र ईमेल के माध्यम से निवेदन कर रही है।

> **सम्पूर्ण विश्व से 1 करोड़ 8 लाख की संख्या का लक्ष्य रखा गया है।**

इस हेतु जीतो ने एक लिंक भी जारी किया है। जिसके द्वारा सभी को अपना रजिस्ट्रेशन करवाना है। जिसके द्वारा इस अनुष्ठान में सम्मिलित होने वालों की संख्या की जानकारी आंकड़े के रूप में प्राप्त हो सके। सम्पूर्ण विश्व से 1 करोड़ 8 लाख की संख्या का लक्ष्य रखा गया है। जीतो सेक्रेट्री वैभव चौधरी सी ए, महिला विंग अध्यक्ष प्रतिभा टोंग्या, सेक्रेट्री पूजा जैन सहित पूरी जीतो टीम आयोजन की तैयारी में लगी है।

हैवान बना रिश्ते का भाई, 8 साल की मासूम से किया दुष्कर्म का प्रयास

भोपाल(ईएमएस)। बैरसिया थाना क्षेत्र में स्थित ग्राम सुहाया के जंगल में शनिवार शाम 8 साल की मासूम बच्ची के साथ उसके 35 साल के रिश्ते के भाई द्वारा दुष्कर्म के प्रयास का रिश्तो को कलंकित किये जाने का मामला सामने आया है। बताया गया है कि आरोपी बच्ची को बाइक से अपने घर खाना बनाने ले जा रहा था। बाइक पर उसने बच्ची के साथ गंदी हरकत की जिस पर नजर पढ़नेपर तो कुछ लोगों ने बाइक से उसका पीछा किया। आरोपी मासूम को जंगल में ले जाकर दुष्कर्म का प्रयास करने लगा लेकिन पीछा कर रहे लोगों ने उसे पकड़कर धुनाई कर दी। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेते हुए थाने लाकर उसके खिलाफ पौक्सो एक्ट सहित अन्य धाराओ में प्रकरण दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार बैरसिया के एक गांव में रहने वाली 8 साल की मासूम के पिता नहीं है, वह मां के साथ चाचा के घर पर रहती है। उनके घर 35 साल के बुआ का बेटा आलोक अहिरवार (परिवर्तित नाम) का आना-जाना है। प्रखर करीब 15 किमी दूर गांव में रहता है, और विवाहित है, उसके बच्चे भी हैं। प्रखर अक्सर घर में खाना बनाने के लिए बच्ची को अपने साथ लेकर जाता था। शनिवार को भी वह मासूम बच्ची को अपने साथ ले जाने के लिये घर पहुंचा। और बाद में उसे बाइक पर बैठाकर अपने घर ले जा रहा था।

मंत्री के कार्यालय में पदस्थ अधिकारी की पत्नी से पार्क में छेड़छाड़

भोपाल(ईएमएस)।

प्रदेश के वरिष्ठ मंत्री के कार्यालय में पदस्थ अधिकारी की पत्नी के साथ एकांत पार्क में ईवनिगं वॉक के दौरान एक मनचले द्वारा छेड़छाड़ किये जाने की घटना सामने आई है। जानकारी के मुताबिक पीड़िता अधिकारी की पत्नी जिला अदालत में कार्यरत हैं। घटना के समय वह अकेली होने के कारण घबरा गई। बाद में उन्होंने अपने पति के साथ थाने जाकर शिकायत दर्ज कराई। वारदात के बाद आरोपी फरार हो गया जिसकी पुलिस हुलिये के आधार पर पहचान जुटाने के प्रयास कर रही है। थाना पुलिस के मुताबिक 48 वर्षीय महिला ने बतायसा की जिला अदालत में पदस्थ हैं। जबकि उनके पति एक मंत्री के कार्यालय में सचिव स्तर के अधिकारी हैं। वह रोजाना एकांत पार्क में ईवनिगं वॉक के लिये जाती है। शनिवार शाम भी वह टहलने के लिये पार्क में गई थी। इस दौरान एक मनचले उनके पीछे की और से आया और अश्लील छेड़छाड़ करने के साथ ही अभद्रता करते हुए भाग गया। उस समय अकेली होने के कारण वह घबरा गई और फौरन ही पार्क से बाहर निकलकर घर चली गई। बाद में उन्होनें अपने पति को पूरी बात बताई। इसके बाद पति उन्हें लेकर हबीबगंज थाने पहुंचे जहॉ पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है, कि आरोपी की पहचान के लिए सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। वहीं महिला द्वारा बताये गये हुलिये के आधार पर भी उसकी पहचान जुटाने के प्रयास किये जा रहे है।

सोशल मीडिया पर फ्रेंडशिप, लव, सैक्स के बाद एमबीए छात्रा को 5 साल बाद मिला धोखा

झांसा देकर किया दैहिक शोषण, अब छोटी जाति का बताकर किया शादी से इंकार

भोपाल(ईएमएस)।

नये शहर के कोलार थाना इलाके में रहने वाली एक एमबीए छात्रा के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पीड़िता की आरोपी से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिये फ्रेंडशिप हुई थी, बाद में आरोपी ने शादी का वादा कर छात्रा का शारीरिक शोषण करना शुरू कर दिया। बीते दिनो जब पीड़िता ने उस पर शादी करने का दबाव बनाया तब आरोपी ने उसे छोटी जाति का कहते हुए शादी से इंकार कर उसे जाति से अपमानित भी किया। इसके बाद मामला थाने पहुंचा जहॉ छात्रा की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म, अनुसुचित जाति जनजाति एक्ट सहित अन्य धाराओ में मामला कायम कर उसकी गिरफ्तारी के प्रयास शुरु कर दिये है।

थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 24 वर्षीय युवती ने अपनी शिकायत में बताया की वह मूल रुप से भोपाल जिले के नजदीक स्थित एक जिले की रहने वाली है। कोलार इलाके में किराए से रहते हुए एमबीए की पढ़ाई कर रही थी। करीब पांच साल पहले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिये उसकी पहचान दीपांशु चौरसिया नामक युवक से हुई थी। चैटिंग के बाद जल्द ही उनके बीच फोन पर बातचीत होने लगी, आरोपी ने छात्रा को बताया था, की वह जबलपुर जिले का रहने वाला है, और फिलहाल फार्मेसी से जुड़ा काम करते हुए कोलार इलाके में ही रहता है। बातचीत के बाद जल्द ही उनके बीच नजदीकियां बढ़ी गई और दोस्ती के बाद प्रेम-प्रसंग शुरू हो गया। आरोप है कि प्रेम-प्रसंग के दौरान दीपांशु ने पीड़ता से शादी का वादा करते हुए करीब पॉच साल तक कई बार अलग-अलग स्थानों पर ले जाकर शारीरिक संबंध बनाए।

क्रेडिट कार्ड की तारीख नहीं बढ़ने से किसान परेशानी में, डिफॉल्टर हो गए

शून्य फीसदी ब्याज योजना से लाखों किसान आउट

भोपाल,ईएमएस। समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी 15 दिन देरी से शुरू हुई है,जो अभी लंबा चलेगी इसका पेमेंट आने में भी एक सप्ताह से 10 दिन का समय लग रहा है। 31 मार्च को किसानों को बैंक में किसान क्रेडिट कार्ड की राशि जमा करना थी 60 फीसदी से ज्यादा किसान डिफाल्टर हो गए क्योंकि उनके पास किसान क्रेडिट कार्ड को जमा करने के लिए पर्याप्त राशि नहीं थी, डिफाल्टर किसानों को अब साल भर का ब्याज सहित राशि बैंक चुकाना होगी।

मध्य प्रदेश में तकरीबन एक करोड़ किसान खेती से अपना जीवन यापन करते हैं इसमें तकरीबन 40 लाख सीमांत किसान की श्रेणी में आते हैं जिनके पास एक हेक्टर से कम कृषि भूमि है। समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी 15 दिन देरी से 15 मार्च से शुरू हुई । शुरुआत का एक सप्ताह तो खरीदी केदो पर साधन उपलब्ध होने में ही निकल गया इसके बाद सीमित मात्रा में किसानों को खरीदी केंद्र पर समर्थन मूल्य व बोनस 2600 रु प्रति क्विंटल कि दर से लिया जा रहा है। रफ्तार इतनी धीमी है कि यह प्रक्रिया 2 महीने और चलेगी। इसी बीच किसानों को 31 मार्च में बैंक खाद बीज और क्रेडिट कार्ड की राशि जमा करना होती है। किसानों का गेहूं नहीं बिका और 60 फीसदी से ज्यादा डिफाल्टर हो गए। अब इन किसानों को 7 फीसदी ब्याज पूरे वर्ष का लगेगा।

एनकाउंटर का डर...छत्तीसगढ़ से दूसरे राज्य भाग रहे नक्सली

मध्यप्रदेश में नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में बढ़ाई गई सतर्कता

भोपाल,ईएमएस। छत्तीसगढ़ में हो रहे ताबड़तोड़ हमले से डर कर नक्सली दूसरे राज्यों की ओर भाग रहे हैं। इसकी खबर लगते ही मप्र सरकार ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में पुलिस को सतर्क कर दिया है। दरअसल, केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रायपुर में एंटी नक्सल ऑपरेशन को लेकर बैठक ली तो अफसरों ने शाह को बताया कि अब नक्सली अपनी लोकेशन बदल रहे हैं। दूसरे राज्यों में भी भाग रहे हैं। छत्तीसगढ़ में बीते 1 साल में फोर्स नक्सलियों को जंगलों में ढूंढकर एनकाउंटर कर रही है। बताया जाता है कि इन बातों को सुनने के बाद शाह ने बैठक में कहा कि एक राज्य से दूसरे राज्य में भाग रहे नक्सलियों को पकडने के लिए राज्य पुलिस और केन्द्रीय सुरक्षा एजेंसियां आपस में कोआर्डिनेशन को बढ़ाएं। खुफिया इनपुट पर काम करने को शाह ने आईबी के अधिकारियों को भी निर्देश दिए।

मप्र सरकार अलर्ट पर

नक्सलवाद को लेकर छत्तीसगढ़ में तेजी से एक्शन लिया जा रहा है। पिछले एक साल के दौरान छत्तीसगढ़ में कई बड़े नक्सलियों का मार गिराया गया है। ऐसे में जब छत्तीसगढ़ में सुरक्षाबलों का एक्शन बढ़ता है तो अक्सर नक्सली मप्र से सटे जिलों का रुख करते हैं। एमपी के बालाघाट, डिंडौरी और मंडला नक्सल प्रभावित जिलों में आते हैं। पिछले कुछ दिनों में एमपी पुलिस ने यहां बड़ी कार्रवाई करते हुए चार नक्सलियों को मार गिराया था।

युवक के साथ मारपीट कर धारदार हथियार से किया हमला

भोपाल(ईएमएस)। टीटी नगर थाना क्षेत्र स्थित गैमन इंडिया के सामने शनिवार-रविवार की रात करी 2 बजे पार्किंग में हुए विवाद के बाद युवक के साथ अन्य दो युवकों ने मारपीट करते हुए चाकू से हमला कर गंभीर रुप से घायल कर दिया। पुलिस के अनुसार फरदीन राणा पिता शकील अहमद (24) मूलत-उत्तर प्रदेश रहने वाला का है। हाल ही में वह मालवीय नगर में रहता है, और गैमन इंडिया में संचालित ड्रीमलैंड बार काम करता है।

कॉलेज छात्र और झुग्गी बस्तियां बनीं गांजा तस्करी का केंद्र

राजधानी भोपाल में बढ़ता नशे का कारोबार

भोपाल,ईएमएस।

भोपाल में मादक पदार्थों की तस्करी और सेवन के बारे में पुलिस के आंकड़ों से दो बेहद चिंताजनक पैटर्न सामने आए हैं। यहां नशे का कारोबार और युवाओं में नशा करने की लत बढ़ रही है। खासकर कॉलेज के छात्रों में गांजा नशे की लत लगातार बढ़ती जा रही है।

इसकी वजह है कि गांजा आसानी से और कम दाम मे मिल जाता है। वहीं, गरीब और स्लम एरिया में रहने वाले लोग गांजा तस्करी की ओर बढ़ते जा रहे हैं।

भोपाल पुलिस लगभग हर दिन ड्रग तस्करों को गिरफ्तार कर रही है। इसके साथ ही पुलिस बड़ी मात्रा में गांजा जब्त कर रही है। सीनियर पुलिस अधिकारियों ने कहा कि झुग्गी-झोपडिय़ों में रहने वाले कई लोग गांजा तस्करी की ओर रुख कर रहे हैं।

इसकी वजह है कि इसमें कम पैसा लगाना पड़ता है और आठ से दस गुना अधिक लाभ मिलता है। इसके साथ ही युवाओं के बीच गांजे की मांग भी बहुत ज्यादा है, जो एक बड़ी समस्या है।

इन इलाकों में आसानी से मिल रहा गांजा

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि भोपाल में गांजा कई जगहों पर आसानी से मिल जाता है। गौतम नगर, इतवारा, पिपलानी, हबीबगंज, कोलार, बरखेड़ी, पंचशील नगर, सतनामी नगर, निशातपुरा, हनुमानगंज, छोला और कई अन्य झुग्गी-झोपडिय़ों सहित कई इलाकों में गांजा आसानी से उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि शहर में गांजा तस्करी का धंधा बहुत बढ़ गया है। शहर में कई पान की दुकानों पर खाली सिगरेट की ट्यूब आसानी से मिल जाती है।

इन राज्यों से पहुंच रहा गांजा

पुलिस आयुक्त हरिनारायणचारी मिश्रा ने कहा कि ज्यादातर मामलों में गांजा ओडिशा और तेलंगाना से तस्करी करके लाया जाता है। उन्होंने कहा कि छात्रों को गांजा आसानी से और कम दाम में मिल जाता है। उन्होंने यह भी माना कि गांजे की आसानी से उपलब्धता और कम कीमत के कारण कई युवा इसकी लत का शिकार हो रहे हैं।

कॉलेज स्टूडेंट्स में क्यों बढ़ रही नशे की लत

कई कॉलेज छात्र नींद से बचने और पढ़ाई के दौरान अपना ध्यान बढ़ाने के लिए गांजा पीते हैं। वे आसानी से पकड़े नहीं जाते और इसके हानिकारक प्रभावों को नहीं समझते, बल्कि इसके तुरंत मिलने वाले आनंद पर ध्यान केंद्रित करते हैं। यह अन्य नशीले पदार्थों का एक आसान विकल्प बन जाता है और उनके लिए नशे से निपटने का एक तरीका बन जाता है। पुलिस कमिश्नर ने कहा कि एमडीएमए, एम-कैट, एक्स्टसी, एलएसडी, स्मैक, हेरोइन, ब्राउन शुगर और अन्य जैसे केमिकल ड्रग्स बहुत महंगे होते हैं। इसलिए इनमें से अधिकांश युवा इन्हें खरीद नहीं पाते।

न्यायालय पुलिस उपायुक्त / विशेष कार्यपालक मजिस्ट्रेट
जोन 03 नगरीय पुलिस भोपाल (म.प्र.)

क्रमांक पु.उपा/भो/जोन 03/D/87/2025 दिनांक 03/04/2025

सार्वजनिक उद्घोषणा

इस न्यायालय में थाना कोतवाली में जप्तशुदा वाहन 58 नग धारा 25 पुलिस एक्ट मे जप्त कर राजसात की प्रक्रिया प्रचलन में है। पुलिस रेगुलेशन की धारा 26,27 मे 25 पुलिस एक्टके अधिकारों का उपयोग करते हुए थाना कोतवाली जिला भोपाल जोन-03 का प्रतिवेदन अपराध क्र. 1/24-2/24 प्रकरण प्राप्त हुआ है जिसमे कुल दोपहिया 56 चार 02 पहिया या अन्य वाहन कुल 58 नग 25 पुलिस एक्ट मे दिनांक 20/11/24 को विधिवत नियमानुसार जप्त किये गये हैं । जिसे इस न्यायालय द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए वाहनो को राजसात करने की प्रक्रिया प्रचलन मे है। उक्त संपत्ति के राजसात करने व जप्त करने के संबंध मे यदि किसी संस्था / व्यक्ति को किसी प्रकार की आपत्ति हो, तो सूचना प्रकाशन के 15 दिवस की अवधि के भीतर कार्यालय विशेष न्यायालय जोन-03 / पुलिस उपायुक्त भोपाल मे प्रस्तुत कर सकते हैं। उक्त अवधि के पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति स्वीकार नही होंगी। वाहनो / संपत्ति को राजसात कर आम नीलामी से शासन हित मे विक्रय किया जाएगा।

(रियाज़ इक़बाल भा . पु से.)
पुलिस उपायुक्त / न्या. विशेष कार्यपालक मजिस्ट्रेट
जोन- 03 नगरीय पुलिस भोपाल (म.प्र.)

G-11289/25

न्यायालय पुलिस उपायुक्त /विशेष कार्यपालक मजिस्ट्रेट
जोन 03 नगरीय पुलिस भोपाल (म.प्र.)

क्रमांक पु.उपा/भो/जोन 03 /D/82/ 2025 दिनांक 03/04/2025

सार्वजनिक उद्घोषणा

इस न्यायालय मे थाना कोहेफिजा मे जप्तशुदा वाहन101 नग धारा 25 पुलिस एक्ट मे जप्त कर राजसात की प्रक्रिया प्रचलन में है। पुलिस रेगुलेशन की धारा 26,27 मे 25 पुलिस एक्टके अधिकारों का उपयोग करते हुए थाना कोहेफिजा जिला भोपाल जोन-03 का प्रतिवेदन अपराध क्र 1 / 22.2/23.3/23.4/23.4/23.5/23.6 / 23 प्रकरण प्राप्त हुआ है । जिसमे कुल दोपहिया 99 चार 02पहिया या अन्य वाहन कुल 101 नग 25 पुलिस एक्ट मे समुचित दिनांक को विधिवत नियमानुसार जप्त किये गये हैं। जिसे इस न्यायालय द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए वाहनो को राजसात करने की प्रक्रिया प्रचलन में है । उक्त संपत्ति के राजसात करने व जप्त करने के संबंध मे यदि किसी संस्था/व्यक्ति को किसी प्रकार की आपत्ति हो, तो सूचना प्रकाशन के 15 दिवस की अवधि के भीतर कार्यालय विशेष न्यायालय जोन-03 / पुलिस उपायुक्त भोपाल मे प्रस्तुत कर सकते हैं । उक्त अवधि के पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति स्वीकार नही होंगी । वाहनो/संपत्ति को राजसात कर आम नीलामी से शासन हित मे विक्रय किया जाएगा।

(रियाज़ इक़बाल भा. पु से.)
पुलिस उपायुक्त / न्या. विशेष कार्यपालक मजिस्ट्रेट
जोन-03 नगरीय पुलिस भोपाल

G-11291/25

इंदौर जिले में सभी पटवारियों के हल्कों का किया जायेगा रेण्डमाईजेशन

इन्दौर, ईएमएस। इंदौर जिले में सभी पटवारियों के हल्कों का रेण्डमाईजेशन किया जायेगा। इससे सभी पटवारियों को नये हल्के मिलेंगे। यह रेण्डमाईजेशन एनआईसी के विशेष पोर्टल के माध्यम से किया जायेगा। साथ ही जिले में समग्र आईडी के ईकेवायसी के कार्य को भी तेजी देते हुए शीघ्र पूरा किया जायेगा।

समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक सम्पन्न

शहडोल, ईएमएस। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह की उपस्थिति में आज कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा है कि जिले में 30 जून 2025 तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है।

संपादकीय

भारत का महा आर्थिक संकट, शेयर बाजार और बैंकों में हाहाकार

भारत में आर्थिक मंदी जिस तरह से सामने आ रही है। जिसमें अर्थतंत्र के सारे संस्थान डगमगाते हुए नजर आ रहे हैं। शेयर बाजार में पिछले 6 महीने से लगातार गिरावट देखने को मिल रही है। इस गिरावट को थामने के लिए सरकार और रिजर्व बैंक ने लाखों करोड़ रुपया शेयर बाजार में डाला। वह रुपया भी मुनाफा वसूली में शेयर बाजार से बाहर निकल गया। रिजर्व बैंक से केंद्र सरकार ने पिछले वर्षों में डिविडेंड के नाम पर काफी बड़ी राशि वसूल कर की है। जिसके कारण रिजर्व बैंक का आर्थिक संकट भी सामने दिख रहा है। रही सही कसर सरकारी बैंक पूरी कर रहे हैं। बैंकों द्वारा जो फाइनेंस किया गया है। उसकी वसूली नहीं हो पा रही है। बैंकों द्वारा पिछले वर्षों में खातेदारों से तरह-तरह के शुल्क लगाकर अनाप-शनाप वसूली की जा रही है। एनपीए खाते की रकम का समयोजन कर बैंकों का मुनाफा बैलेंस शीट में लाभ से एडजस्ट किया जा रहा है। पिछले वर्षों में शेयर बाजार में बैंकों द्वारा भारी निवेश किया गया है। जब तक शेयर बाजार मैं तेजी बनी हुई थी। तब तक बैंकों की बैलेंस शीट मुनाफा उगल रही थी। अब बैंकों की बैलेंस शीट घाटे की ओर आगे बढ़ रही हैं। जीवन बीमा निगम जैसी कंपनियां लड़खड़ा रही हैं। म्युचुअल फंड और अन्य वित्तीय संस्थान भी शेयर बाजार की गिरावट के कारण आर्थिक हालत खराब होती चली जा रही है। भारत के करोडों परिवार कर्ज के जाल में फंसे हुए हैं ब्लूमबर्ग की जो रिपोर्ट सामने आई है। उसके अनुसार 68 फीसदी कर्जदारों को ईएमआई चुकाने में आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। 45 अरब डॉलर का कर्ज फंसा हुआ है। 91 से 180 दिनों के भीतर लोन की किस्त जमा नहीं होने पर बैंक यह राशि एनपीए में डाल देते हैं। एनपीए 3.3 फ़ीसदी की रफ्तार से बढ़ता चला जा रहा है। 2023 में यह आंकड़ा मात्र 0.8 फीसदी था। भारत में लोन चुकाने के लिए अब लोग लोन ले रहे हैं। आर्थिक संकट के कारण लोगों को अपने बच्चों को स्कूलों से बाहर निकालना पड़ रहा है। बैंकों मे लोन डिफाल्टरों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। रिजर्व बैंक के माध्यम से माइक्रो फाइनेंस के तहत बड़ी मात्रा में पर्सनल ऋण दिया गया है। इस ऋण की भी वसूली नहीं हो पा रही है। 10 में से 9 लोगों के पास औपचारिक और स्थाई नौकरी नहीं है। जिसके कारण वह लोन की किस्त नहीं चुका पा रहे हैं। समूह लोन जो दिया गया था, वह भी वसूल नहीं हो पा रहा है। माइक्रो फाइनेंस के लोन की किस्तें भी लोग नहीं चुका पा रहे हैं। लोगों के पास पर्याप्त आय नहीं है,उनकी मासिक खर्च लायक आमदनी नहीं हैं। माइक्रो फाइनेंस में रिजर्व बैंक ने न्यूनतम आय 3 लाख वार्षिक मानी है। रिजर्व बैंक के नियमों के अनुसार पुर्नभुगतान के लिए 50 फ़ीसदी से ज्यादा वसूली नहीं की जा सकती है। माइक्रो फाइनेंस में परिवार के कई सदस्यों ने अलग-अलग लोन लिया हुआ है। संयुक्त परिवार की मासिक आय 20 से ?25000 के बीच आती है। माइक्रो फाइनेंस की किस्त ही प्रति परिवार को 15 से 20000 चुकाना पड़ रही है। जिसके कारण माइक्रो फाइनेंस में डिफॉल्टर्स की संख्या बढ़ती चली जा रही है। माइक्रो फाइनेंस कंपनियां मनमाना ब्याज वसूल कर रही है। जिसके कारण विवाद और आत्म हत्या जैसी घटनायें बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही हैं। भारत में माइक्रो फाइनेंस शहरी क्षेत्र में ज्यादा बांटा गया है। आय की तुलना में कई गुना ज्यादा कर्ज होने से वित्तीय संस्थानों और बैंकों की हालत वसूली नहीं होने बड़ी खराब हो गई है। लोगों ने दिखावे के लिए बड़े पैमाने पर कर्ज लिए, अब वह कर्ज को चुका नहीं पा रहे हैं। बाजार में पैसा नहीं होने के कारण उत्पाद की बिक्री तेजी के साथ घटती चली जा रही है। जिसके कारण उद्योग और व्यापार भी संकट में आ गए हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जो टेरिफ़ बार शुरू किया है। उसने दुनिया के सभी देशों में आर्थिक मंदी का बिगुल बजा दिया है। इसमें सबसे ज्यादा असर भारत पर पड़ रहा है। पिछले 20 वर्षों में आम आदमी, स्थानीय प्रशासन राज्य सरकारें केंद्र सरकार सभी कर्ज लेकर घी पी रहे हैं। सरकार ने पिछले वर्षों में अपने खर्च कई गुना बढा लिए हैं। पिछले 8 वर्षों में जीएसटी के माध्यम से आम नागरिकों से बड़ी मात्रा में टैक्स वसूल किया जा रहा है। राज्य सरकारों और स्थानीय संस्थाओं द्वारा भी शुल्क और टैक्स के रूप में आम आदमियों से कई गुना राशि वसूल की जा रही है। अब लोगों की कमाई नहीं है। शुल्क और टैक्स भी नहीं दे पा रहे हैं। बैंकों की किस्त नहीं चुका पा रहे हैं। जिसके कारण भारत आर्थिक मंदी का सबसे बड़ा और सबसे पहला शिकार बनने जा रहा है। 2008 की अमेरिकी आर्थिक मंदी का भारत में कोई प्रभाव नहीं पड़ा था। 2025 में भारत के आम परिवारों की बचत पूरी तरह से खत्म हो चुकी है। अधिकांश लोग कर्ज लेकर अपने शौक पूरे कर रहे थे इस आर्थिक संकट से निपटने के लिए अब लोगों के पास कोई विकल्प नहीं है। केंद्र सरकार की जिम्मेदारी है, वर्तमान स्थिति में वह आर्थिक नीतियों को आर्थिक विशेषज्ञों की मदद से वास्तविक स्थितियों का सामना करे। महंगाई और बेरोजगारी के इस दौर में सरकार की जिम्मेदारी है। वह टैक्सों का बोझ आम जनता के ऊपर कम करे। सरकार का पैसा इस तरह से खर्च हो, जो पूंजीपतियों के हाथ में ना जाकर आम लोगों तक पहुंचे। जिसके कारण मुद्रा का प्रचलन बढ़े। आर्थिक स्थितियों में सुधार हो। समय रहते यदि सरकार ने समुचित निर्णय नहीं लिए, तो आर्थिक स्थिति के साथ-साथ देश की कानून व्यवस्था की स्थिति भी बिगड़ सकती है। इस आर्थिक मंदी को सरकार को गंभीरता से लेना होगा। वित्तीय संस्थाओं की जवाबदेही तय होनी चाहिए। सरकारी संस्थाओं और अधिकारियों को भी जवाबदेह बनाने की जरूरत है। सपनों को भूलकर सरकार को धरातल पर आना होगा। अन्यथा परिणाम बड़े भयंकर होंगे।

– सनत जैन

टैरिफ युद्ध का अर्थव्यवस्था पर प्रभाव ....

प्रहलाद सबनानी

दिनांक 2 अप्रेल 2025 को अमेरिकी राष्ट्रपति श्री डॉनल्ड ट्रम्प द्वारा, विभिन्न देशों से अमेरिका में होने वाले आयातित उत्पादों पर की गई टैरिफ सम्बंधी घोषणा के साथ ही अंततः अमेरिका द्वारा पूरे विश्व में टैरिफ के माध्यम से व्यापार युद्ध छेड़ दिया गया है। अभी, अमेरिका ने विभिन्न देशों से अमेरिका में होने वाले आयात पर विभिन्न दरों पर टैरिफ लगाया है। अब इनमें से कई देश अमेरिका से आयातित वस्तुओं पर टैरिफ लगाने की घोषणा कर रहे हैं, जैसे चीन ने अमेरिका से चीन में आयात होने वाले उत्पादों पर दिनांक 10 अप्रैल 2025 से 34 प्रतिशत की दर से टैरिफ लगाने की घोषणा की है। टैरिफ के माध्यम से छेड़े गए व्यापार युद्ध का भारत पर कोई बहुत अधिक विपरीत प्रभाव पड़ने की सम्भावना कम ही है। दरअसल, अमेरिका ने विभिन्न देशों से आयातित उत्पादों पर अलग अलग दर से टैरिफ लगाने की घोषणा की है और साथ ही कुछ उत्पादों के आयात पर फिलहाल टैरिफ की नई दरें लागू नहीं की गई हैं। टैरिफ की यह दरें 9 अप्रैल 2025 से लागू होंगी।

विभिन्न देशों से अमेरिका में आयात होने वाले उत्पादों पर 10 प्रतिशत की दर से न्यूनतम टैरिफ लगाया गया है। साथ ही, कुछ अन्य देशों यथा चीन से आयातित उत्पादों पर 34 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा अमेरिकी राष्ट्रपति ने की है। इसी प्रकार, वियतनाम से आयातित उत्पादों पर 46 प्रतिशत, ताईवान पर 32 प्रतिशत, थाईलैंड पर 36 प्रतिशत, भारत पर 26 प्रतिशत, दक्षिण कोरिया पर 25 प्रतिशत, इंडोनेशिया पर 32 प्रतिशत, स्विट्जरलैंड पर 31 प्रतिशत, मलेशिया पर 24 प्रतिशत, कम्बोडिया पर 49 प्रतिशत, दक्षिणी अफ्रीका पर 30 प्रतिशत, बांग्लादेश पर 37 प्रतिशत, पाकिस्तान पर 29 प्रतिशत, श्रीलंका पर 44 प्रतिशत और इसी प्रकार अन्य देशों से आयातित वस्तुओं पर भी अलग अलग दरों से टैरिफ लगाने की घोषणा अमेरिकी राष्ट्रपति ने की है। कुछ उत्पादों जैसे, स्टील, एल्यूमिनियम, ऑटो, ताम्बा, फार्मा उत्पाद, सेमीकंडक्टर, एनर्जी, बुलीयन एवं अन्य महत्वपूर्ण मिनरल्स को अमेरिका में आयात पर टैरिफ के दायरे से बाहर रखा गया है।

अमेरिका का मानना है कि वैश्विक स्तर पर अन्य देश अमेरिका में उत्पादित वस्तुओं के आयात पर भारी मात्रा में टैरिफ लगाते हैं, जबकि अमेरिका में इन देशों से आयात किए जाने वाले उत्पादों पर अमेरिका द्वारा बहुत कम दर पर टैरिफ लगाया जाता है अथवा बिलकुल नहीं लगाया जाता है। जिससे, अमेरिका से इन देशों को निर्यात कम हो रहे हैं एवं इन देशों से अमेरिका में आयात लगातार बढ़ते जा रहे हैं। इस प्रकार, अमेरिका का व्यापार घाटा असहनीय स्तर पर पहुंच गया है। इसके साथ साथ, अमेरिका में विनिर्माण इकाईयां बंद होकर अन्य देशों में स्थापित हो गई हैं और इससे अमेरिका में रोजगार के नए अवसर भी निर्मित नहीं हो पा रहे हैं। अब ट्रम्प प्रशासन ने अमेरिका को पुनः विनिर्माण इकाईयों का हब बनाने के उद्देश्य से अमेरिका को पुनः महान बनाने का आह्वान किया है और इसी संदर्भ में विभिन्न देशों से आयातित उत्पादों पर भारी मात्रा में टैरिफ लगाने का निर्णय लिया गया है ताकि अमेरिका में आयातित उत्पाद महंगे हों और अमेरिकी नागरिक अमेरिका में ही निर्मित वस्तुओं का उपयोग करने की ओर प्रेरित हों। वर्तमान में बढ़े हुए टैरिफ का बोझ अमेरिकी नागरिकों को उठाना पड़ेगा और उन्हें अमेरिका में महंगे उत्पाद खरीदने होंगे, क्योंकि नई विनिर्माण इकाईयों की स्थापना में तो वक्त लग सकता है, विभिन्न वस्तुओं का उत्पादन तुरंत तो बढ़ाया नहीं जा सकता अतः जब तक नई विनिर्माण इकाईयों की अमेरिका में स्थापना हो एवं इन विनिर्माण इकाईयों में उत्पादन शुरू हो तब तक अमेरिकी नागरिकों को महंगे उत्पाद खरीदने हेतु बाध्य होना पड़ेगा। इससे अमेरिका में एक बार पुनः मुद्रा स्फीति की समस्या उत्पन्न हो सकती है एवं ब्याज दरों के कम होने के चक्र में भी देरी होगी, बहुत सम्भव है कि मुद्रा स्फीति को कम करने की दृष्टि से एक बार पुनः कहीं ब्याज दरों के बढ़ने का चक्र प्रारम्भ न हो जाए। लम्बे समय में जब अमेरिका में विनिर्माण इकाईयों की स्थापना हो जाएगी एवं इन इकाईयों में उत्पादन प्रारम्भ हो जाएगा तब जाकर कहीं मुद्रा स्फीति पर अंकुश लगाया जा सकेगा। विभिन्न देशों से आयातित उत्पादों पर टैरिफ सम्बंधी घोषणा के साथ ही, डॉलर पर दबाव पड़ना शुरू भी हो चुका है एवं अमेरिकी डॉलर इंडेक्स घटकर 102 के स्तर पर नीचे आ गया है जो कुछ समय पूर्व तक लगभग 106 के स्तर पर आ गया था। इसी प्रकार अमेरिका में सरकारी प्रतिभूतियों की 10 वर्ष की बांड यील्ड पर भी दबाव दिखाई दे रही है और यह घटकर 4.08 के स्तर पर नीचे आ गई है, यह कुछ समय पूर्व तक 4.70 के स्तर से भी ऊपर निकल गई थी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपए की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़नी प्रारम्भ हो गई है एवं यह पिछले चार माह के उच्चतम स्तर, लगभग 85 रुपए प्रति अमेरिकी डॉलर, पर आ गई है। ट्रम्प प्रशासन के टैरिफ सम्बंधी लिए गए निर्णयों का अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक असर लम्बी अवधि में तो हो सकता है परंतु छोटी अवधि में तो निश्चित ही यह अमेरिकी अर्थव्यवस्था को विपरीत रूप से प्रभावित करते हुए दिखाई दे रहा है। अमेरिकी पूंजी बाजार (शेयर बाजार) केवल दो दिनों में ही लगभग 10 प्रतिशत तक नीचे गिर गया है और अमेरिकी निवेशकों को लगभग 5 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का नुक्सान हुआ है। इतनी भारी गिरावट तो वर्ष 2020 में कोविड महामारी के दौरान ही देखने को मिली थी। यदि यही स्थिति बनी रही तो अमेरिकी अर्थव्यवस्था कहीं मंदी की चपेट में न आ जाय।

ट्रम्प की सनकी नीतियां बदल देंगी वैश्विक परिदृष्य

दिलीप कुमार पाठक

डोनाल्ड ट्रम्प एक सनकी मिजाज़ इंसान हैं ये हमेशा कहा गया है। जब से उनका दूसरा कार्यकाल शुरू हुआ है, तब से डोनाल्ड ट्रम्प खुद को दुनिया का स्वघोषित बॉस सिद्ध करना चाहते हैं। हालांकि टैरिफ टैरिफ चिल्लाते हुए ट्रम्प खुद ही एक मज़ाक बनकर रह गए हैं। भारत, यूरोपीय देशों, चाइना आदि के साथ टैरिफ, टैरिफ खेल रहे हैं। दर-असल डोनाल्ड ट्रम्प को लगता है अगर पूरी दुनिया पर टैरिफ रेट बढ़ा देंगे तो पूरी दुनिया उनके कदमों में गिरेगी ! वहीँ यूक्रेन के राष्ट्रपति ब्लादिमीर जेलेंस्की को व्हाइट हाउस में बेइज्जत करना, या निरंतर भारत गणराज्य के खिलाफ़ बोलना उन्हें अमेरिका में बसे भारतीयों के बीच निंदा का पात्र बनना पड़ रहा है, चूंकि अमेरिका में भारतीयों की ताकत क्या है किसी से छुपा नहीं है। ग़ैर वीज़ा के रह रहे लोगों को जानवरों की तरह उन्हें मुल्क से निकालना डोनाल्ड ट्रम्प के इस फैसले ने उन्हें एक सनकी असंवेदनशील इंसान घोषित कर दिया है।

कुछ दिनों से डोनाल्ड ट्रम्प टैरिफ को लेकर इतना झल्लाए हुए हैं कि लगता है उनके मुँह से टैरिफ के अलावा दूसरा शब्द मुश्किल से ही निकलता होगा। ग़ज़ब तो तब हो गया जब यूरोपीय देशों एवं चाइना, कनाडा ने भी अमेरिका पर टैरिफ रेट बढाकर ट्रम्प को मुँहतोड़ जवाब दिया है। कोई भी संप्रभुतावादी मुल्क हो उसको यही करना चाहिए। हालांकि दुःख होता है जब भारत सरकार टैरिफ को लेकर ट्रम्प की इस नीति का विरोध नहीं किया, भारत हमेशा से ही गुटनिरपेक्ष नीति का समर्थक रहा है, अमेरिका भारत से बड़ी अर्थव्यवस्था है लेकिन भारत की संप्रभुता का सम्मान करे भारत जैसे मुल्क को ट्रम्प रोज टैरिफ की धमकी देते रहते हैं। अब तक भारत सरकार की चुप्पी खल रही है, जब सभी मुल्क ट्रम्प के सामने अपने आत्मसम्मान के लिए लड़ते दिख रहे हैं तो हम चुप क्यों हैं ?

डोनाल्ड ट्रंप आजकल अपने मुल्क में ही मज़ाक के पात्र बने हुए हैं। इन दिनों अमेरिका में अपने नागरिकों का कड़ा विरोध झेलना पड़ रहा है। हजारों की संख्या में अमेरिकी नागरिकों ने शनिवार को अमेरिका के अलग-अलग शहरों में ट्रंप प्रशासन के खिलाफ रैलियां निकाली। बताया जा रहा है कि इन रैलियों का मकसद टैरिफ, कर्मचारियों की छंटनी, अर्थव्यवस्था की मौजूदा स्थिति और मानवाधिकार समेत कई मुद्दों पर अपना विरोध जताने का है। ये प्रदर्शनकारी ट्रंप सरकार के कई कार्यकारी आदेशों के खिलाफ भी सड़कों पर उतरे हैं। ट्रंप की नीतियों का विरोध करने वाले प्रदर्शनकारियों ने सरकारी कर्मचारियों में कटौती से लेकर व्यापार शुल्क और नागरिक स्वतंत्रता के हनन के मुद्दे वाशिंगटन, न्यूयॉर्क, ह्यूस्टन, फ्लोरिडा, कोलोराडो और लॉस एंजिल्स सहित अन्य शहरों में रैली निकाली।

न्यूयॉर्क की चित्रकार शाइना केसनर ने इस प्रदर्शन को लेकर कहा कि मैं बहुत गुस्से में हूं। इस सरकार की नीतिया सही नहीं लग रही हैं। एक अन्य प्रदर्शनकारी ने कहा कि हमारे पास लगभग 100 लोग हैं जो न्यू हैम्पशायर से बस और वैन द्वारा इस प्रशासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने के लिए आए हैं। हमें दुनिया भर में अपने सहयोगियों को खोना पड़ रहा है, पूरी दुनिया अमेरिका के खिलाफ़ हो गई है हम ये नहीं चाहते और यहां घर पर लोगों के लिए तबाही का कारण बन रहा है। एक प्रदर्शनकारी ने कहा, मैं महात्मा गांधी से बहुत प्रेरित हूं। आज मैं यहां हूं क्योंकि यह हमारा महासागर और हमारा नमक है। जहां तक विश्व वाणिज्य और विश्व विनिमय का सवाल है। हमारे पास एक-दूसरे को देने के लिए बहुत कुछ है।

सुविचार

भय ही पतन और पाप का मुख्य कारण है।

– स्वामी विवेकानंद

उत्कृष्टता एक शतत प्रक्रिया है कोई दुर्घटना नहीं।

– अब्दुल कलाम

प्रसंग

ईश्वर सब देखता है

एक बार लन्दन में शेक्सपियर के एक प्रसिद्ध नाटक का मंचन हो रहा था। उन दिनों संभ्रांत लोगों का नाटक देखना अच्छा नहीं माना जाता था। पुजारी, पादरियों के लिए तो यह पूर्णतः प्रतिबंधित था। लन्दन के एक प्रसिद्ध चर्च के पादरी ने लोगों के मुंह से उस नाटक की बड़ी प्रसंशा सुनी थी। नाटक देखने की उसे बड़ी प्रबल इच्छा हुई। उसने सोचा सबसे छुपकर अगर थियेटर में प्रवेश कर लिया जाय। तो किसी को पता नहीं चलेगा। इसलिए उसने थियेटर के मैनेजर को पत्र लिखा कि वह उसे पिछले दरवाजे से चुपचाप प्रवेश दिला दे। मैनेजर ने जवाब दिया, महोदय ! मुझे खेद है कि मेरे यहाँ ऐसा कोई दरवाजा नहीं है जो ईश्वर की नजर से छुपा हो। मैनेजर के जवाब से पादरी को जीवन की सबसे बड़ी सीख मिल गयी। कोई काम करने से पहले यह जरूर सोचना चाहिए कि ईश्वर से कुछ भी छुपा नहीं है। वह सब देखता है।

जरा हटके

मां के साथ खेलते-खेलते कोमा में चली गई 5 साल की बच्ची

वॉशिंगटन (ईएमएस)।

हाल ही में एक ऐसी ही घटना ने सबको हैरान कर दिया, जब एक पांच साल की बच्ची अपनी मां के साथ खेलते-खेलते कोमा में चली गई। यह घटना यूनाइटेड किंगडम की रहने वाली 5 साल की एला के साथ हुई।

एला अपनी मां जेमा ग्रिफिंस के साथ नाखून पर पेंट लगा रही थी और दोनों हंसी-खुशी वक्त बिता रहे थे। अचानक एला की सांस रुक गई और बच्ची को तुरंत सीपीआर देने की कोशिश की गई। गनीमत यह रही कि उनके पड़ोसी, जो एक पैरामेडिक थे, मदद के लिए पहुंच गए और एंबुलेंस आने तक बच्ची की मदद करते रहे। बच्ची को तुरंत अस्पताल भेजा गया, लेकिन तब तक वह कोमा में जा चुकी थी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यह घटना 26 अक्टूबर 2023 की है। जब सीटी स्कैन किया गया, तो पता चला कि एला को इतनी छोटी उम्र में कार्डियक अरेस्ट हुआ था। अस्पताल में एक महीने तक इलाज के बाद, बच्ची को फिर से एक अरेस्ट का सामना करना पड़ा। डॉक्टरों ने बताया कि एला को सीपीवीटी नामक बीमारी है, जो दिल की धड़कनों को प्रभावित करती है। जेमा ग्रिफिंस का कहना है कि डॉक्टरों ने बताया कि एला को दिल की यह गंभीर बीमारी जीवनभर रहेगी और अब उसके दिल की धड़कनों को मॉनिटर करने के लिए उसे लगातार निगरानी में रखा जाएगा।

इसके साथ ही एला को एक सर्जरी भी करवानी है, ताकि उसकी स्थिति पर काबू पाया जा सके। मां जेमा अब लोगों में इस बीमारी के प्रति जागरूकता फैलाने की कोशिश कर रही हैं और इस सर्जरी के लिए पैसे इकट्ठा करने का प्रयास कर रही हैं। यह घटना इस बात का जीता-जागता उदाहरण है कि बच्चों में भी गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं, और यह किसी के साथ भी हो सकती है। बता दें कि एक समय था जब लोग मानते थे कि बच्चे बीमारियों से जल्दी उबर जाते हैं, क्योंकि उनका इम्यून सिस्टम मजबूत होता है। लेकिन अब यह धारणा बदल रही है, क्योंकि बच्चों को ऐसी बीमारियों और एलर्जी का सामना करना पड़ रहा है जिनकी पहले कोई कल्पना भी नहीं कर सकता था।

फोटो ऑफ द डे

कांगो में आई बाढ़ के बीच ही पानी से भरी एक सड़क से निकलते हुए लोग। (फोटो-ईएमएस)

राज काज

वक्फ बिल ने बनाया नया इतिहास

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने वक्फ बिल संसद के दोनों सदनों से पास होने के कुछ ही घंटे मे मंजूरी दे दी।लोकसभा में देर रात तक संसद का सत्र चला। लगभग 13 घंटे की लगातार बहस के बाद लोकसभा से वक्फ विल पास हुआ। दूसरे दिन राज्यसभा ने देर रात तक चर्चा के पश्चात इसे पास कर दिया। ताबड़ तोड़ तरीके से वक्फ बिल को राष्ट्रपति की स्वीकृति के लिए भेजा गया। उन्होंने भी तुरंत बिल की स्वीकृति पर हस्ताक्षर कर दिए। इससे समझा जा सकता है,वक्फ बिल सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता थी। इसके मुकाबले अमेरिका का टैरिफ बार, शेयर बाजार की भारी गिरावट,सरकार के लिए बहुत छोटी थी।अब वक्फ कानून नवीन तरीके से बन गया है।वक्फ बोर्ड पर अब हिंदुओं का भी अधिकार होगा।राष्ट्रपति की मंजूरी भी मिल गई है।अब सरकार शेयर मार्केट की गिरावट को रोकने, अमेरिका के टेरिफ वार से मुकाबला करने का समय सरकार को मिलेगा। मोदी सरकार की खासियत है। सरकार जो चाहती है, वह हर हाल में पूरा करती है। लोगों को विश्वास है। शेयर मार्केट में जो घाटा निवेशकों को पिछले कुछ दिनों में हुआ है।वह घाटा अब पूरा हो जाएगा। बैंकों का जमा धन भी अब सुरक्षित हो जायगा। वक्फ बिल से गरीब मुसलमानो का भला होगा। अब हिंदू बेरोजगारों और गरीब हिंदुओं की गरीबी दूर करने पर सरकार ध्यान देगी। ऐसा लोगों को विश्वास है।

चर्च की जमीनों पर हिंदू संगठनों की नजर

वक्फ बिल को पास हुए और राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने के साथ ही संघ की नजर अब चर्च की जमीनों पर है।राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ी मैगजीन ऑर्गेनाइजर मे एक लेख प्रकाशित हुआ था। इस लेख में कैथोलिक चर्च की संपत्ति पर संघ की नजर पड़ गई है। कैथोलिक चर्च बनाम वक्फ बोर्ड को लेकर एक नई बहस शुरू हो गई है। 7 करोड़ हेक्टेयर जमीन कैथोलिक चर्च के ईसाई समुदाय के पास है। संघ के ऑर्गेनाइजर में इसे सबसे बड़ा गैर सरकारी जमीदार बता दिया गया है।वक्फ बोर्ड पर अब सरकार का कानूनन कब्जा हो गया है। अब कैथोलिक चर्च की संपत्ति को सरकार अपने नियंत्रण में लेने की तैयारी करेगी। यह मंशा संघ और उसके अनुवांशिक संगठनों ने लेख लिखकर उजागर कर दी है। इसके बाद हिंदू मंदिरों के पास बहुत संपत्ति है। उनका नंबर भी इसके बाद आना तय है। यह बात राजनीतिक हल्कों में कही जा रही है। बात मुसलमान ईसाई की नहीं है। बात संपत्ति पर सरकार अपना कब्जा करना चाहती है। यही हो रहा है।

व्यंग्य

कवि सम्मेलन का जुनून

-डॉ संध्या जैन श्रुति

करोना काल ने अनेक दुख बढ़ाये सामाजिक, आर्थिक, मानसिक व सार्वजनिक इस छुतही बीमारी ने सारे रिश्ते नाते औपचारिक/अनौपचारिक कार्यक्रमों सब में पलीता लगा दिया। मुझे मार्च 2020 में फागुनी रसरंग कवि सम्मेलन हेतु आमंत्रित किया गया पत्र मिलते ही मैंने बाकायदा प्रचार प्रसार आरंभ कर दिया वरिष्ठ कवियों रचनाकारों को यह पत्र दिखाकर कहती आजकल, जनता परिवर्तन पसंद करती है देखिए, यह पत्र बड़े-बड़े नामवर कवि /कवित्रियों को छोड़कर मुझे आमंत्रित किया है लोग अब पुराने लोगों से ऊब गए हैं, नए चेहरे नई आवाज, नव विचारों को सुनना चाहते हैं ।वरिष्ठ नखरे भी दिखाते हैं और पैसा भी ज्यादा मांगते हैं। पर मुझे इस प्रसिद्ध कवि सम्मेलन में आमंत्रित कर मेरा तो मान बढ़ा दिया।

मेरी साहित्य संघ की बहनों ने मेरा पत्र पढ़कर लौटाते हुए कहा- आजकल हमने छोटी मोटी जगह जाना बंद कर दिया है इतनी छोटी जगह जाकर तो हमारा स्टेटस गिरता है ना श्रुति जी आप जाइए मुबारक हो आपको। फिर दूसरे ही दिन आयोजन समिति के कर्ता-धर्ता का पत्र मिला हमारे कवि सम्मेलन सभा के प्रेसिडेंट का हार्ट फेल हो गया है जिससे यह कार्यक्रम स्थगित किया जा रहा है, अब निकट भविष्य में जब भी कवि सम्मेलन होगा हम आपको खबर करेंगे। मेरी तो चार दिन की छुट्टी व्यर्थ हो गई दो दिन कार्यक्रम की तैयारी में दो दिन प्रचार-प्रसार में, पर *मरता क्या न करता नाम का नशा ही ऐसा होता है। कुछ समय बाद हमारे नगर की एक प्रसिद्ध साहित्यिक संस्था ने एक वृहद कार्यक्रम रखा जो पूरे सप्ताह चलना था अध्यक्ष जी ने मुझसे कहा हम एक कवि सम्मेलन रखना चाहते हैं जिसमें आप की भी सहभागिता होगी ,पहले दिन रखें या अंतिम दिन मुझे लगा लोगों को धीरे-धीरे पता चलेगा तब अंतिम दिन भीड़ ज्यादा होगी कवि/कवित्रियाँ तो श्रोताओं की भीड़ व तालियों के भूखी होती हैं। अंतिम दिवस भीड़ ज्यादा रहेगी तो कह दिया आप तो बाद में रखिएगा ,वे बोले पारिश्रमिक हम वहीं पर कार्यक्रम के बाद देंगे। मैं तो खुश हो गई पतिदेव से बोली चलिए जी नई पिक्चर लगी है पी वी आर में देख आते हैं आज हम बहुत खुश हैं बड़ा कार्यक्रम मिला है रकम भी मोटी मिलेगी, पतिदेव बोले अरे क्या पिक्चर अभी 500 खर्च हो जाएँगे पता नहीं कितना पैसा मिलना है पता चला बहुत कम मिला और हम फालतू खर्च कर अपना बजट बिगाड़ लें। हम पिक्चर नहीं गए पर ऑफिस में सबको कैंटीन में पार्टी देकर अनावश्यक खर्च कर ही दिया हम प्रतिदिन अखबार में इस संस्था के कार्यक्रमों को पढ़ते और उत्साहित होते और आज क्या कार्यक्रम होना है यह ध्यान से देखते, क्योंकि उसमें हमारा कवि सम्मेलन एवं हमारा नाम भी तो छपेगा । पर किस्मत को तो कभी-कभी हमारी खुशी मंजूर नहीं होती , अगले दिन हमने अखबार में पढ़ा कि कोरोना के कुछ केस बढ़ने के कारण कवि सम्मेलन स्थगित किया जा रहा है। संक्रमण न बढे इसलिए समस्त कार्यक्रम रद्द किए जा रहे हैं कहीं पर भी भीड़ एकत्रित ना हो सभी अपने मुख पर मास्क लगाकर रखें यह खबर पढ़कर हमें गहन दुख का सामना करना पड़ा सारे मंसूबों पर पानी जो फिर गया था। कोरोना का प्रभाव कम होने लगा था जहाँ-तहाँ नए -नए कार्यक्रम प्रारंभ हो गए थे शहर की एक प्रतिष्ठित संस्था प्रतिवर्ष अखिल भारतीय कवि सम्मेलन करती है उसे सुनने कई हजारों लोग दूर-दराज से आते हैं। बहुत ही ख्याति लब्ध इस कवि सम्मेलन से आमंत्रण पत्र आया मेरी तो खुशी का ठिकाना ना रहा जिस मंच पर पढ़ने का सपना मैंने बरसों से देखा था।

चिंतन-मनन

सच्चे ज्ञानी की विशेषता

व्यक्ति सत्संगति से तीन वस्तुओं को-शरीर, शरीर का स्वामी या आत्मा तथा आत्मा के मित्र को- एक साथ संयुक्त देखता है, वही सच्चा ज्ञानी है। जब तक आध्यात्मिक विषयों के वास्तविक ज्ञाता को संगति नहीं होती, वे अज्ञानी हैं, वे केवल शरीर को देखते हैं, और जब यह शरीर विनष्ट हो जाता है, तो समझते हैं कि सब कुछ नष्ट हो गया। लेकिन वास्तविकता यह नहीं है। शरीर के विनष्ट होने पर आत्मा तथा परमात्मा का अस्तित्व बना रहता है, और वे अनेक विविध चर तथा अचर रूपों में सदैव जाते रहते हैं। कभी-कभी संस्कृत शब्द परमेर का अनुवाद जीवात्मा के रूप में किया जाता है, क्योंकि आत्मा ही शरीर का स्वामी है और शरीर के विनाश होने पर वह अन्यत्र देहांतरण कर जाता है। इस तरह वह स्वामी है। लेकिन कुछ लोग इस परमेश्वर का अर्थ परमात्मा लेते हैं। प्रत्येक दशा में परमात्मा तथा आत्मा दोनों रह जाते हैं। वे विनष्ट नहीं होते। जो इस प्रकार देख सकता है, वही वास्तव में देख सकता है कि क्या घटित हो रहा है। जीव, अपना भौतिक अस्तित्व स्वीकार करने के कारण अपने आध्यात्मिक अस्तित्व से पृथक स्थित हो गया है। किंतु यदि वह यह समझता है कि परमेश्वर अपने परमात्मा स्वरूप में सर्वत्र स्थित हैं, अर्थात यदि वह भगवान की उपस्थिति प्रत्येक वस्तु में देखता है, तो वह विघटनकारी मानसिकता से अपने आपको नीचे नहीं गिराता, और इसीलिए वह प्रमश-वैकुण्ठ-लोक की ओर बढ़ता जाता है।

रोचक

हृदय में भी मीठे स्वाद के रिसेप्टर मौजूदः अध्ययन

न्यूयॉर्क (ईएमएस)। हमारे हृदय में भी वही मीठे स्वाद के रिसेप्टर मौजूद होते हैं, जो हमारी जीभ पर होते हैं। हाल ही में हुए एक शोध में वैज्ञानिकों ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। अध्ययन में पाया कि जब इन रिसेप्टर्स को मीठे पदार्थों से सक्रिय किया जाता है, तो हृदय की धड़कन पर असर पड़ सकता है।

इस खोज से हृदय के कार्य करने के तरीके को बेहतर समझने और हृदय रोगों के नए इलाज विकसित करने की संभावनाएं खुल सकती हैं। नए अध्ययन में यह पाया गया कि ये रिसेप्टर सिर्फ हृदय की मांसपेशियों में मौजूद ही नहीं होते, बल्कि सक्रिय भी होते हैं। वैज्ञानिकों ने इंसान और चूहे की हृदय कोशिकाओं में कृत्रिम मिठास देने वाले पदार्थ एस्पार्टेम का इस्तेमाल कर इन रिसेप्टर्स को उत्तेजित किया। इससे हृदय की मांसपेशियों के संकुचन की शक्ति बढ़ गई और कैल्शियम को नियंत्रित करने की प्रक्रिया तेज हो गई। ये दोनों ही बातें एक स्वस्थ हृदय के लिए महत्वपूर्ण होती हैं। अब तक स्वाद रिसेप्टर्स को केवल जीभ से जोड़ा जाता था, लेकिन हाल के शोधों में पाया गया है कि ये शरीर के अन्य हिस्सों में भी मौजूद होते हैं और अलग-अलग कार्य करते हैं। यह पहली बार है जब किसी अध्ययन ने हृदय की मांसपेशियों की सतह पर मीठे स्वाद के रिसेप्टर (टीएएस1आर2 और टीएएस 1आर3) की पहचान की है।

शिवराज पुत्र कार्तिकेय और पुत्र वधू का भव्य स्वागत

नसरूल्लागंज-भैरूंदा, ईएमएस। पूर्व मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के सुपुत्र कार्तिकेय चौहान और सौ अमानत बंसल का नगर के कृषक संगोष्ठी भवन में भाजपा मंडल, पदाधिकारियों एवं महिला मंडल के द्वारा भव्य स्वागत किया गया। उल्लेखनीय है कि विवाह के बाद पहली बार कार्तिक सपत्नीक यहां पहुंचे थे उनका नगर भाजपा मंडल, महिला मंडल ने स्वागत किया

दिव्यांग परीक्षण शिविर स्थगित

अशोकनगर, ईएमएस। 9 अप्रैल को आयोजित होने वाले दिव्यांगजन/वरिष्ठजनों हेतु सहायक उपकरण, कृत्रिम अंग वितरण हेतु चिन्हाकंन शिविर का आयोजन अपरिहार्य कारणों से स्थगित किया गया है। आगामी शिविर की सूचना पृथक से जारी की जायेगी।

▶ समय-सीमा एवं विभागीय समन्वय समिति की बैठक संपन्न

सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण कराएं : कलेक्टर

मंडला

समय-सीमा एवं विभागीय समन्वय समिति की बैठक जिला योजना भवन में आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने कहा कि सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण कराएं। सभी विभाग प्रमुख अपने-अपने विभाग की रैंकिंग में सुधार लाएं। इस सप्ताह के अगले 3 दिवस में दैनिक आधार पर अपने लक्ष्य निर्धारित कर फॉलोअप लें।

उन्होंने निर्देशित किया कि जिन विभागों ने पिछले एक सप्ताह में डेली रिपोर्ट अपडेट नहीं की है उन पर जुर्माने की कार्यवाही करें। सभी विभाग प्रमुख यह सुनिश्चित करें कि एट्रीब्यूट में किसी की शिकायतें न जाएं अन्यथा यही शिकायतें समाधान में शिफ्ट हो जाती हैं। उन्होंने कहा कि 50 दिवस एवं 100 दिवस वाली शिकायतों पर विशेष ध्यान दें और संतुष्टिपूर्वक निराकरण सुनिश्चित कराएं। उच्च न्यायालय के अवमानना प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि कटेम्प्ट के प्रत्येक प्रकरण में कम्पलाईंस सुनिश्चित करें। इस कार्य में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। डब्ल्यूपी के प्रकरणों के विषय में कलेक्टर ने निर्देशित किया कि ऐसे प्रकरणों में गंभीरतापूर्वक ध्यान देकर समुचित जवाब न्यायालय में प्रस्तुत करें जिससे संबंधित प्रकरण के कटेम्प्ट से बचा जा सके। रबी उपार्जन की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने निर्देशित किया कि प्रत्येक उपार्जन केन्द्र से प्रतिदिन की खरीदी, परिवहन तथा भुगतान संबंधी रिपोर्ट दैनिक आधार पर जिले में प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें। संबंधी टीमें प्रतिदिन उपार्जन केन्द्रों का भ्रमण करें तथा बुनियादी सुविधाओं का निरीक्षण करें। समस्त अनुविभागीय अधिकारी भी क्षेत्र भ्रमण के दौरान उपार्जन केन्द्रों का निरीक्षण आवश्यक रूप से करें। बैठक में उन्होंने समस्त नगरीय क्षेत्रों के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि गर्मी को देखते हुए सार्वजनिक स्थानों पर प्याऊ लगवाएं। आगामी 16 अप्रैल को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रस्तावित दौरे के विषय में चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि समस्त विभाग पूर्ण हो चुके कार्यों तथा नवीन शिलान्यास के संबंध में जानकारी आज शाम तक जमा कराएं। मुख्यमंत्री कन्यादान योजनांतर्गत जोड़ों के पंजीयन के संबंध में चर्चा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि पंजीयन की गति तेज करें। मंडला शहरी, बम्हनी शहरी, नैनपुर शहरी, नैनपुर ग्रामीण तथा मंडला ग्रामीण के अतिरिक्त भी सीमावर्ती क्षेत्रों से जोड़ों का पंजीयन कराएं। आगजनी की घटनाओं को देखते हुए उन्होंने निर्देशित किया कि सभी नगरीय तथा ग्रामीण क्षेत्र के टेंकरों में पानी भरकर रखें जिससे आपात स्थिति में फायरब्रिगेड को आवश्यक मदद उपलब्ध कराई जा सके। बैठक में धरतीआबा, परिवहन व्यवस्था, जनधन खाते, जाति प्रमाण-पत्र, आयुष्मान, पेयजल, समग्र ई-केवाईसी, ई-ऑफिस, प्रवेश उत्सव, नरवाई, बोरवेल खनन, अंतर्विभागीय बिन्दु आदि विषयों पर विस्तार से समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिये गये। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत श्री श्रेयांश कूमट, अपर कलेक्टर श्री अरविंद सिंह, अपर कलेक्टर श्री जेपी यादव, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती क्षमा सराफ, समस्त एसडीएम तथा जिलाधिकारी उपस्थित रहे।

नई सब्जी मंडी में पार्किंग को लेकर हंगामा, दुकानदारों ने लगाया जाम

अशोकनगर, ईएमएस। शहर के आरोन रोड स्थित नई सब्जी थोक मंडी में सोमवार सुबह पार्किंग विवाद को लेकर हंगामा हुआ। सब्जी विक्रेताओं ने सड़क पर डेढ़ घंटे तक चक्का जाम कर दिया। मंडी में सड़क किनारे वाहन पार्किंग के लिए जगह निर्धारित की गई थी। कुछ दुकानदारों ने इस जगह पर अपनी दुकानें लगा लीं। इससे नाराज होकर दोपहिया वाहनों से सब्जी बेचने आने वाले विक्रेताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। विक्रेताओं का कहना था कि वे अपने दोपहिया वाहनों पर 50-60 किलो सब्जी लाते हैं। पार्किंग स्थल पर दुकानें लग जाने से उन्हें वाहन सड़क किनारे खड़े करने पड़ते हैं। इससे वाहन गिरने और खुद के चोटिल होने का खतरा बना रहता है। नगर पालिका और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पालिका ने एक दिन में व्यवस्था सुधारने का आश्वासन दिया। साथ ही कहा कि जिन दुकानदारों को दुकानें आवंटित की गई हैं, उन्हें वहीं व्यापार करना होगा। इस आश्वासन के बाद प्रदर्शनकारी हट गए। प्रदर्शन के दौरान कुछ विक्रताओं ने सब्जियां सड़क पर फेंक दीं। जाम के कारण कई लोगों को वैकल्पिक मार्ग से निकलना पड़ा।

प्रधानमंत्री के आनन्दपुर आगमन की तैयारियों में जुटा प्रशासन

9 से 11 अप्रैल तक रहेगी विशेष सुरक्षा, आनन्दपुर का 10 कि.मी. क्षेत्र रेड जोन घोषित

अशोकनगर, ईएमएस।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 11 अप्रैल को श्री आनन्दपुर धाम आगमन को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं। कलेक्टर सुभाष कुमार द्विवेदी और पुलिस अधीक्षक विनीत कुमार जैन लगातार क्षेत्र का निरीक्षण कर रहे हैं। आसपास के इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि नियम तोड़ने वालों पर वायुयान अधिनियम 1934 के तहत कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने बताया कि तीन दिनों तक ड्रोन उड़ाने पर पूरी तरह रोक रहेगी। नागर विमानन मंत्रालय ने श्री आनंदपुर धाम ईसागढ़ के 10 किलोमीटर के दायरे को नो फ्लाइंग जोन घोषित कर दिया है। यह प्रतिबंध 9 अप्रैल सुबह 6 बजे से शुरू होगा, जो 11 अप्रैल रात 8 बजे तक जारी रहेगा। प्रशासन ने पीएम के कार्यक्रम का शेड्यूल फिलहाल जारी नहीं किया है।

तैयारियों के लिये समन्वय समिति गठितः

कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट सुभाष कुमार द्विवेदी द्वारा उक्त सम्पूर्ण भ्रमण कार्यक्रम की तैयारी एवं समन्वय हेतु जिला स्तरीय समन्वय समिति का गठन किया गया है। जारी आदेश के तहत उक्त समिति में कलेक्टर, जिला अशोकनगर, पुलिस अधीक्षक, जिला वनमण्डलाधिकारी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत, अपर कलेक्टर, समस्त संयुक्त कलेक्टर/डिप्टी कलेक्टर, अनुविभागीय दण्डाधिकारी, (समस्त) जिला अशोकनगर,कार्यपालन यंत्री लो.नि.वि, कार्यपालन यंत्री, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं सिविल सर्जन जिला अशोकनगर,जिला जनसम्पर्क अधिकारी जिला अशोकनगर, जिला प्रबंधक, ई-गवर्नेंस, जिला सूचना एवं विज्ञान अधिकारी, खाद्य एवं औषधि निरीक्षक, कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, जिला परियोजना अधिकारी शहरी विकास अभिकरण, मुख्य नगरपालिका अधिकारी ईसागढ़, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत ईसागढ़, अधीक्षण यंत्री, मध्य प्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड, कार्यपालन यंत्री विद्युत सुरक्षा, कार्यपालन यंत्री विद्युत, यांत्रिकी ग्वालियर रहेगें।

रेड जोन घोषित

सुरक्षा व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुये श्री आनंदपुर धाम थाना ईसागढ़ जिला अशोकनगर के 10 किलोमीटर रेडियस को सुरक्षा व्यवस्था की दृष्टि से नो फ्लाईंग जोन/रेड जोन घोषित किया गया है, ताकि किसी भी प्रकार के ड्रोन या अन्य किसी फ्लाईंग ओब्जेक्ट से सुरक्षा व्यवस्था को खतरा उत्पन्न न हो पाये।

ग्राम रॉवसर में जल चौपाल का आयोजन

अशोकनगर, ईएमएस। कलेक्टर सुभाष कुमार द्विवेदी के निर्देशन में जल गंगा संवर्धन अभियान का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में मप्र जन अभियान परिषद विकासखंड अशोकनगर के प्रस्फुटन ग्राम रॉवसर में सोमवार को जल चौपाल का आयोजन किया गया। जिसमें विकासखंड समन्वयक मनोज यादव ने ग्रामीणों को जल बचाने एवं जल संचय के उपाय बताए। इसके पश्चात् उपस्थित ग्रामीणों जल की शपथ दिलाई।

फटाफट खबरें

एनसीसी सर्वश्रेष्ठ कैडेट्स पुरस्कार से सम्मानित

नर्मदापुरम, ईएमएस। सर्वोच्च एनसीसी पुरस्कार एक विशेष पदक है। इन पुरस्कारों की घोषणा एनसीसी दिवस पर की जाती है जो हर साल नवंबर के आखिरी रविवार को पड़ता है और ये सम्मान खिताब के रूप में नगद राशि एनसीसी ग्रुप हेडक्वार्टर भोपाल के द्वारा एनसीसी कैडेट्स को उनके अच्छे कार्य के लिए दिए जाते हैं। समेरिटंस सीनियर सेकेंडरी स्कूल सांदीपनि परिसर नर्मदापुरम संस्था प्रार्थना सभा में गुरुवार प्रातः प्रवेश उत्सव के अवसर पर एनसीसी कैडेट सार्जेंट सिद्धि सिंह को प्रथम बेस्ट कैडेट्स एवं कार्पोरल चारू चिचाम को द्वितीय बेस्ट कैडेट्स के खिताब के रूप में नकद राशि 5 एमपी बालिका बटालियन के कमान अधिकारी कर्नल दिनेश कनोजिया द्वारा दी गई।

बाघेश्वरी माता मंदिर में यज्ञ पूर्णाहूति, कन्या पूजन कर किया भंडारा

खरगोन, ईएमएस। ब्राह्मणपुरी स्थित अतिप्राचीन श्री बाघेश्वरी माता मंदिर में चैत्र नवरात्रि के शुभ मुहूर्त में श्री गणेश पूजन, रुद्राभिषेक, विभिन्न अनुष्ठानों एवं सप्तशती पाठ के साथ ही शिव शक्ति हवन की पूर्णाहुति की गई। पूर्णाहुति के बाद सोमवार को कन्या पूजन के साथ भंडारे का आयोजन किया। दोपहर 12 बजे से शुरू हुआ भंडारा शाम तक चलता रहा। भंडारे में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की। मंदिर पुजारी जगदीश ठक्कर ने बताया कि शहर की सुख.समृद्धि, सुख.शांति, जनकल्याण और आपसी प्रेमभाव के लिए चैत्र नवरात्र में विभिन्न अनुष्ठान किए जाते है। 28 वर्षों से शिव शक्ति यज्ञ की पूर्णाहुर्ति के बाद भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। ज्ञात हो कि चैत्र दुर्गोत्सव के तहत ब्राह्मणपुरी स्थित श्री बाघेश्वरी माता मंदिर में नवरात्रि का पर्व बड़ी धुमधाम से मनाया जाता है। यहां गुड़ी पडवा से आरंभ होकर श्री रामनवमी तक विभिन्न अनुष्ठान आयोजित किए जाते है।

जल गंगा संवर्धन अभियान के अर्न्तगत दिवार लेखन करवाया गया

उज्जैन। म.प्र. जन अभियान परिषद द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत कलेक्टर श्री नीरज कुमार सिंह के निर्देशानुसार एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती जयति सिंह के मार्गदर्शन में सोमवार को नवांकुर संस्था व प्रस्फुटन समिति के द्वारा जनपद पंचायत बड़नगर के ग्राम रणवा और हात्याखेड़ी में जल संरक्षण हेतु दीवार लेखन करवाया गया।

सूर्य नारायण का प्रकोप

पारा 40 डिग्री पार बढ़ते तापमान और तेज धूप से लोगों के स्वास्थ्य पर पढ़ रहा विपरीत प्रभाव

बुरहानपुर, ईएमएस।

मौसम में बदलाव और गर्मी का प्रकोप साफ तौर पर महसूस किया जा रहा है। सूर्य नारायण का प्रकोप इतनी तीव्रता से बढ़ गया है कि पारा 40 डिग्री सेल्सियस से भी ऊपर जा चुका है। तेज धूप, उच्च तापमान और उमस से लोग बेहद परेशान हैं।

सड़कों पर सन्नाटा पसरा हुआ है, लोग घरों में कैद हो गए हैं। अधिकांश लोग भीषण गर्मी से बचने के लिए छांव और शीतल पेय की तलाश में हैं बढ़ते तापमान का असर सिर्फ सामान्य जन जीवन पर ही नहीं, बल्कि सार्वजनिक सेवाओं और कारोबारों पर भी पड़ रहा है। बाजारों में सन्नाटा छाया हुआ है । आमजन कड़ी धूप से बचने के लिए बहुत ही कम बाहर निकल रहे हैं। इतनी तीव्र गर्मी से स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ रहा है। गर्मी के कारण लोगों को हीटस्ट्रोक, सिरदर्द, थकान, निर्जलीकरण जैसी समस्याएं हो रही हैं। खासकर बच्चों और बुजुर्गों के लिए यह मौसम और भी ज्यादा खतरनाक सिद्ध हो रहा है।तेज धूप और गर्मी से बचाव के लिए सर ढक कर बाहर निकालने और ज्यादा पानी पीने की सलाह चिकित्सा दे रहे हैं। तेज धूप और बढ़ते तापमान के चलते लोगों में सर दर्द उल्टी दस्त जैसी शिकायतें भी सामने आ रही है इसके चलते जिला अस्पताल में मरीजों की संख्या भी बढ़ गई है!

जिले की अवैध कॉलोनियों की जांच कर कार्रवाई करें : कलेक्टर

सागर, ईएमएस।

कलेक्टर श्री संदीप जी आर ने जिले में नगर निगम सहित सभी नगरीय निकायों एवं सभी तहसीलों में अवैध कॉलोनियों की जांच कर कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है। कलेक्टर श्री संदीप जी आर ने कहा कि नगर निगम आयुक्त, समस्त एसडीएम, तहसीलदार, सीएमओ अपने-अपने क्षेत्र के अवैध कॉलोनियों को सूचीबद्ध कर कड़ी कार्यवाही करें एवं पुलिस एफआईआर दर्ज कराएं।

उन्होंने कहा कि जिले में किसी भी व्यक्ति को भूखंड खरीदते समय ध्यान देना चाहिए कि कॉलोनाइजर द्वारा कॉलोनी के संबंध में सभी जानकारियां कॉलोनी के मुख्य द्वार पर चस्पा कर दी गई हैं या नहीं इसी प्रकार सभी प्रकार की अनुमतियां ली गई हैं या नहीं और कॉलोनी में सभी मूलभूत सुविधाएं निर्मित की गई हैं या नहीं। उन्होंने निर्देशित किया कि कॉलोनाइजर द्वारा टाउन एंड कंट्री प्लानिंग संबंधित नगरीय निकाय सहित अन्य अनुमतियों की जांच की जावे एवं सभी अनुमतियों की छायाप्रति जांच प्रतिवेदन में संलग्न कर प्रस्तुत करें। कलेक्टर श्री संदीप जी आर ने समस्त जिलेवासियों अपील की है कि जिले में भूखंड खरीदते समय वैध-अवैध कॉलोनी की पहचान कर के ही भूखंड क्रय करें। किसी भी अवैध कॉलोनी में भूखंड क्रय न करें। उन्होंने कहा कि भूखंड क्रय करते समय सभी प्रकार की अनुमतियां एवं मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता देखें। कलेक्टर श्री संदीप जी आर ने निर्देश दिए हैं कि 7 दिवस में सभी अवैध कॉलोनी की जांच कर जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करें।

बस ऑपरेटर स्थायी परमिट के लिए कमिश्नर कार्यालय में 17 अप्रैल को दे सकेंगे लिखित में अपनी आपत्ति

नर्मदापुरम, ईएमएस। सभी बस ऑपरेटर स्थायी बस परमिट के लिए 17 अप्रैल 2025 को लिखित में अपनी आपत्ति कमिश्नर कार्यालय नर्मदा पुरम में दे सकेंगे। बस ऑपरेटर स्वयं या अपने प्राधिकार वक्ता जिनके पास प्राधिकार पत्र वकालतनामा है उनके माध्यम से अपने लिखित आपत्ति 17 अप्रैल को दोपहर 2:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक दे सकेंगे।

इसके पश्चात आपत्ति प्रस्तुत करने पर कोई विचार नहीं किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि ओरिजिनल ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी आरटीओ में आयुक्त नर्मदापुरम संभाग को एकल सदस्य प्रादेशिक परिवहन प्राधिकरण में अध्यक्ष एवं क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी को प्राधिकार में सचिव के रूप में नियुक्त किया गया है। इस अथॉरिटी में आवेदनों पर गत 3 अप्रैल एवं 4 अप्रैल तथा 7 अप्रैल को सुनवाई की गई थी लेकिन इन तीन दिनों में बस ऑपरेटर ने जो आपत्ति दर्ज कराई थी उनमें से कई बिना अथॉरिटी के एवं अलिखित में आपत्ति दर्ज कराई गई थी। अब उन सबको पुनः एक अवसर देते हुए 17 अप्रैल 2025 की दोपहर 2:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक का समय नियत किया गया है जहां पर बस ऑपरेटर स्वयं उपस्थित होकर या अपने प्राधिकार वक्ता जिनके पास प्राधिकार पत्र है उनके माध्यम से लिखित में अपनी आपत्ति कमिश्नर कार्यालय में प्रस्तुत कर सकेंगे। शाम 5:00 बजे के बाद आपत्ति आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि बस ऑपरेटरों के ऐसे 165 केस सामने आए थे जिन पर सुनवाई की जानी है। अब रीजनल ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी आरटीओ ने सभी को 17 अप्रैल को लिखित में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया है।

अतिक्रमण दल ने हटाया प्राइवेट बस स्टेंड से अतिक्रमण

नर्मदापुरम, ईएमएस। नगरपालिका द्वारा नगर को व्यवस्थित करने की कार्रवाई प्रतिदिन की जाती है। मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले के निर्देश पर अतिक्रमण दल प्रभारी सुनील राजपूत ने दल बल के साथ आज प्राइवेट बस स्टेंड पर स्थित अतिक्रमण हटाया तथा रखे टपों को जब्त कर नगरपालिका के अधिकारी क्षेत्र में लिया। अतिक्रमण दल प्रभारी सुनील राजपूत ने बताया कि प्राइवेट पर बस स्टेंड पर अतिक्रमण की शिकायत लगातार नागरिकों द्वारा की जा रही थी। आज मुख्य नगरपालिका अधिकारी के निर्देश पर अतिक्रमण हटाया गया है। आगे लगातार कार्रवाई जारी रहेगी। अत- नागरिकों से आग्रह है कि वे अपना अतिक्रमण स्वयं हटा लें अन्यथा नगरपालिका द्वारा सख्ती से अतिक्रमण हटाया जाएगा जिसमें टूट फूट की जिम्मेदारी आप सभी की होगी।

ऊन में गुरु- शिष्य समागम के साथ शुरु हुआ पंच कल्याणक महोत्सव

चर्या शिरोमणि विशुद्ध सागर जी का महाराज एवं आर्यिका माता ने किया पाद प्रक्षालन व चरण वंदना

खरगोन, ईएमएस। स्वर्ण भद्रादि चार महामुनिराजो की निर्वाण स्थली पावागिरी सिद्ध क्षेत्र ऊन में सोमवार सुबह उस वक्त अद्भुत नजारा देखने को मिला, जब चर्या शिरोमणि, पट्टाचार्य आचार्य विशुद्ध सागर जी महाराज ससंघ का मंगल प्रवेश हुआ।

आचार्य श्री की मंगल अगवानी करने के लिए गनाचार्य विराग सागर के मूल संघ के मुनि श्री विवर्धन सागर महाराज एवं आर्यिका विशिष्ट मति माताजी ससंघ पहुंचे। हजारों श्रद्धालुओं की साक्षी में गुरु शिष्य मिलन का अद्भुत दृश्य सभी ने निहारा जबकि आचार्य श्री का पाद प्रक्षालन एवं चरण वंदना सभी महाराज एवं आर्यिका माताजी ने की। क्षेत्र के प्रचार मंत्री आशीष जैन, पारस कासलीवाल भीकनगांव ने बताया कि आचार्य संघ की मंगल आगवानी में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण यादव, भगवानपुरा विधायक केदार डाबर, जिला पंचायत सदस्य रेवाराम पाटीदार आदि सुबह से ही पहुंच गए थे, इन्होंने आचार्य श्री के साथ पद विहार भी किया। मंगल अगवानी के साथ ही घटयात्रा में महिलाएं मंगल कलश सिर पर धारण कर चल रही थीं। बड़वाह के बैंड द्वारा सुमधुर भजन प्रस्तुत किए जा रहे थे। जबकि पंजाब के बैंड द्वारा नृत्य की दी गई शानदार प्रस्तुति को सभी ने सराहा। पांडाल प्रांगण में संपूर्ण संघ के सानिध्य में प्रतिष्ठाचार्य बाल ब्रह्मचारी धर्म चंद्र शास्त्री नई दिल्ली के निर्देशन में ध्वजारोहण हुआ। ध्वजारोहण करने का सौभाग्य भरत रितु जैन जीरभार वाले इंदौर को प्राप्त हुआ जबकि मंडप उदघाटन का सौभाग्य क्षेत्र के अध्यक्ष हेमचंद मीना झंझरी परिवार इंदौर को प्राप्त हुआ।

आज से प्रारंभ होगी गर्भ कल्याणक की क्रिया : भगवान की जिनबिंब प्रतिष्ठा महोत्सव में भगवान के गर्भ, जन्म, दीक्षा, ज्ञान एवं मोक्ष कल्याणक के 5 दिनों तक अलग.अलग क्रियाएं होती है उसी के अंतर्गत मंगलवार को गर्भकल्याणक महोत्सव मनाया जाएगा। इसके अंतर्गत सुबह नित्य अभिषेक के पश्चात योग मंडल विधान होगा पश्चात आचार्य श्री की दिव्य देशना होगी। दोपहर में नवग्रह होम, शांति होम, जल होम के बाद माता की गोद भराई होगी।

▶ परीक्षार्थी को महंगी पड़ी होशियारी : मोबाइल से नकल करते हुए धरा गया, मोबाईल जब्त कर बनाया केस

परीक्षा में प्रतिबंधित सामग्री लाने पर होगी कड़ी कार्यवाई : प्राचार्य डॉ जीएस रोहित

सागर, ईएमएस। शासकीय कला एवं वाणिज्य (अग्रणी) महाविद्यालय में चल रही महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय की स्नातक परीक्षा के दौरान वीक्षकों को चकमा देते हुए मोबाइल लेकर परीक्षा हाल में पहुंचे एक परीक्षार्थी को उसकी होशियारी उस समय महंगी पड़ गई जब हाल में मौजूद वीक्षक की सजगता से उसे मोबाइल से नकल करते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया गया।

शासकीय कला एवं वाणिज्य अग्रणी महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ जीएस रोहित के निर्देशन में इन दिनों महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय की स्नातक परीक्षाएं चल रही है। परीक्षा में नकल एवं अनुचित सामग्री के उपयोग रोकने को लेकर परीक्षार्थियों को जारी निर्देशों तथा परीक्षा भवन में प्रवेश के पहले सख्त जांच एवं परीक्षण के बावजूद कतिपय चालाक किस्म के परीक्षार्थी प्रतिबंधित सामग्री लेकर परीक्षा हाल में पहुंच तो रहे हैं लेकिन वीक्षकों की पैनी नजर से उनका बचना मुश्किल हो रहा है।

ऐसा ही एक वाकया सोमवार को प्रातःकालीन पारी में बीएससी तृतीय वर्ष की परीक्षा के दौरान सामने आया। परीक्षा हाल में भौतिक शास्त्र के परीक्षार्थी द्वारा वीक्षकों की नजर बचाकर मोबाइल से नकल करने की कोशिश की जा रही थी लेकिन हाल में मौजूद वीक्षक की सजकता से वह बच नहीं सका और मोबाइल से नकल करते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया गया।

नकलची परीक्षार्थी को परीक्षा प्रभारी के समक्ष प्रस्तुत किया गया और उसका मोबाइल जप्त करते हुए यूएफएम प्रकरण बनाकर परीक्षार्थी के विरुद्ध परीक्षा अधिनियम के तहत कार्यवाही करने हेतु महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय को भेज दिया गया है। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ जी एस रोहित ने महाविद्यालय में परीक्षा देने के लिए पहुंचने वाले सभी परीक्षार्थियों को निर्देशित किया है कि वह अपने साथ बैग, पर्स, मोबाइल, स्मार्ट वॉच, ब्लूटूथ या किसी प्रकार की इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस, क्लिपबोर्ड, स्टेशनरी बैग, लिखित या छपी सामग्री, पान- गुटका आदि साथ लेकर परीक्षा भवन में प्रवेश नहीं करें अन्यथा की स्थिति में उनके विरुद्ध परीक्षा अधिनियम की कार्यवाही कर परीक्षा से वंचित किया जा सकता है। इसके साथ ही परीक्षार्थियों को स्वयं की फोटो युक्त प्रवेश पत्र व कोई एक परिचय पत्र लाना अनिवार्य है जिसके बिना भी परीक्षा भवन में प्रवेश से वंचित किया जा सकेगा।

जिला पंचायत अध्यक्ष ने किया आगजनी प्रभावित फसलों का निरीक्षण

अशोकनगर, ईएमएस। सोमवार को जिला पंचायत अध्यक्ष अजय यादव प्रशासनिक अमले के साथ मुंगावली विधानसभा क्षेत्र के ग्राम झागर बमुरिया गांव में भ्रमण कर आगजनी से फसल नुकसान का जायजा लिया। उन्होंने किसानों से चर्चा कर फसलों को हुए नुकसान का सर्वे करवाकर 100 प्रतिशत मुआवजा दिलवाने की बात कही। उन्होंने किसानों से कहा कि घबराने की जरूरत नहीं है। किसानों को शासन द्वारा हर संभव मदद दिलाई जाएगी। सर्वे का कार्य पूर्ण होने पर मुआवजा दिलाने के लिए प्रत्येक स्तर पर मदद के लिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि आगजनी से नष्ट हुई फसलों का बीमा दिलाने के लिये हर संभव प्रयास करेंगे। पटवारी, तहसीलदार, कृषि अधिकारी प्रत्येक प्रभावित खेत में जाकर सर्वे करेंगे और 100 प्रतिशत वास्तविक नुकसानी लिखेंगे। फसल नुकसान की रिपोर्ट बनाकर शासन को भेजकर शीघ्र मुआवजा दिलाया जाएगा। किसानों को भरोसा दिलाते हुए कहा कि आगजनी से नष्ट हुई फसल का बीमा दिलाने के लिए पूरी कोशिश करूंगा। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि फसल नुकसानी का शत-प्रतिशत आंकलन किया जाए। जिसमें कोई भी किसान छूटे न और जिस किसान के कागज पूर्ण न हो वह अतिशीर्घ पूर्ण करवाए एवं पात्रता अनुसार किसानों को राशन पर्ची मुहैया करवाई जाए। उल्लेखनीय है कि शनिवार को हुई आगजनी में गेहूं की फसलों में नुकसान बताया जा रहा है। सोमवार को स्वयं जिला पंचायत अध्यक्ष ने खेतों में जाकर नष्ट हुई फसल को देखा एवं पीड़ित किसानों से चर्चा कर ढांढस बंधाया। उन्होंने किसानों से अनुरोध किया कि आज ही अपने बैंकों की पासबुक खाते की किताब आधार कार्ड की छाया प्रति आदि तत्काल पटवारी को जमा करे जिससे अतिशीर्घ राशि खातों में पहुंच सके। भ्रमण के दौरान पूर्व सांसद डॉ केपी यादव, एसडीएम मुंगावली मनीष धनगर, तहसीलदार बहादुरपुर, सीईओ जनपद मुंगावली, थाना प्रभारी बहादुरपुर एवं राजस्व विभाग के आरई व अन्य अधिकारी कर्मचारी साथ उपस्थित रहे।

रोल पूरा फीडर पर कल 11:00 बजे से 1:00 तक विद्युत कटौती रहेगी

सिरोंज। रोल पूरा फीडर पर मंगलवार को रखरखाव कार्य किया जाना है जिस कारण 11 के वी रोल पूरा फीडर की सप्लाई सुबह 11:00 से 1:00 तक बंद रहेगी इस कारण से आरोन रोड ग्रीन सिटी ऑथर्सिडेंसी रोलपुरा चौराहा दुर्गा नगर इत्यादि क्षेत्र की विधुत सप्लाई बंद रहेगी समय अवधि घटाई बढ़ाई जा सकती है

प्रदेश आसपास

गांजा तस्करी के आरोप में 10 वर्ष का कारावास व जुर्माना

देवास। एनसीबी इंदौर ईकाई के अधिकारी को यह जानकारी प्राप्त होने पर की अवैध रूप से गांजे की तस्करी कर, गांजा तस्कर देवास लेकर आने वाले हैं। इस सूचना के आधार पर एनसीबी इंदौर के अधीक्षक द्वारा गठित टीम के द्वारा दिनांक 20 जनवरी 2022 को देवास बस स्टैंड के आरोपी प्रशांत नायक, मदन बेहरा एवं गोविंद चौहान को पकड़ा तथा उनके कब्जे से 20 किलो 556 ग्राम गांजा जो कि उनके पास थैले, बैग, बोरियों में पैकेट के रूप में मौजूद था।

फटाफट खबरें

सपा आज करेगी महंगाई का पुतला दहन

देवास। समाजवादी पार्टी द्वारा आज मंगलवार को महंगाई का पूतला दहन किया जाएगा। जिलाध्यक्ष लीलाधर चौधरी एवं मुलायम ब्रिग्रेड अध्यक्ष इंद्रसेनराव निमोणकर ने बताया कि मप्र में लगातार बढती महंगाई, बिजली के बढते बिल, पेयजल समस्या, बेरोजगारी, गदंगी आदि अन्य समस्याओं को लेकर समाजवादी पार्टी 8 अप्रैल को प्रात: 11.30 बजे सयाजीद्वार पर महंगाई के पूतला का दहन करेगी। श्री चौधरी एवं श्री निमोणकर ने समस्त पार्टी कार्यकर्ताओं एवं आमजनों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर जनहित के इस प्रदर्शन में भाग लेने की अपील की है।

भजन संध्या में मंत्रमुग्ध हुए भक्त

देवास। नवरात्रि एवं रामनवमी के पावन पर्व पर मक्सी रोड स्थित चामुंडा पैलेस देवास में विशाल भजन संध्या एवं भंडारा प्रसादी का आयोजन किया गया। आयोजक बंटी मंगरोलिया ने बताया कि कार्यक्रम में मालवा के यूट्यूब फेम राजू सेठ और गोपाल दा के साथ मुख्य अतिथि के रूप में देवास-शाजापुर के लोकप्रिय सांसद महेंद्र सिंह सोलंकी, भारतीय जनता पार्टी जिलाध्यक्ष रायसिंह सेंधव, देवास विकास प्राधिकरण के पूर्व अध्यक्ष राजेश यादव उपस्थित थे। कार्यक्रम की विधिवत शुरूआत मातारानी के चित्र की पूजा-अर्चना, दीप प्रज्जवलन एवं माल्यार्पण के साथ की गई। सुप्रसिद्ध भजन गायक आकाश अग्रवाल एवं अन्य कलाकारों ने एक से बढकर एक भजनों की सुमधुर प्रस्तुतियां दी। इस दौरान बडी संख्या में भक्तजनों ने भजनों का आनंद लेते हुए प्रसादी ग्रहण की। देर रात्रि तक चली भजन संध्या में बडी संख्या में अंत तक भक्तजन डटे रहे और मंत्रमुग्ध होकर भजनों का आनंद किया। अंत में आभार श्री हरि म्यूजिकल ग्रुप की डायरेक्टर मुस्कान राठौर ने माना।

मप्र सेवानिवृत्त पंचायत सचिव संघ की जिला बैठक सम्पन्न

देवास। मप्र सेवानिवृत्त पंचायत सचिव संघ द्वारा जिला बैठक सोमवार को प्रदेशाध्यक्ष सदाशिव शर्मा के नेतृत्व में मल्हार स्मृति उद्यान में सम्पन्न हुई। बैठक में जनपद पंचायत सोनकच्छ, देवास, बागली, कन्नौद, खातेगांव, टोंकखुर्द आदि जगहों से सेवानिवृत्त पंचायत सचिवों ने हिस्सा लिया। बैठक में सेवानिवृत्त हुए सभी पंचायत सचिवों को एक मुस्त राशि 3 लाख रुपए दिए जानें। सेवाकाल की गणना नियुक्ति दिनांक से मानी जाए तथा छठे वेतन का लाभ दिए जाने। सेवानिवृत्ति पश्चात् 240 दिवस के अर्जित अवकाश के नगदीकरण की राशि दी जाने। सचिवों की सेवा नियुक्ति दिनांक से मानते हुए पुरानी पेंशन ओपीएस/न्यु पेंशन यूपीएस पेंशन का लाभ दिया जाने। पंचायत सचिव/रोजगार सहायक (सहायक सचिव) की भर्ती में सेवानिवृत पंचायत सचिवों के पुत्र/पुत्रियों को 20 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने। आयुष्यमान कार्ड बनाए जाएं सहित अन्य विषयों पर चर्चा की गई। सभी ने उपरोक्त विषय पर अपनी-अपनी बात रखी।

बुनियादी सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए सुझाव दें अधिकारी: सदस्य एसएन मिश्रा

जन आकांक्षाओं के अनुरूप सुलभ प्रशासन उपलब्ध कराने प्रशासनिक प्रस्ताव बनाएं

सीहोर, ईएमएस।

मध्यप्रदेश प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग के सदस्य पूर्व आईएएस एसएन मिश्रा मुकेश शुक्ला और अक्षय सिंह ने शुक्रवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित बैठक में आयोग द्वारा प्रदेश की भौगोलिक परिस्थितियों एवं जन अपेक्षाओं के आधार पर और अधिक जनोन्मुखी एवं सुलभ प्रशासन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से तहसील, उपखंड प्रशासनिक इकाइयों के पुनर्गठन संबंधी मार्गदर्शी सिद्धांतों से अवगत कराया। साथ ही आयोग के उद्देश्य एवं कार्यप्रणाली से संबंधित जानकारी पीपीटी के माध्यम से दी। बैठक में कलेक्टर बालागुरू के. तथा जिला पंचायत सीईओ डॉ नेहा जैन सहित अनेक अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में आयोग के सदस्य एसएन मिश्रा ने निर्देश दिए कि प्रशासन जनता की सेवा के लिए जन आकांक्षाओं के अनुरूप हो। इसके लिए नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण और कम से कम समय में अधिकतम सेवाएं उपलब्ध कराने तथा नागरिकों की प्रशासन तक पहुंच को सहज, सरल बनाने के लिए प्रशासनिक इकाई के पुनर्गठन की आवश्यकता है। सदस्य मिश्रा ने बताया कि जनसामान्य की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए जिला, तहसील एवं विकासखंड की सीमाओं में परिवर्तन का खांका तैयार किया जायेगा। भौगोलिक स्थिति, प्रशासनिक सुविधा, बुनियादी सुविधाएं, आर्थिक कारक, जनसांख्यिकी कारक, सुरक्षा एवं सांस्कृतिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए जनता को आसानी से प्रशासनिक सेवाएं देने के लिए वर्तमान जिला, तहसील और जनपद, विकासखंडों पर सुझाव लिए जाएंगे। सुझावों में कोर्ट ऑफ लॉ का ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि पुनर्गठन की प्रक्रिया में नागरिकों की सहुलियत और सुविधाओं का विशेष ध्यान रख कर जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों से फीडबैक लेकर आपस में समन्वय स्थापित कर प्रस्ताव तैयार किए जाये। बैठक में सचिव सिंह ने निर्देश दिये कि प्रश्नावली तैयार करने में विशेष सतर्कता बरती जाए। ग्राम स्तर, पंचायत स्तर, राजस्व निरीक्षक मंडल स्तर, तहसील स्तर पर अनुविभागीय अधिकारी सुझाव लेकर कलेक्टर को भेजें। इसमें किसी भी प्रशासनिक इकाई का कोई युक्तियुक्तकरण, विलोपन, नवीन सृजन किया जाना है, तो उसका उचित प्रस्ताव तैयार कर प्रश्नावली को अद्यतन कर पृथक से शामिल कर जिला कलेक्टर को भिजवायें। जिले की समस्त तहसीलों एवं अनुविभागों की बैठक के उपरांत कलेक्टर अपने स्तर पर अधीनस्थों से प्राप्त प्रस्ताव पर युक्तियुक्तकरण पर वृहद चर्चा कर उस प्रस्ताव को अंतिम रूप से तैयार कर एवं प्रश्नावली को अद्यतन कर आयोग को भेजेंगे। जिला स्तर पर सभी विभागों के जिलाधिकारी से भी चर्चा की जाए ताकि उनके विभागों की कार्य प्रणाली का भी मत आ सके। कलेक्टर समीक्षा उपरांत जिले का एक अंतिम प्रस्ताव बनाकर प्रश्नावली को अद्यतन करेंगे।

आयोग के सदस्य मुकेश शुक्ला तथा अक्षय सिंह ने कहा कि शासन की मंशा है कि जनोन्मुखी प्रशासन हो, सुलभ हो, शासन द्वारा जिलों में क्रियान्वित योजनाओं का लाभ आम नागरिकों तक सुगमता से पहुंचे। नागरिकों को समय पर सुविधाओं व योजनाओं का लाभ मिले यह हम सबका नैतिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि तहसील या उपखण्ड बनाने से पहले उनकी भौगोलिक स्थिति, जनसंख्या घनत्व, बुनियादी सुविधाएं और प्रशासनिक जरूरत इत्यादि प्रश्नावली में उल्लेखीय बिंदुओं को प्राथमिकता दी जाए। इस कार्य में समन्वय लिए जिला स्तर पर एक नोडल अधिकारी भी नियुक्त किया जाये। उन्होंने कहा कि पुनर्गठन प्रक्रिया में जो भी प्रस्ताव भेजे जाएं वह आम नागरिकों की आकांक्षाओं, आवश्यकता के अनुरूप ही तैयार हों। कलेक्टर बालागुरू के. ने आश्वस्त किया कि सभी से सुझाव लेकर आवश्यक प्रस्ताव तैयार कर आयोग को प्रेषित किये जायेंगे। उन्होंने कहा कि जिले के नागरिकों की सुविधा सहित आयोग के निर्देशों को ध्यान रखते हुए प्रस्ताव तैयार कर भेजा जाएगा। बैठक में अपर कलेक्टर वृंदावन सिंह, एएसपी मती सुनीता रावत, संयुक्त कलेक्टर सु वंदना राजपूत, आनंद सिंह राजावत, एसडीएम तन्मय वर्मा, डिप्टी कलेक्टर सुधीर कुशवाह सहित अनेक विभागों के जिलाधिकारी उपस्थित थे तथा सभी अनुभागों-तहसीलों से एसडीएम, तहसीलदार, जनपद सीईओ सहित अनेक अधिकारी वीसी के माध्यम से शामिल हुए।

जल गंगा संवर्धन अभियान: जल स्रोतों पर की सफाई एवं पूजा

सिरोंज, ईएमएस।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत सोमवार को क्षेत्र के आदर्श ग्राम बरेज में जन अभियान परिषद द्वारा चयनित नवांकुर संस्था सर्वधर्म जनकल्याण सेवा समिति एवं जन जागरण ग्राम विकास समिति थनरपुर के तत्वाधान में स्कूली विद्यार्थियों के साथ गांव में कलश यात्रा निकाली गई, जहां पर जल संरक्षण के नारे लगाए गए, इसके अलावा गांव के प्राचीन कुआ, बावड़ी आदि जल स्रोतों पर सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया साथ ही पूजा अर्चना कर ग्रामीणों को जागरुक कर ग्राम चौपाल लगाई गई। क्योंकि शासन ने 30 मार्च से 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान प्रारंभ किया है। जिसका उद्देश्य है जल संरक्षण पर काम हो सके और लोगों को जल के प्रति जागरूक किया जा सके। इस अवसर पर ग्राम चौपाल के दौरान संस्था प्रमुख प्रमोद रघुवंशी ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि क्षेत्र में भूमिगत जलस्तर बढ़ाने हेतु तालाब निर्माण के साथ ही तालाबों और कुओं के गहरीकरण के कार्य किए जाना चाहिए। जिससे वर्षा के दौरान जल संग्रहण हो सकेगा एवं भूमिगत जल स्तर में भी वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि एक समय था जब थोड़ी सी खुदाई पर जमीन से पानी निकल आता था आज सैकड़ो फीट नीचे तक खुदाई के बाद भी पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा है। क्योंकि हम बारिश का जल संरक्षित नहीं कर रहे हैं। बरसात के पानी का संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है यह भू-जल स्तर वृद्धि में सहायक सिद्ध होगा। शासन के निर्देशानुसार जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं पुनर्जीवन हेतु जल गंगा संवर्धन अभियान आज से चलाया जा रहा है जो 30 जून तक चलाया जाएगा। इस अवसर पर पीएम विद्यालय के प्राचार्य संतोष जैन, उपाध्याय देवी सिंह रघुवंशी, प्रस्फुटन समिति के अध्यक्ष नवल सिंह राजपूत सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

चंद्र प्रभु मंदिर में चौबीसी मांगलिक: महिलाओं ने किए भजन

सीहोर, ईएमएस।

जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ जी के जन्म कल्याणक महोत्सव से लेकर चौबीसवें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी के जन्म कल्याणक महोत्सव तक दिगंबर जैन समाज के मंदिरों में समाज के महिला मंडलों एवं श्राविकाओं द्वारा चौबीसी मांगलिक बुलावा कराया जा रहा हैं। रविवार की शाम को श्री चंद्र प्रभु मंदिर गंज में वरिष्ठ श्रीमती पदमा, खुशी एवं मंदा कासलीवाल द्वारा चौबीसी का मांगलिक बुलावा कराया गया। जिसमें समाज की काफी संख्या में महिलाओं ने उपस्थित होकर एक से बढ़कर एक भजन ढोलक की थाप पर गाएं।

इन दिनों दिगंबर जैन मंदिरों में भगवान महावीर स्वामी के जन्म कल्याणक महोत्सव के पूर्व धर्म आराधना भक्तिभाव से की जा रही है। श्री नेमिनाथ जिन मंदिर नेमि नगर में जिनवाणी महिला मंडल एवं नेमि जिन बहू मंडल ने मांगलिक भजन बुलावा का आयोजन किया। वहीं श्री चंद्र प्रभु मंदिर गंज में दिवंगत वाणी भूषण समाजसेवी फूलचंद जी कासलीवाल की पुत्र वधू श्रीमती पदमा अशोक कासलीवाल, श्रीमती खुशी मोहित कासलीवाल तथा श्रीमती मंदाकिनी सुमित कासलीवाल ने चौबीसी मांगलिक बुलावा कराया। उसके पूर्व भगवान की भक्ति भाव से आरती की गई। सभी को श्रीमती कासलीवाल ने प्रभावना वितरित की।

नवरात्रि में ब्राह्मण समाज ने किया प्रसाद का वितरण

मैहर। भारतीय ब्राह्मण कल्याण महासंघ द्वारा शारदेय नवरात्रि के पर्व पर कन्हवारा मोड़ कटनी रोड पर श्रद्धालुभक्तों की सेवा के लिए निःशुल्क प्याऊ संचालित किया गया। साथ ही दैनिक रूप से स्वल्पाहार की व्यवस्थामें एक क्विंटल हलुआ प्रसाद का वितरण किया गया। इस कार्य की श्रद्धालुओं तथा ग्रामीणजनों द्वारा खूब सराहना की गई। इस अवसर पर ब्राह्मण कल्याण महासंघ के जिला अध्यक्ष देवेन्द्र पाण्डेय, तहसील अध्यक्ष मनोज तिवारी, श्याम बाजपेई, पीएल द्विवेदी, रज्जन शुक्ला, विनय त्रिपाठी एवं ओंकार तिवारी की उपस्थिति रही।

मुनिश्री संस्कार सागर जी महाराज ससंघ के मंगल प्रवेश पर भक्ति भाव से श्रधदालु ने कि अगवानी

शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गो निकाली

सीहोर, ईएमएस।

दिगंबर जैन संत समाधिस्थ आचार्य श्री विराग सागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य आचार्य श्री विनिश्चय सागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य श्रमण मुनिश्री संस्कार जी का मंगल प्रवेश हाउसिंग बोर्ड कालोनी से हुआ जहां श्रद्धालुओं ने भव्य विशाल भक्ति भाव से ओतप्रोत हो बैंड बाजो के साथ अगवानी पद प्रक्षालन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। मुनिश्री संस्कार सागर जी महाराज ससंघ के साथ श्रधदालुओ ने शोभायात्रा में बैंड बाजो के साथ संगीत मय कीर्तन शोभा यात्रा के रुप में नगर के प्रमुख मार्गो से होकर श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर स्थित छावनी पहुंचे जहां मुनि श्री ने भगवान के दर्शन कर संत भवन पहुंचे जहां धर्म सभा में श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए आशीष वचन दिए । संध्या को गुरु भक्ति संगीत मय भजन कीर्तन के साथ गुरु भक्ति कर आशीर्वाद प्राप्त किया। मंगलवार को प्रातः से नवीन संतभवन में तीन दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान का शुभारंभ होगा।

भाजपा संगठन ने शोभायात्रा का किया स्वागत

सिरोंज, ईएमएस।

भगवान श्री राम के प्राकट्य दिवस रामनवमी के अवसर पर नगर शोभायात्रा का आयोजन किया गया। धूमधाम के साथ नगर के मुख्य मार्गो से होकर निकली शोभायात्रा में रघुवंशी समाज के साथ सामाजिक संगठनों के लोग शामिल रहे। इस अवसर पर भाजपा नगर मंडल द्वारा शोभायात्रा का स्वागत किया गया। स्थानीय विधायक उमाकांत शर्मा ने भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ शोभायात्रा में चल रहे नागरिकों पर पुष्पवर्षा कर शुभकामनाएं प्रेषित की। शोभायात्रा में शामिल भगवान श्रीराम की झांकी में श्रीराम के स्वरूप की पूजा अर्चना कर आरती उतारी। विधायक शर्मा ने शोभायात्रा में शामिल समाज के नागरिको को केसरिया पटका पहनाकर स्वागत किया। उन्होंने सकल सनातन हिन्दू समाज को संगठित बनाने का आवाह्न करते हुए भगवान राम के बताए जीवन मूल्यों के आदर्श उदाहरणों को प्रतीक मानव जीवन में आत्मसात करने की बात कही। इस अवसर पर प्रमुख रूप से हरीबाबू भार्गव,रमेश यादव सीताराम कुशवाह,जयनारायण सेन,रघुवीर सिंह रघुवंशी तथा संतोष रघुवंशी प्रमुख रूप से शामिल रहे।

ईमान के रास्ते पर चलने वाला ही कामयाब होता है - कुरैशी

सिरोंज, ईएमएस। जिला वक्फ़ कमेटी के अध्यक्ष अय्यूब कुरैशी ने शमशाबाद का आधिकारिक दौरा करते हुए वक्फ़ संपत्तियों का निरीक्षण किया। इसी दौरान जामा मस्जिद में मुस्लिम समाज के गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में वक्फ़ कमेटी 448 एवं 461 के विवाद को आपसी सहमति से सुलझाते हुए जिला अध्यक्ष अय्यूब कुरैशी ने कहा कि ईमान और सच्चाई के रास्ते पर चलने वाला ही कामयाब होता है। सभी लोगों को अल्लाह की रजा और कौम की खिदमत की नियत से काम करना चाहिए। वक्फ़ की जो संपत्तियां होती हैं वह किसी एक इंसान की ना होकर पूरी कौम की होती हैं। भाजपा अल्प संख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष समीर किरमानी ने मुस्लिम समाज में फैली आपसी बुराइयों की दूर कर कौम के हक में कार्य करने की नसीहत दी। ऑल इंडिया मुस्लिम त्यौहार कमेटी के अध्यक्ष अल्ताफ खान ने भी कौम की एकजुटता और मिलजुल कर रहने की बात कही। बैठक को हाफिज श्मस कमर, सादिक कुरैशी, इरफान खान ने भी संबोधित किया।

सूर्य नारायण का प्रकोप पारा 40 डिग्री पार

बुरहानपुर, ईएमएस।

मौसम में बदलाव और गर्मी का प्रकोप साफ तौर पर महसूस किया जा रहा है। सूर्य नारायण का प्रकोप इतनी तीव्रता से बढ़ गया है कि पारा 40 डिग्री सेल्सियस से भी ऊपर जा चुका है। तेज धूप, उच्च तापमान और उमस से लोग बेहद परेशान हैं। सड़कों पर सन्नाटा पसरा हुआ है, लोग घरों में कैद हो गए हैं। अधिकांश लोग भीषण गर्मी से बचने के लिए छांव और शीतल पेय की तलाश में हैं बढ़ते तापमान का असर सिर्फ सामान्य जन जीवन पर ही नहीं, बल्कि सार्वजनिक सेवाओं और कारोबारों पर भी पड़ रहा है। बाजारों में सन्नाटा छाया हुआ है आमजन कड़ी धूप से बचने के लिए बहुत ही कम बाहर निकल रहे हैं। इतनी तीव्र गर्मी से स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ रहा है। गर्मी के कारण लोगों को हीटस्ट्रोक, सिरदर्द, थकान, निर्जलीकरण जैसी समस्याएं हो रही हैं। खासकर बच्चों और बुजुर्गों के लिए यह मौसम और भी ज्यादा खतरनाक सिद्ध हो रहा है।तेज धूप और गर्मी से बचाव के लिए सर ढक कर बाहर निकालने और ज्यादा पानी पीने की सलाह चिकित्सा दे रहे हैं। तेज धूप और बढ़ते तापमान के चलते लोगों में सर दर्द उल्टी दस्त जैसी शिकायतें भी सामने आ रही है इसके चलते जिला अस्पताल में मरीजों की संख्या भी बढ़ गई है।

स्वस्थ्य शुरूआत, आशावादी भविष्य थीम पर हुआ आयोजन

स्वास्थ्य केंद्रों में मनाया विश्व स्वास्थ्य दिवस

शिवपुरी, ईएमएस।

शिवपुरी जिले मे विश्व स्वास्थ्य दिवस 07 अप्रेल 2025 का आयोजन स्वस्थ्य शुरूआत, आशावादी भविष्य थीम पर जिला अस्पताल सहित हैल्थ एंड वेलनेस सेन्टर, समस्त सामुदयिक स्वास्थ्य केन्द्रो एव मोबाइल हैल्थ टीम , प्रधानमंत्री जनमन मोबाइल मेडीकल यूनिट, एस.एन.सी.यू. ,पी.आई.सी.,एन.आर.सी. उमंग हैल्थ क्लीनिक पर आयोजित किया गया । मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकरी डॉ. संजय ऋषीश्वर ने प्रेस नोट के माध्यम से जानकारी देते हुये बताया कि 07 अप्रेल को प्रतिवर्ष विश्व स्वास्थ्य दिवस के रूप मे मनाया जाता है। इस वर्ष की थीम हेल्दी विगिनिंग्स होपफुल फयूचर्स थीम पर आयोजित किया गया । इस वर्ष की थीम को सरल भाषा में समझें स्वास्थ्य शुरूवात, आशावादी भविष्य की है। यह वर्ष गर्भवती महिलाओ, नवजात शिशुओ की सेहत पर ध्यान आर्कषित करने के लिये रखा गया है। दरसल इस थीम का मतलब है कि माताओ एवं नवजात शिशुओ की मृत्यु को रोका जा सके , 07 अप्रेल से इस मुहिम की शुरूआत की जा रही है, जो पूरी साल जारी रहेगी। साथ ही सरकार द्वारा भी इस कार्य को पूर्ण किये जाने के लिये प्रोत्साहन दिया जावेगा। क्योंकि प्रतिवर्ष तीन लाख महिला गर्भावस्था अथवा प्रसव के दौरान अपनी जान गवां देती है जबकि 20 लाख से अधिक बच्चे जन्म से पूर्व ही मर जाते है। जिले में विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य संस्थाओ में विभिन्न कार्यक्रमां का आयोजन किया गया। जिसमें जनजागरूकता हेतु मोबाईल हैल्थ टीम आर.बी.एस.के द्वारा 10 से 18 वर्ष के बच्चो के बालसभा एवं स्वास्थ्य परीक्षण , उमंग हैल्थ क्लीनिक पर परामर्शी सत्र, हैल्थ एवं वेलनेस सेन्टर पर पोषण एंव स्वास्थ्य संबधी पारंपरिक कुप्रथाओ की रोकथाम पर जागरूकता एवं समझ विकसित करने के प्रयास किये गए तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रो पर स्वास्थ्य जीवन हेतु शपथ ग्रहण का आयोजन किया गया।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय ऋषीश्वर द्वारा विश्व स्वास्थ्य के अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के विकासखंड के अधिकारी एवं कर्मचारी की विडियो कॉनफ्रेन्स आयोजित की जाकर उन्हें मातृ मृत्यु एवं शिशु मृत्युदर कम करने हेतु आवश्यक स्वास्थ्य सेवाये प्रदाय करने हेतु प्रोत्साहित किया गया तथा आमजन में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता लाने हेतु निर्देशित किया गया ।

विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमो का संचालन समस्त स्वास्थ्य संस्थाओ पर पूरे वर्ष संचालित किये जायेगा। जिसमें मातृ स्वास्थ्य , शिशु स्वास्थ्य , मानसिक स्वास्थ्य , किशोरो की स्वास्थ्य संबधी समस्या , एनीमिया का परीक्षण , पोषण आहार एवं स्वच्छता संबधी जनजागरूकता प्रमुख रहेंगे।

कांग्रेस ने मुख्यमंत्री यादव का किया पुतला दहन

सिरोंज, ईएमएस।

हाफिज याकूब बस स्टैंड पर ब्लाक कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में मुख्यमंत्री का पुतला फूका स्थानीय बस स्टैंड पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सुरेश यादव के नेतृत्व में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी जी के आव्हान पर पुतला दहन किया इस अवसर पर कांग्रेस कार्यकर्ता सौरभ शर्मा की जमानत वापस लो भ्रष्टाचार बंद करो मोहन तेरी तानाशाही नहीं चलेगी नहीं चलेगी आदि नारे लगाते हुए मुख्यमंत्री का पुतला फूका इस अवसर पर स्थानीय पुलिस और कांग्रेस कार्यकर्ताओं की पुतले को लेकर झूमा झटकी भी हुई लेकिन कांग्रेस कार्यकर्ता पुतला दहन करने में सफल रहे इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सुरेश यादव ने कहा भाजपा सरकार तानाशाही कर रही है और प्रदेश में भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे रही है हैरत की बात है करोड़ों रुपए का सोना पाया गया और एसटीएफ चार्ज शीट प्रस्तुत नहीं कर पाई इससे स्पष्ट होता है सरकार और अपराधियों की मिली भगत है मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी कै प्रदेश सचिव विनोद सेन ने कहा आज हमने प्रदेश के मुखिया का पुतला दान किया है आज के दिन रावण दहन भी किया जाता है प्रदेश में भ्रष्टाचार का बोल बाला है अपराधी खुलेआम घूम रहे हैं आने वाले समय में इस भ्रष्ट रूपी सरकार को जनता जरूर सबक सिखाएगी।

बीसीसीआई ने ईशांत पर जुर्माना लगाया

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने गुजरात टाइटंस के अनुभवी तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा पर जुर्माना लगाया है। ईशांत पर ये जुर्माना इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले में आचारसंहिता उल्लंघन के लिए लगाया गया है। ईशांत पर मैच फीस का 25 फीसदी जुर्माना लगाया गया है और उनके अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक नकारात्मक अंक भी जोड़ा गया है। इस मामले में ईशांत शर्मा ने आर्टिकल 2.2 के तहत अपना अपराध स्वीकार किया है।

अभिषेक का खराब शॉट देकर भड़की काव्या

हैदराबाद (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सनराइजर्स हैदराबाद की टीम को लगातार हार का सामना करना पड़ रहा है जिससे टीम अंक तालिका में सबसे नीचे दसवें स्थान पर खिसक गयी है। इसी कारण गुजरात टाइटंस के खिलाफ मुकाबले में मिली हार से सनराइजर्स की मालिक काव्या मारन बेहद नाराज नजर आयीं। कव्या का गुस्सा इसलिए भी बढ़ गया क्योंकि इस बार नीलामी में 14 करोड़ रुपये में रिटेन किये गये बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने एक खराब शॉट लगाकर अपना विकेट गंवा दिया।

गुजरात की टीम अंकतालिका में दूसरे नंबर पर पहुंची, सनराइजर्स अंतिम स्थान पर खिसकी

■ नई दिल्ली (ईएमएस)।

शुभमन गिल की कप्तानी वाली गुजराज टाइटंस की टीम ने सनराइजर्स हैदराबाद को सात विकेट से हराकर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) अंक तालिका में लंबी छलांग लगायी है। वहीं सनराइजर्स की टीम लगातार चौथी हार के साथ ही अंकतालिका में सबसे नीचे दसवें पायदान पर खिसक गयी है। गुजरात का प्रदर्शन अब तक अच्छा रहा है और उसे 4 में से 3 मैचों में जीत मिली है। इससे 6 अंकों के साथ गुजरात अंक तालिका में दूसरे नंबर पर पहुंच गयी है। वहीं पहले नंबर पर अक्षर पटेल की कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स की टीम है। कैपिटल्स ने अपने सभी तीन मैच जीते और उसके 6 अंक हैं पर वह रन रेट में गुजरात से आगे है। वहीं सनराइजर्स ने इस सत्र की शुरुआतजीत के साथ की थी पर इसके बाद उसे लगातार हार का सामना करना पड़ा है। उसके केवल 2 अंक हैं। सनराइजर्स के खिलाफ मुकाबले में सिराज ने गुजरात की जीत में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने 4 ओवर में केवल 17 रन देकर 4 विकेट लिए। गुजरात के खिलाफ मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करने उतरी हैदराबाद की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने पहले ही ओवर में ट्रेविस हेड केवल 8 रन बनाकर सिराज का शिकार बने। . इसके बाद 5वें ही ओवर में अभिषेक शर्मा भी 18 रन बनाकर पेवेलियन लौट गये। बल्लेबाज ईशान किशन से आज बड़ी पारी की उम्मीद थी पर वो भी केवल 17 रन बनाकर ही आउट हो गये। हेनरिक क्लासेन और नीतीश रेड्डी भी रन बनाने में विफल रहे। कप्तान पैट कमिंस ने कुछ अच्छे शॉट खेलकर टीम को 8 विकेट पर 152 रनों तक पहुंचाया। इसके बाद जीत के लिए मिले 153 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए गुजरात की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसके शुरुआती बल्लेबाज भी असफल् रहे लेकिन वॉशिंगटन सुंदर और शुभमन के बीच हुई साझेदारी से टीम ने मैच अपने नाम कर लिया।

चैंपियंस ट्रॉफी खेलने का अवसर नहीं मिलने से अब भी दुखी हैं सिराज

अहमदाबाद (ईएमएस)। आईपीएल में गुजरात टाइटन्स की ओर से शानदार प्रदर्शन कर तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में शामिल नहीं किये जाने से अब भी दुखी हैं। तब ये कहकर सिराज को शामिल नहीं किया गया था कि वह नई गेंद से प्रभावी गेंदबाजी नहीं कर पाते हैं। वहीं आईपीएल में सिराज ने अपने प्रदर्शन से इसे गलत साबित कर दिया है। सिराज को अब तक दो मैचों में प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड भी मिला है। अवार्ड समारोह में सिराज अपनी भावनाओं पर काबू नहीं कर पाये और उन्होंने कहा, जब आप अपने घरेलू मैदान पर आते हैं, तो यह एक अलग ही बात होती है। परिवार भी देख रहा होता है और इससे आपको आत्मविश्वास भी मिलता है। वहीं पिछले सात सत्र में आरसीसी की ओर से खेलने के दौरान ये बात नहीं थीं। टीम बदलने के बाद मैंने अपनी गेंदबाजी, क्षेत्ररक्षण और मानसिकता में जो काम किया है, उससे मुझे सहायता मिल रही है। इसके बाद सिराज ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए चयन नहीं होने को लेकर कहा, शुरुआत में मुझे बेहद निराशा हुई पर इसके बाद मैंने अपने को समझाया और अपनी मानसिकता, अपनी फिटनेस बेहतर करने पर ध्यान दिया। अब मैं अपनी गेंदबाजी का आनंद ले रहा हूं। सिराज ने साथ ही कहा, जब आपका चयन राष्ट्रीय टीम के लिए) नहीं होता है, तो दुख तो होता ही है पर इसके बाद मैंने आईपीएल पर ध्यान दिया और अब इसका लाभ मुझे मिल रहा है।

शुभमन ऑरेंज कैप की दौड़ में शीर्ष दस में पहुंचे

मुम्बई (ईएमएस)। गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच के बाद सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप की दौड़ में शीर्ष दस में पहुंच गये हैं। शुभमन ने हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले में 61 रन बनाये थे। उनके अब चार मैचों में 146 रन हो गए हैं और वह 9वें स्थान पर हैं। वहीं गेंदबाजी की बात करें तो मोहम्मद सिराज भी हैदराबाद के खिलाफ 4 विकेट लेकर पर्पल कैप के दावेदार बन गये हैं। वहीं इस मैच में गुजरात टाइटंस के सलामी बल्लेबाज साई किशोर के पास ओरेंज कैप की सूची में शीर्ष पर आने का अवसर था लेकिन वह हैदराबाद के खिलाफ अधिक रन नहीं बना पाये। साई केवल 5 रन ही बना पाये। पूरन के चार मैचों में 201 जबकि सुदर्शन के 191 रन हैं और वह दूसरे नंबरर पर हैं। वहीं 184 रन बनाकर मिशेल मार्श तीसरे नंबर पर हैं। वहीं सिराज सबसे अधिक विकेट के लिए मिलने वाली पर्पल कैप की रेस में दूसरे नंबर पर पहुंच गये हैं। उनके चार मैचों में कुल 8 विकेट हैं। वहीं चेन्नई सुपर किंग्स के नूर अहमद चार मैचों में 10 विकेट लेकर पहले नंबर पर हैं।

पोंटिंग बोले , कोच के तौर पर हार-जीत की जिम्मेदारी लेता हूं

मुम्बई (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में इस बार पंजाब किंग्स का प्रदर्शन अच्छा रहा है और उसने अब तक तीन में से अपने दो मैच जीते हैं। पहले दोनो ही मैचों में टीम को जीत मिली पर तीसरे मैच में उसे हार का सामना करना पड़ा है। इसी को लेकर पोंटिंग ने कहा है कि मुख्य कोच के तौर पर वह हार की जिम्मेदारी लेते हैं पर साथ ही कहा कि एक बार मैदान में उतरने के बाद टीम की जिम्मेदारी कप्तान की हो जाती है। पंजाब की टीम ने इस बार श्रेयस अय्यर को कप्तान बनाया है। श्रेयस की कप्तानी में ही पिछले सत्र में कोलकाता नाइटराइडर्स ने खिताब जीता था। वहीं पोटिंग इससे पहले दिल्ली कैपिटल्स के मैंटोर थे। पोंटिंग ने कहा, मैं मुख्य कोच हूं और जीत और हार के लिए जिम्मेदार हूं पर एक बार खेल शुरू होने के बाद टीम कप्तान के हवाले हो जाती है। खेल शुरू होने के बाद कोच की भूमिका बेहद कम होती है। श्रेयस को इस फ्रेंचाइजी में लाकर हमने नीलामी में जो किया, उससे यह बिल्कुल स्पष्ट था, यह मेरे और मालिकों के लिए स्पष्ट था कि हम सबसे अच्छा भारतीय कप्तान चाहते थे। हमें जैसी इच्छा थी वैसा कप्तान मिल गया है। गौरतब है कि आईपीएल 2025 की बात करें तो पंजाब किंग्स ने लगातार दो मैच जीतकर शानदार शुरुआत की पर तीसरे मैच में टीम को हार का सामना करना पड़ा है। पंजाब किंग्स को अब मंगलवार को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) से खेलना है।

जहीर से आगे निकले सिराज नेहरा के रिकार्ड पर हैं नजरें

मुम्बई (ईएमएस)। गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) चौथे मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ चार विकेट लेने के साथ ही अपने 100 विकेट पूरे किये हैं। इस प्रकार सिराज ये उपलब्धि हासिल करने वाले 12वें भारतीय तेज गेंदबाज हैं। अब सिराज के नाम 102 विकेट हो गये हैं और इसी के के साथ ही उन्होंने पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान के 102 विकेट की बराबरी कर ली है। सिराज के पास अब पूर्व भारतीय गेंदबाज आशीष नेहरा के 106 विकेट का रिकॉर्ड तोड़ने का अवसर है।

जहीर ने अपने आईपीएल करियर में कुल 100 मैच खेले और 102 विकेट लिए। वहीं नेहरा ने 88 मैच खेले और 106 विकेट लिए।सिराज ने अब तक 97 मैच में 102 विकेट लिए हैं। ऐसे में सिराज अगर आने वाले मैचों में चार विकेट लेते हैं तो वह नेहरा का रिकार्ड तोड़ देंगे।

आईपीएल के शुरुआती सत्र में पाक क्रिकेटर ने जीती थी पर्पल कैप

नई दिल्ली (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की आजकल धूम है और इसमें दुनिया भर के क्रिकेटर नजर आ रहे है हालांकि पाकिस्तान के खिलाड़ियों को इसमें शामिल नहीं किया जाता पर साल 2008 में हुए सत्र में पाक खिलाड़ियों को भी इसमें खेलने का अवसर मिला था। तब पाक के एक खिलाड़ी सोहेल तनवीर ने शेन वार्न की कप्तानी में राजस्थान रॉयल्स की ओर से शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी टीम को जीत दिलायी थी। तनवी को तब रॉयल्स ने 40.16 लाख रुपए रुपये में खरीदा था। इस गेंदबाज को सबसे अधिक विकेट के लिए पर्पल कैप भी मिली थी। इस गेंदबाज ने तब 11 मैचों में कुल 22 विकेट लिए थे।

आईपीएल से संन्यास का फैसला फिटनेस के आधार पर करुंगा : धोनी

चेन्नई (ईएमएस)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने कहा है कि अभी वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से संन्यास नहीं ले रहे और इस मामले में कोई भी फैसला अपनी फिटनेस के आधार पर करेंगे। धोनी ने कहा कि वर्तमान सत्र के बाद अपनी फिटनेस का आंकलन करने के बाद ही वह अगले सत्र में खेलने पर कोई फैसला करेंगे। वहीं आईपीएल से संन्यास के बारे में पूछे गए सवाल पर धोनी ने कहा कि मैं अभी भी आईपीएल में खेल रहा हूं और इसी पर ध्यान दे रहा हूं। मैं अभी 43 साल का हूं और एक बार में एक साल तक की ही बात कर सकता हूं। जब यह सत्र खत्म होगा, तब तक मैं 44 साल का हो जाऊंगा।

फटाफट खबरें

आईडीबीआई बैंक की याचिका खारिज

नई दिल्ली (ईएमएस)। राष्ट्रीय कंपनी विधि अपील अधिकरण (एनसीएलटी) ने सोमवार को आईडीबीआई बैंक की याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें जी एंटरटेनमेंट के खिलाफ दिवाला कार्यवाही शुरू करने का अनुरोध किया गया था। एनसीएलटी की दो सदस्यीय पीठ ने मुंबई पीठ द्वारा पारित आदेश को बरकरार रखा और आईडीबीआई बैंक को देनदार की याचिका को खारिज करने की स्वतंत्रता प्रदान की। हालांकि, प्राधिकरण ने आईडीबीआई बैंक को दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता की धारा 10ए में उल्लिखित अवधि से परे चूक के लिए नई याचिका दायर करने की स्वतंत्रता भी प्रदान की। इसमें कहा गया है कि कोविड-19 महामारी के बाद आर्थिक गतिविधियां फिर से शुरू होने के बाद सरकार ने कंपनियों की मदद के लिए आईबीसी में विशेष प्रावधान शामिल किया था। इस विवाद में जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड (जील) और आईडीबीआई बैंक के बीच हो रही उत्पन्नता और भुगतान की चूकों के बारे में बहस है। सिटी नेटवर्क्स ने 150 करोड़ रुपये के ऋण के लिए अपनी गारंटी को जील के लिए उधारने में मदद के रूप में प्रदान किया था।

आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति की बैठक शुरू

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक की छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक सोमवार से प्रारंभ हो गई। यह बैठक चालू वित्त वर्ष की पहली बैठक होगी। उम्मीद जताई जा रही है कि आरबीआई नीतिगत रीपो रेट में 25 बेसिस प्वाइंट की कटौती कर सकता है। हालांकि, थोड़ी संभावना गहरी कटौती की भी है। बैठक में लिक्विडिटी यानी नकदी प्रवाह से जुड़े उपायों पर भी नजर रहेगी, ताकि रेपो रेट में बदलाव का असर बैंकों की कर्ज और डिपॉजिट दरों तक आसानी से पहुंच सके। बैठक से पहले आरबीआई ने बैंकों के साथ कई बैठकें की हैं, ताकि लिक्विडिटी फ्रेमवर्क को लेकर उनकी राय ली।

बाजार में 4 जून के बाद सबसे बड़ी गिरावट, आईटी मेटल इंडेक्स 7 फीसदी तक टूटे

शेयर बाजार में हाहाकार, सेंसेक्स 4000 अंक लुढ़का

■ मुंबई (ईएमएस)।

डोनाल्ड ट्रंप के जवाबी टैरिफ से उपजी आशंकाओं और अमेरिकी बाजार की रिकॉर्ड गिरावट के बाद घरेलू शेयर बाजार में सोमवार को भारी गिरावट देखी गई। भारतीय शेयर बाजार के लिए सोमवार 'ब्लैक मंडे' साबित हुआ। अमेरिका ने 180 से ज्यादा देशों पर टैरिफ लगाया है। इसके जवाब में चीन ने अमेरिकी उत्पादों पर 34 फीसदी का जवाबी टैरिफ लगा दिया है। इससे विश्व में ग्लोबल ट्रेड वॉर की चिंता गहराई गई है। इसके अलावा विदेशी निवेशकों की बिकवाली जारी है। इससे बाजार में चौतरफा बिकवाली देखने को मिल रही है। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 4000 अंक के करीब गिरकर 71,449.94 पर खुला। जबकि शुक्रवार को यह 75,364.69 अंक पर बंद हुआ था। सुबह की शुरुआत में सेंसेक्स 3153.86 अंक की बड़ी गिरावट लेकर 72,210.83 पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी 1000 अंक से ज्यादा की गिरावट लेकर 21,758.40 पर खुला। शुक्रवार को यह 22,904 पर बंद हुआ था। सुबह की शुरुआत में निफ्टी 996.15 अंक की बड़ी गिरावट के साथ 21,908.30 अंक पर कारोबार कर रहा था।

भारतीय शेयर बाजार में सोमवार को आई बड़ी गिरावट से निवेशकों को तगड़ा नुकसान हुआ है। बाजार खुलते ही बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप गिरकर 3,86,01,961 लाख करोड़ रुपये पर आ गया। यह शुक्रवार को 404,09,600 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह बाजार खुलने के 10 मिनट के अंदर निवेशकों की वेल्थ 18,07,639 करोड़ रुपये घट गई। इससे पहले शुक्रवार के सेंसेक्स 930.67 अंक टूटकर 75,364.69 पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी50 में 345.65 अंकों की गिरावट आई थी और यह 1.49 फीसदी टूटकर 22,904.45 पर बंद हुआ था।

एशियाई बाजारों में भी बड़ी गिरावट- एशियाई बाजारों में सोमवार को गिरावट का सिलसिला जारी रहा। अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की ओर से लगाए गए टैरिफ के चलते ग्लोबल ट्रेड वॉर की आशंका ने निवेशकों के बीच घबराहट बढ़ा दी है। जापान का निक्केई इंडेक्स 8 फीसदी से ज्यादा टूटा, जबकि टॉपिक्स इंडेक्स में 8.6 फीसदी की गिरावट दर्ज हुई। बाजार में भारी गिरावट के चलते जापानी फ्यूचर्स ट्रेडिंग को अस्थायी रूप से रोका गया क्योंकि सर्किट ब्रेकर ट्रिगर हो गया। दक्षिण कोरिया के बाजारों में भी बड़ी गिरावट- दक्षिण कोरिया के बाजारों में भी बड़ी गिरावट देखी गई। कोस्पी इंडेक्स शुरुआती कारोबार में 4.3 फीसदी गिरा, जबकि कोस्डाक 3.4 फीसदी टूटा। ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स 200 इंडेक्स 6 फीसदी फिसला और यह अब फरवरी के उच्च स्तर से 11 फीसदी गिर चुका है, यानी यह करेक्शन जोन में पहुंच गया है। वहीं अमेरिका में भी निवेशकों का भरोसा डगमगाता नजर आया।

भारत को टैरिफ युद्ध में प्राप्त हो सकता है महत्वपूर्ण अवसर

ऐपल, सैमसंग अब इंडिया से अमेरिका भेजेंगे ज्यादा माल

■ नई दिल्ली (ईएमएस)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में लगाए गए टैरिफ को लेकर दुनिया भर के विशेषज्ञों की ध्यान आकर्षित किया है। इन टैरिफ सैंकड़ों देशों को दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के साथ बाजार में जुड़ा देखने का मौका देते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इस टैरिफ युद्ध में भारत को एक महत्वपूर्ण अवसर प्राप्त हो सकता है। डोनाल?ड ट्रंप ने चीन और वियतनाम को अमेरिकी उत्पादों पर लगाए गए टैरिफ को देखते हुए भारत पर लगाए गए शुल्क को कम किया है। इसके परिणामस्वरूप भारत में बने उत्पादों की अमेरिका में आपूर्ति बढ़ाने की तैयारी शुरू हो गई है। इससे भारत के मैन?युफेक्चिरिंग सेक?टर को नई ऊर्जा मिलेगी और देश को अंतरराष्ट्रीय बाजारों में एक नया पहचान प्राप्त हो सकता है। आधुनिक दुनिया की एक और महत्वपूर्ण खबर है कि दुनिया की सबसे बड़ी इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी ऐपल ने भारत में उत्पादन शुरू किया है और भारत से बने आईफोन को अमेरिका भेजने की तैयारी में है। यह कदम चीन से होने वाले निर्यात में कटौती को कम करने के लक्ष्य के साथ अमेरिकी बाजार में अधिक बढ़ोतरी करने को दर्शाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐपल के इस कदम से भारत में आईफोन उत्पादन को और भी प्रोत्साहित किया जा सकता है। अगर ऐपल इस रणनीति को अधिक बढ़ावा देती है, तो देश में नए निवेश के अवसर उत्पन्न हो सकते हैं और भारत की वैश्विक उत्पादन योजनाओं को बढ़वा मिल सकता है। साथ ही, ऐपल के डिस्ट्रीब्यूशन चेनल्स को बढ़ावा देने के लिए और भी बदलाव किए जा रहे हैं। इन बदलावों से भारत के वैश्विक उत्पादन की लक्ष्यों को मजबूती दी जा सकती है और देश में निर्माण क्षमता में भी वृद्धि हो सकती है। इसी तरह, अमेरिका और चीन के टैरिफ युद्ध में भारत के लिए नए अवसर खुल सकते हैं, जो देश के विनिर्माण सेक्टर को एक नया संकेत दे सकता है। इस समय स्थिति को ध्यान से देखा जा रहा है ताकि भारत इस समय के माहौल में अपने लाभों को सही तरीके से उठाए।

निजी इक्विटी निवेश में गिरावट, रियल एस्टेट में प्रवाह कमजोर

■ नई दिल्ली (ईएमएस)।

भारत के रियल एस्टेट सेक्टर में निजी इक्विटी निवेश में तीन प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है, जिसका एक रियल स्टेट सलाहकार ने अपनी ताजा जानकारी में दावा किया है। वित्त वर्ष 2024-25 में इस गिरावट के साथ पीई निवेश कुल 3.7 अरब अमेरिकी डॉलर रहा है, जो पहले के वित्त वर्ष की तुलना में थोड़ी कमी का अंक साबित होता है। रियल स्टेट के सलाहकार ने इस गिरावट की वजह के रूप में वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता और भू-राजनीतिक अस्थिरता का जिक्र किया है, जो विदेशी निवेशकों की गतिविधियों में कमी के साथ विनम्रता बनाता है। पिछले वित्त वर्ष में पीई निवेश की ज्यादातर हिस्सेदारी विदेशी निवेशकों के पास थी, जो 84 प्रतिशत तक थी, जबकि घरेलू निवेशकों की हिस्सेदारी 16 प्रतिशत रही। इस समय कार्यालय और गोदाम परिसंपत्तियों में निवेश की भारी गिरावट भी दर्ज की गई है, जो निजी इक्विटी निवेश के साथ संबंधित है। गोदाम परिसंपत्तियों में पीई निवेश में तेजी से वृद्धि हुई है, जिसने आवास और कार्यालय संपत्तियों में स्थानांतरण में गिरावट का कारण बना है। वित्त वर्ष 2024-25 में हाइब्रिड सौदों की हिस्सेदारी 42 प्रतिशत रही है, जिसमें इक्विटी और ऋण निवेश में क्रमशः 37 प्रतिशत और 21 प्रतिशत की गिरावट आई है। इस तरह कुल संदर्भ में रियल एस्टेट सेक्टर में निजी इक्विटी निवेश में गिरावट के साथ वृद्धि और संविदानिक गतिविधियों में संकेत है कि वित्तीय स्थिरता की दिशा में तेजी हो सकती है।

ट्रंप के टैरिफ ऐलान से अर्थव्यवस्था में हड़कंप

कनाडा ने यूएस के बर्बादी की कर दी भविष्यवाणी

■ वॉशिंगटन (ईएमएस)।

अमेरिका के राष्ट्रपति ने हाल ही में टैरिफ का ऐलान कर दुनिया भर में हलचल मचा दी है। इस कदम ने अमेरिकी शेयर बाजारों के साथ दुनियाभर के बाजारों को भी हिला दिया है। ट्रंप का दावा है कि यह कदम देश को 'पहले से कहीं ज्यादा धनी' बनाएगा, लेकिन इसके परिणाम अभी से ही साम्यिका में निगरानी करने योग्य नजर आ रहे हैं। ट्रंप के टैरिफ ने वैश्विक शेयर बाजारों में अफरा-तफरी मचा दी है। भारत समेत एशिया के बाजारों में गिरावट देखी जा रही है जबकि कनाडा के नए प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने टैरिफ को लेकर अमेरिका को चेताया है। चिंता यह है कि यह टैरिफ न केवल कनाडा बल्कि दुनिया के लिए भी दुर्भाग्यपूर्ण साबित हो सकते हैं। इसी क्रम में जिम्बाब्वे ने अमेरिकी आयात पर टैरिफ हटाने का ऐलान कर दिखाया कि वह किसी भी अवस्था में अपने हितों की रक्षा करने के लिए तैयार है।

आखिरकार, ट्रंप के उद्देश्य को लेकर दुनिया का विचार और राय भिन्न-भिन्न हैं, जिससे ग्लोबल अर्थव्यवस्था पर भविष्य में कैसा असर पड़ेगा, यह एक महत्वपूर्ण प्रश्न है। कनाडा के नए पीएम मार्क कार्नी ने ट्रंप के टैरिफ को लेकर सख्त चेतावनी दी है! कार्नी ने कहा ?कि ये टैरिफ कनाडा में रोजगार पर दबाव डालेंगे, लेकिन सबसे ज्यादा नुकसान अमेरिका को ही होगा। कार्नी ने ब्रेक्जिट का उदाहरण देते हुए कहा, मैंने यह सब पहले होते हुए देखा है। अमेरिका कमजोर होने वाला है। ब्रेक्जिट का असर भी बाद में दिखा था। ट्रंप ने हाल ही में मी?डिया से बातचीत में कहा था कि टैरिफ से अमेरिका में नौकरियां और निवेश वापस आएंगे। उन्होंने आलोचनाओं को खारिज करते हुए कहा, कभी-कभी कुछ ठीक करने के लिए दवा लेनी पड़ती है।

उनके शीर्ष अधिकारियों, जैसे ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेन्ट और कॉमर्स सेक्रेटरी हावर्ड लुटनिक ने भी मंदी की आशंकाओं को नकारते हुए टैरिफ को सही ठहराया। हालांकि, वैश्विक नेताओं और बाजारों की प्रतिक्रिया से साफ है कि यह 'दवा' दुनिया के लिए कड़वी साबित हो रही है।

बाजार में कोहराम के बीच सोने-चांदी ने दिखाई चमक

■ नई दिल्ली (ईएमएस)।

देश के सराफा बाजार में सोमवार को सोने-चांदी के भाव में तेजी देखने को मिल रही है। घरेलू बाजार में चांदी के वायदा भाव तेजी के साथ खुले, जबकि सोने के भाव हल्की गिरावट के साथ खुलने के बाद चढ़ गए। सोने के वायदा भाव 88,350 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे, जबकि चांदी के भाव 88,900 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वै?श्विक बाजार में भी सोने-चांदी के भाव तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं। सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रेक्ट 75 रुपये की गिरावट के साथ 88,000 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 88,075 रुपये था। सोने के वायदा भाव ने इस महीने 91,423 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई कॉन्ट्रेक्ट 1,627 रुपये की तेजी के साथ 88,884 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 87,211 रुपये था। चांदी के वायदा भाव ने इस साल 1,01,999 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था।

इंदौर बाजार भाव

इन्दौर (ईएमएस)।लेवाली कमजोर रहने से सोमवार को अनाज मंडी में चना घटाकर बोला गया। मसूर भी टूटी। खाद्य तेलों में सुस्ती कायम रही। तिलहनों में सोयाबीन बाजार घटाकर बोले गये। किराना बाजार में ग्राहकी बेहद ठंडी रही। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार चने में लेवाली कमजोर रहने से भावों में मंदी आयी। चना शनिवार के मुकाबले 50-150 रू.क्विंटल तक टूटा। मसूर भी टूटी। खाद्य तेलों में सुस्ती कायम रही। तिलहनों में सोयाबीन बाजार 100-200 रू. प्रति क्विंटल तक टूट गये। उधर, किराना बाजार में व्यापार बेहद सुस्त-सुस्त रहा। शक्कर में नरमी का रूख रहा। भाव इस प्रकार रहे :-

सातवें पे कमीशन के अनुसार दिया जाएं महंगाई भत्ते का लाभ

भोपाल,ईएमएस। मप्र कर्मचारी मंच ने प्रदेश के मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर मांग की है कि प्रदेश के कर्मचारियों को भत्तों का लाभ सातवें पे कमीशन के अनुसार दिया जाए। मप्र कर्मचारी मंच के प्रांताध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि प्रदेश सरकार ने प्रदेश के साढे सात लाख कर्मचारियों को यात्रा भत्ता, अव्यावसायिक भत्ता, यात्रा स्थाई भत्ता, गृह भाड़ा, पता अनुग्रह भत्ता, दोहरा कार्य भत्ता, उच्च पद प्रभार भत्ता देने के आदेश जारी करें।

राजनीतिक प्रशासनिक

अब नियमित होंगे 240 दिन सेवा पूर्ण करने वाले स्थाई कर्मी

भोपाल,ईएमएस। मप्र हाईकोर्ट ने एक याचिका की सुनवाई के दौरान फैसला दिया है कि अब 240 दिन की सेवा पूर्ण करने वाले स्थाई कर्मी नियमित होंगे। दरअसल, सेवानिवृत्त वाहन चालक (स्थाई कर्मी) लोकनिर्माण विभाग, राजभवन सेक्शन के प्रकाश सपकाल ने इस संदर्भ में याचिका दायर की थी। याचिका पर सुनवाई करते हुए मप्र हाईकोर्ट ने कहा है कि सुप्रीम कोर्ट की गाईडलाईन औद्योगिक अधिनियम 1947 के तहत नियुक्ति दिनांक से 240 दिन की सेवा पूर्ण करने के बाद वाले स्थाई कर्मी अब नियमित हो सकेंगे।

भाजपा में फिर दिखा परिवारवाद...शिवराज के बेटे के बाद बहू की राजनीति में एंट्री

संघर्ष करने वाले कार्यकर्ताओं की जगह बहू को मिला मंच !

बुधनी/सीहोर,ईएमएस।

एक ओर भाजपा वंशवाद के खिलाफ मुखर है, दूसरी ओर उसी पार्टी के दिग्गज नेता और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की बहू अमानत चौहान का रविवार को भाजपा के स्थापना दिवस कार्यक्रम में राजनीतिक मंच पर पदार्पण, कार्यकर्ताओं के बीच सवालों का कारण बन गया है। रविवार को भैरूंदा में आयोजित कार्यक्रम में अमानत चौहान ने पार्टी के स्थापना दिवस पर न केवल मंच साझा किया, बल्कि जनता को संबोधित करते हुए खुद को बेटी के रूप में सेवा करने वाली बताया। वहीं, कई भाजपा कार्यकर्ताओं ने इसे वंशवाद की शुरुआत मानते हुए दबी जुबान में सवाल उठाए कि सड़कों पर संघर्ष हमने किया और मंच बहू को मिल गया?

पार्टी में चर्चा तेज है कि यह केवल एक औपचारिक मौजूदगी नहीं, बल्कि चौहान परिवार की अगली राजनीतिक पीढ़ी की बुनियाद रखने की कोशिश है। अमानत चौहान, शिवराज सिंह के बेटे कार्तिकेय सिंह चौहान की पत्नी हैं और यह उनका पहला सार्वजनिक राजनीतिक भाषण था। दिलचस्प बात यह है कि खुद शिवराज सिंह चौहान वंशवाद के आलोचक रहे हैं। कई मौकों पर उन्होंने वंशवाद को लोकतंत्र के लिए घातक बताया है। ऐसे में अपनी ही बहू की सार्वजनिक राजनीति में एंट्री से उठते सवालों पर पार्टी अब बैकफुट पर नजर आ रही है।

स्थानीय कार्यकर्ताओं में गुस्सा

कार्यकर्ताओं का कहना है कि जिन्होंने वर्षों तक संगठन को खड़ा किया, वो आज भी मंच के नीचे खड़े हैं। मंच पर जगह मिली तो परिवार के सदस्य को। एक स्थानीय नेता ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि अगर वंशवाद नहीं है तो फिर इसे क्या कहा जाए? राजनीतिक विश्लेषकों की मानें तो अमानत चौहान की यह मौजूदगी एक संकेत है कि चौहान परिवार अब राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाने की तैयारी में है। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि शिवराज सिंह, जो हमेशा परिवारवाद के विरोधी रहे हैं, अब इस आलोचना से कैसे निपटते हैं।

बेटी व बहू के रूप में जनता की सेवा करूंगी

अमानत ने सीहोर में भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच कहा कि मैं कार्तिकेय जी की पत्नी व क्षेत्र की बेटी व बहू के रूप में जनता की सेवा करने का प्रयास करूंगी। मेरे पिता तुल्य केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान इस क्षेत्र ही नहीं बल्कि देश की सेवा राजनीति के माध्यम से कर रहे हैं। उन्हें क्षेत्र की जनता ने असीम प्यार और दुलार दिया है। इसके लिए सभी क्षेत्रवासियों का बहुत-बहुत आभार। मैं पहली बार भैरूंदा की धरती पर आई हूं ओर जो स्वागत सत्कार किया गया हैं उससे मैं अभिभूत हूं।

गर्मियों की छुट्टियों का हुआ ऐलान

छात्रों को मिलेगा 46 दिन का आराम, शिक्षक हुए नाराज

भोपाल,ईएमएस। मध्य प्रदेश में एक मई से शासकीय विद्यालयों में विद्यार्थियों के लिए गर्मी की छुट्टी 46 दिन रहेगी। यह एक मई से प्रारंभ होकर 15 जून तक चलेगी। वहीं शिक्षकों को 31 दिन का ग्रीष्मकालीन अवकाश मिलेगा। यह एक मई से 31 मई तक रहेगा। शिक्षक संगठनों का कहना है कि पिछले वर्ष सात दिन छुट्टी कम मिली थी। इस वर्ष 15 दिन की कटौती की गई है। स्कूल शिक्षा विभाग ने वर्ष 2025-26 के लिए शैक्षणिक कैलेंडर के तहत अवकाश घोषित कर दिए हैं। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि ग्रीष्मकालीन अवकाश के साथ-साथ वर्षभर के दौरान अन्य अवकाशों के आदेश भी जारी कर दिए हैं। अक्टूबर में दो बार अवकाश मिलेगा। दशहरा का अवकाश एक से तीन अक्टूबर तक रहेगा। वहीं दीपावली का अवकाश 18 से 23 अक्टूबर तक दिया गया है।

पांच दिन का रहेगा शीतकालीन अवकाश

शीतकालीन अवकाश 31 दिसंबर से चार जनवरी 2026 तक रहेगा। इस बार दशहरा में तीन दिन, दीपावली में छह दिन और शीतकालीन अवकाश पांच दिन का रहेगा।

राज्य सेवा अधिकारियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम में डॉ. मोहन बोले

शिक्षण से व्यक्ति और प्रशिक्षण से व्यक्तित्व बनता है

भोपाल,ईएमएस। मध्य प्रदेश के भोपाल में सीएम डॉ. मोहन यादव ने राज्य सेवा के अधिकारियों के संयुक्त आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि शिक्षण से व्यक्ति और प्रशिक्षण से व्यक्तित्व बनता है। शिक्षण-प्रशिक्षण का महत्व बहुत महत्वपूर्ण है।

सोमवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन ने राज्य सेवा के अधिकारियों के 118वें संयुक्त आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षण से व्यक्ति बनता है। प्रशिक्षण से व्यक्तित्व बनता है। शिक्षण हुआ है प्रशिक्षण की शुरुआत हो रही है। शिक्षण - प्रशिक्षण का महत्व बहुत महत्वपूर्ण है। परिवार में, मित्रों के बीच व्यवहार की परीक्षा होगी। परीक्षा का दौर सतत चलता रहेगा। आप समझें हम हैं क्या, हम कर क्या रहे हैं। जल से बर्फ बनता है तो जल नहीं रह जाता है। बर्फ पिघला तब जल बनता है। दोनों के गुणधर्म अलग-अलग हैं।

आपका अब नया अध्याय

उन्होंने कहा कि आपका अब नया अध्याय है। अब आप जल से बर्फ बनने जा रहे हैं। सबसे पहले खुद को खुद से जानें, आपकी नौकरी की आयु निश्चित है, लेकिन पारिवारिक रिश्तों की कोई आयु नहीं है। ये समझना जरूरी है। सभी बातों का निचोड़ हमें ही निकालना है।

राम ने तप किया, तभी राजा बने

इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव संजय दुबे ने कहा कि प्रशिक्षण सिर्फ शैक्षणिक नहीं, व्यावहारिक दृष्टि से भी दिशा देता है। उन्होंने कहा कि भगवान राम ने जब तप किया, तभी वे राजा बने। इसी तरह आप सभी अधिकारी आम नागरिक की सेवा के लिए चयनित हुए हैं। जनसेवा का यह मौका तपस्या के समान है। उन्होंने यह भी कहा कि फील्ड में आपके हर निर्णय को जनप्रतिनिधियों, नागरिकों और वरिष्ठ अधिकारियों की कसौटी पर परखा जाएगा। यदि प्रशिक्षण के दौरान या बाद में किसी तरह की चूक होती है, तो उसका प्रभाव आपके पूरे करियर पर पड़ सकता है।

महिलाओं को सुरक्षा प्रदान करने में परिवहन विभाग फिसड्डी

निर्भया फंड की एक पाई का नहीं किया इस्तेमाल

भोपाल,ईएमएस। महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकार विभागों को निर्भया फंड मुहैया कराती है, लेकिन मप्र में परिवहन विभाग महिलाओं को सुरक्षा प्रदान करने में फिसड्डी साबित हुआ है। इसका प्रमाण इससे मिलता है कि परिवहन विभाग ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए निर्भया फंड के अंतर्गत मिले डेढ़ करोड़ रुपए में से एक भी पैसा खर्च नहीं किया है। यह आवंटन महिलाओं की सुरक्षा बढ़ाने के उपायों के लिए था।

गौरतलब है कि महिलाओं के खिलाफ अपराधों के मामले में प्रदेश का रिकार्ड अच्छा नहीं है, इसके बाद इस तरह की उदासी है। दूसरी ओर विभाग में 50 प्रतिशत से ज्यादा पद रिक्त हैं। इनमें उप परिवहन आयुक्त, क्षेत्रीय अतिरिक्त परिवहन अधिकारी, परिवहन निरीक्षक और अन्य पद हैं। कुल स्वीकृत 1698 पदों में से 899 रिक्त हैं।

यह जानकारी विधानसभा में प्रस्तुत परिवहन विभाग के प्रशासनिक प्रतिवेदन में सामने आई है। निर्भया फंड के अतिरिक्त सरकार ने विभाग के कुछ और क्रियाकलापों को जनता के लिए अधिक सुविधाजनक बनाने के लिए 167.43 करोड़ रुपये का आवंटन किया था, पर विभाग ने दिसंबर 2024 तक इस आवंटन में से केवल 66.92 करोड़ रुपये का उपयोग ही किया। यानी आवंटित धनराशि में आधे से भी कम खर्च हो पाई। इस राशि में से 142.17 करोड़ रुपये वेतन और 21.72 करोड़ रुपये पूंजीगत व्यय के लिए थे।

कांग्रेस ने मप्र की स्वास्थ्य व्यवस्था पर उठाए सवाल, कहा

मप्र में मौत बांट रहे अस्पताल

दमोह फर्जी डॉक्टर कांड में अस्पताल संचालक पर भी हत्या का केस दर्ज हो

भोपाल,ईएमएस। दमोह के मिशन अस्पताल में फर्जी डॉक्टर के हार्ट सर्जरी करने से हुई सात मौतों के मामले में अब कांग्रेस ने डॉक्टर के साथ अस्पताल संचालक पर हत्या का केस दर्ज करने की मांग की है। कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता रवि सक्सेना ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा मध्यप्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाएं बदहाल हैं। प्रदेश के अस्पताल मौत बांट रहे हैं। नकली डॉक्टर, नकली दवाएं, नकली अस्पताल चल रहे हैं। इससे मरीजों की जानें ली जा रहीं हैं।

रवि सक्सेना ने कहा कि एक फर्जी डॉक्टर, जो खुद को लंदन का प्रशिक्षित कार्डियोलॉजिस्ट बताकर मिशनरी अस्पताल में हार्ट सर्जरी कर रहा था। उस फर्जी डॉक्टर ने करीब 8 मरीजों की जान ले ली। इस त्रासदी ने न केवल स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही को उजागर किया है, बल्कि बीजेपी सरकार की जनता की सेहत के प्रति उदासीनता को भी सामने लाया है। हम, मध्यप्रदेश की जागरूक जनता और सामाजिक संगठन, इस मामले में तत्काल कार्रवाई और जवाबदेही की मांग करते हैं।

डॉक्टर की डिग्री और नाम दोनों फर्जी

दमोह के मिशनरी अस्पताल में नरेंद्र विक्रमादित्य यादव नाम के शख्स ने डॉ. एनजॉन केम के नाम से फर्जी दस्तावेजों के आधार पर नौकरी हासिल की। उसने जनवरी-फरवरी 2025 में 15 से ज्यादा हार्ट सर्जरी कीं, जिनमें से 8 मरीजों की मौत हो चुकी है। जांच में पता चला कि उसकी डिग्री और अनुभव पूरी तरह फर्जी थे। अस्पताल प्रबंधन ने बिना किसी पृष्ठभूमि जांच के उसे मरीजों की जिंदगी सौंप दी।

ऑनलाइन चलेंगी अनुकंपा नियुक्ति की फाइलें

समय पर नियुक्ति दिलाने में विभाग प्रमुख की तय होगी जिम्मेदारी

भोपाल,ईएमएस।

प्रदेश सरकार अनुकंपा नियुक्ति से जुड़े प्रकरणों के निराकरण के लिए मौजूदा व्यवस्था में बड़ा बदलाव करने जा रही है। अब अनुकंपा नियुक्ति से संबंधित फाइलें तहसील से लेकर मंत्रालय तक ऑनलाइन ही चलेंगी। साथ ही संबंधित विभागों को अनुकंपा नियुक्ति से जुड़े प्रकरणों का निराकरण समय-सीमा के भीतर अनिवार्य रूप से करना होगा। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग अन्य सभी विभागों से वन-टू-वन बैठकें करने जा रहा है।

सामान्य प्रशासन विभाग के अनुसार किसी भी मृत या लापता शासकीय कर्मचारी के आश्रित अनुकंपा नियुक्ति के लिए ऑनलाइन आवेदन करेंगे। संबंधित विभाग ऐसे प्रकरणों का हर स्तर पर परीक्षण कराकर आवेदन का समय-सीमा के भीतर निराकरण करेंगे। खास बात यह है कि अनुकंपा नियुक्ति से जुड़ी फाइल को संपादित कराने की जिम्मेदारी विभाग प्रमुख या विभागाध्यक्ष कार्यालयों को पूरी करनी होंगी। सामान्य प्रशासन विभाग ने मप्र इलेक्ट्रॉनिक विकास निगम के माध्यम से अनुकंपा नियुक्ति के लिए अलग पोर्टल तैयार कर लिया है। पोर्टल के जरिए अनुकंपा नियुक्ति के प्रकरणों के निराकरण के लिए 8 एवं 9 अप्रैल को सभी विभागों की अलग-अलग बैठकें होने जा रही हैं। बैठकों में आए सुझावों के बाद अनुकंपा नियुक्ति की ऑनलाइन प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।

अब नहीं दबेंगी फाइलें

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के निर्देश पर सामान्य प्रशासन विभाग ने यह बड़ा बदलाव किया है। अब अनुकंपा नियुक्ति की फाइलें सालों नहीं चलेंगी। फाइलों का समय पर निराकरण नहीं करने वाले या फाइलें अटकाने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। दरअसल, मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने सामान्य प्रशासन विभाग की समीक्षा बैठक में अनुकंपा नियुक्ति की प्रक्रिया को पारदर्शिता के साथ समय-सीमा के भीतर पूरा करने के निर्देश दिए थे।

भोपाल नगर निगम में अजीब स्थिति

फ्री पार्किंग से कमाया... पेड पार्किंग करने से 38 प्रतिशत घटी कमाई!

भोपाल,ईएमएस। भोपाल नगर निगम को एक अजीब स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। पिछले वित्तीय वर्ष में पार्किंग से होने वाली आय में 38 प्रतिशत की गिरावट आई है, जबकि 2023 में मुफ्त पार्किंग की नीति को शहर में बदल दिया गया था। सवाल उठता है कि क्या भोपाल में मुफ्त पार्किंग बीएमसी और शहर के लोगों के लिए ज्यादा फायदेमंद थी? और ऐसी स्थिति कैसे आई? बीएमसी को तब ज्यादा कमाई हुई, जब पार्किंग मुफ्त थी। बीएमसी के पार्षद और एमआईसी सदस्य (राजस्व) विंग, जगदीश यादव ने इस स्थिति के लिए टेंडर प्रक्रिया को जिम्मेदार ठहराया है। बीएमसी ने कई महीनों से पार्किंग टेंडर जारी किए हैं, लेकिन कोई भी फाइनल नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि हम टेंडरों को 15 दिनों में विभाजित करके पूरा कर लेंगे। बीएमसी ने पिछले आठ सालों में शहर में मल्टीलेवल पार्किंग में 150 करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश किया है।

पार्किंग से रेवेन्यू बढ़ाने की कोशिश नाकाम

बीएमसी शहर के निवासियों पर टैक्स बढ़ा रही है लेकिन पार्किंग से राजस्व बढ़ाने का लक्ष्य अभी तक पूरा नहीं हुआ है। 2025-2026 के लिए कार पार्किंग से अनुमानित वार्षिक राजस्व 3 करोड़ रुपये है।

गर्मी और भू-जल को देखते हुए ट्यूबवेल खनन पर रोक

कोई भी व्यक्ति 30 जून तक भोपाल जिले में नहीं खुदवा सकेगा

भोपाल,ईएमएस। भोपाल में गर्मी और गिरते भूजल स्तर को देखते हुए ट्यूबवेल खनन पर रोक लगा दी गई है। अब कोई भी व्यक्ति 30 जून तक भोपाल जिले में ट्यूबवेल नहीं खुदवा सकेगा। इस संबंध में कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने सोमवार को आदेश जारी किया।

मध्यप्रदेश पेयजल परिरक्षण अधिनियम की धारा 6(1) के तहत पूरे जिले में निजी नलकूप खनन पर प्रतिबंध लगाया गया है। सोमवार को हुई समयावधि (टीएल) बैठक में सभी एसडीएम ने भूजल स्तर के तेजी से गिरने और भविष्य में पेयजल संकट की आशंका जताई थी। इसके बाद कलेक्टर ने यह निर्णय लिया। आदेश के मुताबिक, एसडीएम की अनुमति के बिना जिले में बोरिंग मशीनों का प्रवेश और खनन दोनों प्रतिबंधित रहेगा। केवल सार्वजनिक सडक़ों से गुजरने वाली मशीनों को छूट दी गई है।

अवैध बोरिंग 2 साल तक की सजा

अगर कोई मशीन अवैध रूप से जिले में प्रवेश करती है या नलकूप खनन करती है, तो संबंधित एसडीएम और पुलिस अधिकारी मशीन को जब्त कर एफआईआर दर्ज करवा सकेंगे। आदेश का उल्लंघन करने पर दो हजार रुपए जुर्माना, दो साल की सजा या दोनों हो सकते हैं। यह आदेश केवल निजी नलकूपों पर लागू होगा। शासकीय योजनाओं के तहत किए जा रहे नलकूप खनन कार्यों पर यह प्रतिबंध लागू नहीं होगा। पीएचई द्वारा संचालित कार्यों को अनुमति की आवश्यकता नहीं होगी।

संगठन को मजबूत करने में जुटी कांग्रेस

जिलाध्यक्ष खरे न उतरे तो जाएगा पद

भोपाल,ईएमएस।

कांग्रेस ने यह वर्ष संगठन निर्माण के लिए समर्पित किया है। इसके तहत राज्य अपने-अपने संगठन को मजबूत करने की कवायद में जुट गए हैं। मप्र कांग्रेस संगठन को मजबूत करने के लिए लगातार बदलाव कर रही है। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी जमीन पर काम करने वाले युवाओं को मौका दे रहे हैं। जब से प्रदेश के नए प्रभारी हरीश चौधरी ने पद संभाला है इसमें और तेजी आ गई। हरीश चौधरी पटवारी के साथ लगातार प्रदेश का दौरा कर रहे हैं, और संगठन को मजबूत करने के लिए हर तरह के प्रयास कर रहे हैं। इसी कड़ी में कांग्रेस के नए जिला अध्यक्षों और ब्लॉक अध्यक्षों की नियुक्ति की कवायद तेज हो गई है। जिला अध्यक्षों के नामों को लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार की प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी के साथ चर्चा हो चुकी है। दरअसल, आलाकमान के निर्देशानुसार मप्र कांग्रेस ऐसे नेताओं को जिम्मेदारी सौंपने जा रही है जो सक्रिय हों। इसकी वजह यह है कि कांग्रेस अब तीन माह में जिला अध्यक्षों का रिपोर्ट कार्ड लेगी, जो जिलाध्यक्ष खरे नहीं उतरेंगे तो उनको चलता कर दिया जाएगा।

गौरतलब है कि अब देशभर में संगठन की मजबूत पर काम कर रही कांग्रेस ने तय किया है कि संगठन निर्माण और उसके क्रियाकलापों की बारीकी से निगरानी होगी। जिला और शहर अध्यक्षों को टाइमलाइन बनाकर लक्ष्य सौंप दिया गया कि जून तक गांव और वार्ड स्तर पर कमेटियां बना लेनी हैं। इतना ही नहीं, पार्टी के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने तो दो टूक कह दिया है कि यदि तीन माह बाद जिला और शहर अध्यक्षों का रिपोर्ट कार्ड बनेगा। जो उम्मीदों पर खरे नहीं उतरेंगे, उन्हें पद से हटा दिया जाएगा। कांग्रेस ने यह वर्ष संगठन निर्माण के लिए समर्पित किया है।

बूथ लेवल एजेंटों का प्रशिक्षण कार्यक्रम

गांव कांग्रेस कमेटी और वार्ड कांग्रेस कमेटियों के गठन के लिए जून, 2025 तक का समय दिया गया है। जून तक ही बूथ लेवल एजेंटों का प्रशिक्षण कार्यक्रम भी पूरा करना है। इसके अलावा मतदाता सूची से संबंधित गतिविधियां लगातार चलाई जाएंगी। कार्यकर्ताओं के लिए जमीनी स्तरपर प्रशिक्षण सत्र भी सतत चलाने होंगे। बैठक में शामिल सूत्रों ने बताया कि कुछ जिलाध्यक्षों ने सुझाव दिया कि अब कुछ राज्यों में पार्टी को अपने पैरों पर खड़ा होने के लिए बिना गठबंधन के चुनाव लडऩा चाहिए। राहुल गांधी ने उनकी भावनाओं की सराहना करते हुए कहा कि वह स्थिति भी आपको ही बनाना है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सनत कुमार जैन के लिए सुपर प्रिन्टर्स, आर-11, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल (म.प्र.) से मुद्रित कर हॉल नं. 07, चित्तौड़ कॉम्पलेक्स, जोन-1, एमपी नगर, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक : बलदेवराज गुप्त, एसोसियेट एडीटर : विनीत खरे, स्थानीय संपादक : सौरभ जैन*
फोन-0755-2572334, दिल्ली कार्यालय: ''ईएमएस हाउस'' यू-39-ए, शकरपुर, दिल्ली-110092. फोन नं.011-22022531 फैक्स नं. 011-22022535. ई-मेल: **expressnews.advt@gmail.com** (रजि नं. **RNI** 62831/95, डाक पंजीयन सं. म.प्र./भोपाल/402/2024-26) समाचार चयन के लिए *पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।